आपकी असमीया

असमीया स्वयंशिक्षक

लेखक
मुकुन्दमाधव शर्मा

अनुवादक
परेश चन्द्र देव शर्मा

असम साहित्य सभा

आपकी असमीया

असमीया स्वयंशिक्षक

लेखक
मुकुन्दमाधव शर्मा, एम्० ए०

अनुवादक
परेश चन्द्र देव शर्मा एम्० ए०

1963

असम साहित्य सभा
चन्द्रकांत सन्दिकै भवन
योरहाट : असम

APKI ASAMIYA ; A primer for teaching the Assamese language to non-Assamese speakers, by Shri Mukunda Madhava Sharma, Lecturer, Gauhati University, Assam, translated into Hindi by Shri Paresh Chandra Deva Sarma, Sahayak Pariksha Sachiv, Asam Rastrabhasha Prachar Samiti, Gauhati, and published by Dr. Maheswar Neog, General Secretary, Asam Sahitya Sabha, Chandrakanta Handiqui Bhavan, Jorhat, 1963

प्रकाशक :
डॉ महेश्वर नेओग
प्रधान सम्पादक
असम साहित्य सभा
योरहाट, असम

कीमत : दो रुपये

राष्ट्रभाषा प्रेस, गुवाहाटी में मुद्रित

भूमिका

हमारे गैर-असमीया बन्धुओंके हाथ असमीया भाषाकी सामान्य जानकारी हेतु गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के प्राध्यापक श्रीमुकुन्दमाधव शर्मा द्वारा लिखित 'Assamese for All" किताब का यह हिन्दी रूपान्तर "आपकी असमीया" भेंट करते हुए हमें बड़ी खुशी हो रही है। दूसरे महायुद्ध के बाद—जबसे असमका अन्तर्राष्ट्रीय सम्पर्क गहरा हुआ - इस तरह की एक किताब की बड़ी आवश्यकता महसूस की जा रही थी। असम साहित्य सभा की वर्तमान कार्यपालिका ने (1960-62) अपने कार्यकालके प्रारंभ में ही इस काम को अपने हाथमें लिया। गुवाहाटी विश्वविद्यालय के प्राध्यापक डॉ॰ विरिंचि कुमार बरुवा और कॉटन कालेज के भूतपूर्व अध्यापक श्री अतुलचन्द्र हाजरिका जी के सुझाव से कार्यपालिकाने श्री शर्मा द्वारा रचित उक्त अंग्रेजी पुस्तक को प्रकाशनार्थ चुना। खासकर डॉ॰ बरुवा जीने उक्त पुस्तक को सही वैज्ञानिक पद्धति से लिखने के लिये अनेकों परामर्श दिये। (Marlborough's self taught Series London 1947) के अन्तर्गत प्रो॰ सुनीति कुमार चटर्जी लिखित "Bengali Self-taught पुस्तक ही उसका आदर्श रही। उक्त किताब को प्रेसमें देने से पहले ठीक ढंग से संशोधन आदि कर सही रूप देनेमें श्री शर्माजी को अनेकों कष्ट उठाने पड़े। इसलिये मैं श्रीशर्माजी को तथा हमारे इस प्रयत्न में सक्रिय सहयोग देनेवाले गुवाहाटी विश्वविद्यालय के असमीया विभाग के प्राध्यापक श्री बिरिंचि कुमार बरुवाजी और श्री गोकुलचन्द्र गोस्वामी जी को धन्यवाद देता हूँ।

हम भारत सरकारके वैज्ञानिक अनुसंधान तथा सांस्कृतिक कार्य मंत्रालय के बड़े ही आभारी हैं—जिनके उदार अनुदानसे इस प्रारंभिक पुस्तक का प्रकाशन संभव हो सका। हम यह सूचित कर देना उचित समझते हैं कि इस किताब का अंग्रेजी संस्करण Assamese for All का प्रकाशन भी साथ साथ होरहा है। मैं अपने तरुण बन्धु श्रीपरेश चन्द्र देव शर्मा को यह हिन्दी संस्करण प्रस्तुत करने के हेतु तथा इस पुनीत प्रयत्न में प्रेम पूर्वक हाथ बँटाने वाले मेरे आदरणीय श्रीरजनीकांत चक्रवर्ती को धन्यवाद देता हूँ।

अन्तमें राष्ट्रभाषा प्रेस के मुद्रण-परिचालक श्रीगोविन्द महन्त को भी धन्यवाद देता हूँ—जिन्होंने बहुत ही थोड़ी अवधिमें इसकी छपाई का काम पूरा कर दिया जबकि स्थानीय या बाहर का कोई भी प्रेस इसके लिये प्रस्तुत नहीं हो रहा था ।

इस किताब के प्रकाशनमें अपने अमूल्य परामर्श देकर दूसरे जिन बन्धुओंने इसकी श्रीवृद्धिमें सहायता पहुंचाई है—मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ ।

चन्द्रकांत संदिकै भवन
योरहाट (आसाम)
मार्च 27, 1963

महेश्वर नेओग
प्रधान सम्पादक,
असम साहित्य सभा

आभार

मैं अपने उन अनगिनत बन्धुओं और सहयोगियों को धन्यवाद देना अपना पुनीत कर्तव्य समझता हूँ जो इस पुस्तक के प्रकाशन में बड़ी दिलचस्पी लेते आये हैं। खासकर श्री विश्वनारायण शास्त्री और श्री अतुलचन्द्र हाजरिका जी जिन्होंने इस किताब के सुधारने में अनेकों परामर्श दिये; प्राध्यापक डॉ० बिरिंचि कुमार बरुवा जी जिन्होंने इस किताब की पूरी रूप-रेखा बनाने में अपने अमूल्य सुझाव दिये—; आदरणीय सहयोगी श्री गोकुलचन्द्र गोस्वामी—जिन्होंने प्रस्तुत पुस्तकमें प्रयुक्त ध्वन्यात्मक नियम योजना (phonetic scheme) को लिखने में मदद पहुंचाई ; मेरी पत्नी श्री एलिमा शर्मा—जो एक नहीं बल्कि अनेकों रूपों में मुझे सहयोग देती रही—मैं इन सभी का चिरऋणी हूँ।

मैं असम साहित्य सभा के प्रधान-संपादक डॉ० श्रीमहेश्वरजी नेओग के प्रति अत्यन्त कृतज्ञ हूँ—जिनकी प्रेरणा और अथक परिश्रम के बिना इस पुस्तक का प्रकाशन ही नहीं हो पाता । उन्होंने खासकर असम साहित्य सभा द्वारा प्रकाशित मेरी Assamese for All का यह हिन्दी रूपान्तर भी असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के सहायक परीक्षा सचिव और बी. बरुवा कालेजके अध्यापक श्री परेश चन्द्र देव शर्मा जी से प्रस्तुत करवाकर प्रकाशित किया है। इस बाबत मैं उनका चिर आभारी हूँ।

यह किताब प्रकाशित करने के हेतु असम साहित्य सभाको और बहुत ही कम अवधिमें इसे मुद्रित कर देने के कारण राष्ट्रभाषा प्रेस के सभी कर्मियोंको मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।

गुवाहाटी विश्वविद्यालय
27-3-63

मुकुन्द माधव शर्मा

विषय-सूची

व्याकरण संबंधी सामान्य बातें

सर्वनाम

धातु रूप

अवतरण

भारतीय संविधान द्वारा स्वीकृत असमीया भाषा भारतकी आधुनिक भाषाओं में से एक है। असम राज्यमें यह भाषा बोली जाती है। आजके असम राज्यके अतिरिक्त उ० पू० सीमांत अंचल (N.E.F.A.), नगाल्याण्डकी यह सामान्य भाषा (lingua franca) है। यद्यपि असमके पहाड़ी इलाकों में अनेक पाहाड़ी बोलियाँ बोली जाती हैं उनकी सामान्य भाषा भी असमीया ही है। इस्वी १४ वीं सदीसे इस भाषाकी एक समृद्ध परंपरा है।

असमीया भाषाकी अनेक बोलियाँ हैं। खासकर ये बोलियाँ कामरुप और गुवालपारा जिलेमें ही बोली जाती हैं। लेकिन इस किताबमें असमीया भाषाके साहित्यिक रूपको ही लिया गया है। इसे सभी प्रकार की असमीया बोली बोलनेवाले व्यक्ति आसानी से समझ सकते हैं और सभी प्रकारके लिखनेके कामोंमें इस रूपका ही व्यवहार होता है।

चाय उत्पादनमें असम बहुत ही समृद्ध है। खनिज तैलके क्षेत्रमें भी असमका स्थान भारतमें प्रथम है। सामुहिक क्षेत्रमें पहला तेल शोधनागार असमके गुवाहाटी शहरमें ही बना है। आज असम औद्योगिक युगमें प्रवेश कर रहा है। इन उद्योगोंमें

असमके बाहरसे अनेक कारीगर और शिल्पपति, कर्मी आने लगे हैं जो असमीया भाषासे परिचित होना चाहते हैं। इसके अतिरिक्त असमके प्राकृतिक दृश्यका ही बाहरके भ्रमणकारियों के लिये एक स्थायी आकर्षण है। हर साल देशी, विदेशी बहुत भ्रमणकारी यहाँका चमकीला नजारा देखने आते हैं। इस स्थितिमें यहाँके लोगों से परिचय पानेके लिये—यहाँ की स्थितियोंसे अवगत होने यहाँकी भाषाकी जानकारी आवश्यक हो जाती है। इससे संबंध गाढ़ और दृढ़ होता है और सभी प्रकारकी गलतफहमियां दूर होनेमें सहायता मिलती है।

बृटिश साम्राज्यके अन्तर्भुक्त होनेसे पहले तक असमके पहाड़ और भूयामके लोगोंके बीच व्यावहारिक भाषा असमीया थी। लेकिन विदेशी शासनके कारण पहाड़ोंमें कुछ प्रतिबंध लग गया और धीरे धीरे मिसनारियोंके प्रभावसे वहाँके लोगोंने अपनी भाषाके लिये रोमन लिपिको अपनाया और अंग्रेजीकी ही हिमायती होने लगे। लेकिन आज स्थिति बदल रही है। भारत आज स्वाधीन है। स्वाधीन भारतकी अपनी राष्ट्रभाषा है। राष्ट्रभाषा हिन्दी पहाड़ी इलाकोंमें भी जनप्रिय हो रही है। और उधर बाहरसे आनेवाले अधिक संख्यक लोग हिन्दीसे परिचित हैं। अतः इस पुस्तकमें हिन्दी भाषाके माध्यमसे ही असमीया भाषा सीखानेकी व्यवस्था की जा रही है। इससे सभी श्रेणीके लोगों की सुविधा होगी—ऐसी आशा हमें है।

असमीया भाषा

असमीया भाषा का मूल संस्कृत है। संस्कृत के मागधी प्राकृतसे असमीया भाषा निकली है। असमीया भाषाकी शब्दावली मुख्यतः संस्कृतके तत्सम और तद्भव शब्द ही है। इसका व्याकरण भी संस्कृत

व्याकरण पर ही आधारित है। असमीया लिपि प्राचीन संस्कृत भाषाकी लिपि ब्राह्मी लिपि से निकली है जिसमें प्राचीन भारतीय बोलियाँ इस्वी॰ 200 से पहले तक लिखी जाती थी! असमीया भाषा बाएंसे दाहिनी तरफ लिखी जाती है।

वर्णमाला व उच्चारण

असमीया और देवनागरी (हिन्दी) वर्णमाला प्रायः एक ही है। दोनों के मूल प्राचीन ब्राह्मी लिपि है।

असमीया भाषा ठीक हिन्दी की तरह ही पढ़ी जाती है। असमीया भाषाका उच्चारण हिन्दी भाषाके उच्चारण से कोमल और आसान है नीचे एक एक करके प्रत्येक वर्णका उच्चारण निर्देश किया गया है। यों तो सही उच्चारणका ज्ञान असमीया भाषी व्यक्ति की मुंहसे सुनकर ही प्राप्त किया जा सकता है। फिर भी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करानेके उद्देश्य से ही उच्चारणका विस्तृत वर्णन (सोदाहरण) यहां दिया जा रहा है।

स्वरवर्ण

असमीया वर्ण	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
অ	अ	असमीया অ का उच्चारण हिन्दीका 'अ' जैसा ही है।
অ'	अ'	उर्द्ध कमा लगा होने पर অ का उच्चारण 'ओ' जैसा होता है।

असमीया वर्ण	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
আ	आ	इसका उच्चारण भी हिन्दी 'आ' जैसा ही है।
ই ঈ	इ ई	दोनों का उच्चारण हिन्दी 'इ' जैसा है। दोनों के उच्चारणमें कोई अन्तर नहीं है। लिखनेमें दोनों का अलग अलग प्रयोग है और अर्थ भी बदलता है। ই को "ह्रस्व इ" और ঈ को "दीर्घ ई" कहते है।
উ ঊ	उ ऊ	इनका उच्चारण भी हिन्दी 'उ' जैसा ही है। ই व ঈ की तरह इन दोनों में भी उच्चारणकी मात्रामें कोई अंतर नहीं है। উ को "ह्रस्व उ" और ঊ को "दीर्घे ऊ" कहते हैं।
ঋ	ऋ	इसका उच्चारण "रि" जैसा है।
এ	ए	এ का उच्चारण 'ए' जैसा ही है।
ঐ	ऐ	इसका उच्चारण हिन्दी "ओइ" की तरह है।
ও	ओ	ও का उच्चारण हिन्दी 'ओ' की तरह है।
ঔ	औ	इसका उच्चारण हिन्दी 'ओउ' की तरह है।

मात्रायें

हिन्दी की तरह असमीया मात्रायें भी है। नीचे इनका रूप दिया जा रहा है।

असमीया स्वर :— আ ই ঈ উ ঊ ঋ এ ঐ ও ঔ

हिन्दी स्वर :— आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

असमीया मात्रायें :— া ি ী ু ূ ৃ ে ৈ ো ৌ

हिन्दी मात्रायें :— ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

असमीया मात्रायें निम्न प्रकार व्यंजन के साथ प्रयोग होती है। ক + া = কা, ক + ি = কি, ক + ী = কী, ক + ু = কু, ক + ূ + কূ, ক + ৃ = কৃ, ক + ে = কে, ক + ৈ = কৈ, ক + ো = কো, ক + ৌ = কৌ

"क" की तरह दूसरे व्यंजनों में भी मात्रायें प्रयुक्त होती है। केवल नीचेका उदाहरण ही इसका व्यतिक्रम है।

গ + ু = গু, ৰ + ু = ৰু, ৰ + ূ = ৰূ,
শ + ু = শু, হ + উ = হু, হ + ৃ = হৃ

ँ (चन्द्र विन्दु) योग देकर उपरके सभी स्वरवर्ण का अनुनासीकरण किया जा सकता है। जिस स्वर या व्यंजन को अनुनासीकरण किया जाता है उसकी ऊपरी मात्रा पर ही ँ का चिह्न लगा दिया जाता है। हिन्दी की तरह ही यह व्यवस्था है।

व्यंजनवर्ण

असमीया वर्ण	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
"অ" के साथ		
ক	क	हिन्दी क जैसा ही। जैसे— কলম = कलम
খ	ख	,, ख ,, খণ্ড = खण्ड
গ	ग	,, ग ,, গৰম = गरमी (गर्मी)
ঘ	घ	,, घ ,, ঘৰ = घर (घर)
ঙ	ङ	,, ङ ,, जैसे নাঙল = नाङल (हल)

असमीया वर्ण 'अ' के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
চ ছ	च छ	इन दोनोंका उच्चारण हिन्दी "स" वण जैसा है। जैसे চঞ্চল=संसल (चंचल) ছোৱালী=सोवाली (लड़की)
জ	ज	हिन्दी "ज" जैसा
ঝ	झ	इस वर्णका उच्चारण प्राय: 'ज" जैसा ही होता है। जैसे-ঝকমক=জকমক जकमक
ঞ	ञ	(1) इसका उच्चारण हिन्दी "ञ" जैसा ही है। (2) हिन्दी "ञ" की तरह इसके पूर्ववर्ती वर्ण च छ ज स के साथ योग होने पर "न" का उच्छारण होता है। जैसे—পঞ্চম=প ঞ চ ম=पन्सम। (3) 'ज" के बाद संयुक्त होनेपर 'ज'का उच्चारण "ग" और "ञ" का 'ग्य' होता है। जैसे—আজ্ঞা=आग् ग्या=आज्ञा।
ট ত	ट त	इन दोनों का उच्चारण एकही सा है। दोनों का उच्चारण वर्त्स्य स्थल से होता है। अंग्रेजी Tax शब्द के 'T' का जैसा इसका उच्चारण है।
ঠ থ	ठ थ	ट और त जैसे ঠ और থ के उच्चारणमें भी कोई अंतर नहीं। दोनों का उच्चारण वर्त्स्य स्थलसे होता है। लेकिन ঠ को "मूर्द्धण्य ठ" और থ को "दन्त्य थ" कहते है। अंग्रेजी thank में "थ" का उच्चारण ही ঠ और থ का उच्चारण है।

असमीया वर्ण अ के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
ড দ	ड द	ऊपर के जैसा ही ड और द का वर्त्स्य उच्चारण है। ড को 'मूर्द्धण्य ड' और দ को 'दन्त्य द' कहते हैं। अंग्रेजी Dog में D का उच्चारण ड और द का उच्चारण हैं।
ঢ ধ	ढ ध	ঢ और ধ का उच्चारण भी वर्त्स्य ढ और ध का जैसा है। ঢ को 'मूर्द्धण्य ढ' और ধ को 'दन्त्य ध' कहते है।
ন ণ	ण न	ণ को 'मूर्द्धण्य ण' और ন को 'दन्त्य न' कहते हैं। दोनों का उच्चारण वर्त्स्य न जैसा है। अंग्रेजी N का उच्चारण से मेल है।
প	प	हिन्दी प जैसा है
ফ	फ	" फ "
ব	ब	" ब "
ভ	भ	" भ "
ম	म	" म "
য	य	" ज " (हिन्दी में यह अक्षर नहीं है)
ৰ	र	हिन्दी र जैसा है।
ল	ल	" ल "
ৱ	व	" व "
হ	ह	" ह "
ড়	ड़	इसे 'दरे ৰ' कहते हैं। इसका प्रयोग बहुत कम होता है। उच्चारण हिन्दी "र" जैसा।

असमीया वर्ण अ के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
ঢ়	ढ़	इसे "धरे र" कहते है । "ड़" जैसा इसका भी प्रयोग कम है। उच्चारण "ढ़" जैसा है। जैसे পঢ়া=पढ़ा।
য়	य	हिन्दी "य" जैसा ही इसका उच्चारण है । किसी व्यंजन के अंतमें प्रयुक्त होने पर इसका रुप '্য' होता है। इसे 'यकार' कहते। বাক্য=বাক্য वाक्य।
ং	ं	इसे असमीयामें भी "अनुस्वार" कहते हैं। उच्चारण हिन्दी ं जैसा ही है।
ঃ	:	इसे विसर्ग कहते हैं। उच्चारण हिन्दी का जैसा ही है।
শ	श	इसे तालव्य श कहते है।
ষ	ष	इसे मूर्द्धन्य ष कहते है।
স	स	इसे दन्य स कहते है।

(1) इन तीनों अक्षरें के उच्चारणमें खास विशेशता है। भारतीय दूसरी किसी भी भाषा में ऐसा उच्चारण नहीं मिलता। सामान्य अवस्थामें इसका उच्चारण हिन्दी के ख और ह के उच्चारण के बीचका है। (न "ख" और न "ह"।) [भाषा विज्ञान की दृष्टि से इसका उच्चारण कंठ्य-संघर्षी है।]

(2) संयुक्ताक्षरका पहला अक्षर होनेपर इनका उच्चारण वर्त्स्य "स" जैसा होता है। जैसे বস্ত্ৰ—बस्त्र, ৰাষ্ট্ৰ--राष्ट्र

(3) संख्याओंके अंत्याक्षर होने पर শ का उच्चारण वर्त्स्य "स" जैसा होता है। जैसा বিশ-बिस्।

(4) संयुक्ताक्षर के अंतिम वर्ण होने पर प्रायः इसका उच्चारण "ख" और "ह" का बीचका उच्चारण ही होता है।

असमीया वर्ण अ के साथ	हिन्दी वर्ण	उच्चारण
ৎ	त्	इसे हसन्त त (खण्डत्त) कहते है। यह स्वरहीन ত্ का रूप है। त, थ, न, ब, भ, य, र के अतिरिक्त दूसरे किसी व्यंजन के साथ युक्त होने पर पहला अक्षर "ত্" "ৎ" की तरह लिखा जाता है । जैसे :—উৎসাহ, উত্সাহ— उत्साह

संयुक्त व्यंजनवर्ण

सामान्य व्यवहार आनेवाले कुछ संयुक्त व्यंजनवर्ण का उदाहरण नीचे दिया जा रहा है। हिन्दी की तरह असमीया में भी दूसरा अक्षर पहले अक्षरके नीचे लिखा जाता है। "यकार" इसका व्यतिक्रम है। जैसे :—

क के साथ ক্+ক=ক্ক, ক্+ট=ক্ট, ক্+ন=ক্ন, ক্+ব=ক্ব, ক্+ল=ক্ল. ক্+ষ=ক্ষ। क्ष के उच्चारणमें अंतर है।

(i) क्ष शब्द का पहला-अक्षर होने पर इसका उच्चारण "ख्य" जैसा होगा। जैसे ক্ষমতা—ख्यमता।

(ii) और बीच में प्रयुक्त होने पर इसका उच्चारण कुख जैसा होगा- जैसे পৰীক্ষা—परीकुखा।

बाकी व्यंजन का योग भी "क" के जैसा ही होगा। जैसे :—

স্+ক=স্ক (स+क=स्क)
জ্+জ=জ্জ (ज+ज=ज्ज)
ন্+দ=ন্দ (न+द=न्द)
ল্+ম=ল্ম (ल+म=ल्म)
শ্+ব=শ্ব (श+व=श्व) इत्यादि।

लेकिन संयुक्त होने पर कुछ व्यंजनोंका अपने रूप नहीं रह जाता है। उसकी एक सूची नीचे दी जा रही है।

ক্+ত=ক্ত (क्+त=क्त)
গ্+ধ=গ্ধ (ग्+ध=ग्ध)
ক্+ষ=ক্ষ (क्+ष=क्ष)
ঙ্+ক=ঙ্ক (ङ्+क=ङ्क)
ঙ্+গ=ঙ্গ (ङ्+ग=ङ्ग)
ঞ্+চ=ঞ্চ (ञ्+च=ञ्च)
ঞ্+জ=ঞ্জ (ञ्+ज=ञ्ज)
ঞ্+ছ=ঞ্ছ (ञ्+छ=ञ्छ)
দ্+ধ=দ্ধ (द्+ध=द्ध)
ব্+ধ=ব্ধ (ब्+ध=ब्ध)
ত্+থ=ত্থ (त्+थ=त्थ)
ক্+ৰ=ক্ৰ (क्+र=क्र)
ত্+ৰ=ত্ৰ (त्+र=त्र)
ত্+ৰ+উ=ত্ৰু (त्+र+उ=त्रु)
ণ্+ড=ণ্ড (ण्+ड=ण्ड)

হ্+ন=হ্ন (ह्+न=ह्न)
ন্+ত+উ=ন্তু (न्+त्+उ=न्तु)
স্+ত+উ=স্তু (स्+त्+उ=स्तु)
হ্+ম=হ্ম (ह्+म=ह्म)

हिन्दी की तरह असमीयामें र के बदले ্ৰ (रकार) और ৰ্ (रेफ) का प्रयोग है।

ক্+ৰ=ক্ৰ, গ্+ৰ=গ্ৰ, ঘ্+ৰ=ঘ্ৰ
অৰ্‌ক=অৰ্ক, (अर्क) মূৰ্‌খ=মূৰ্খ (मुर्ख) মূৰ্‌গী=মূৰ্গী (मुर्गी)

संख्या

१=১, २=২, ३=৩, ४=৪, ५=৫,
६=৬, ७=৭, ८=৮, ९=৯, ०=০,
इस तरह—१९६२=১৯৬২, ३४०७८५=৩৪০৭৮৫ इत्यादि

यति चिह्न

असमीया का यति चिह्न हिन्दी की तरह है। सिर्फ "पूर्णविराम" को असमीयामें "दारि" कहते हैं। लेकिन प्रतीक चिह्न एक ही है।

पढ़ना व लिखना

असमीया भाषा की पढ़ने और लिखने की प्रक्रिया हिन्दी भाषा जैसी है। इसमें कोइ अंतर नहीं है।

हिज्जे संबंधी दो बातें

अब तक यह स्पष्ट हो गया है कि असमीया भाषामें एकाधिक अक्षरों की एक ही उच्चारण-ध्वनि है। नीचे इस तरह के कुछ अक्षर समूह को दिखाया जा रहा है।

ই, ঈ = ই (इ)
উ, ঊ = উ (उ)

চ, ছ = চ (स)
শ, ষ, স = স (X)
ত, ট = ত (त)
থ, ঠ = থ (थ)
দ, ড = দ (द)
ধ, ঢ = ধ (ध)
ন, ন = ন (न)
য, জ = জ (ज)

उच्चारण करते समय सम उच्चारण के ध्वनियों में कोई अंतर नहीं रहता है। लेकिन लिखते समय हम एक ध्वनि के बदले उच्चारण साम्य पर दूसरी ध्वनिका प्रयोग नहीं कर सकते। क्योंकि उन अक्षरों का एक ही उच्चारण होने पर भी अलग अलग अक्षरों के प्रयोग से शब्द का अर्थ ही बदल जाता है। जैसे হাট=बजार, जबकि হাত=हाथ, ভেটি=बुनियाद, ভেটী=रिश्वत। बातचीत करते समय इस तरह के शब्द आने पर आलोच्य वस्तु, अथवा वक्ता के उद्देश्य से प्रकृत शब्द का पता लगाया जाता है। लेकिन लिखते समय परंपरा को कठोर रूपसे मानना पड़ता है? हम দীঘল (दीघल)=लंबा को দিঘল कभी नहीं लिख सकते। नीचे इस तरह के शब्दों के कुछ उदाहरण दिये जा रहे हैं।

असमीया शब्द	देवनागरीमें	हिन्दी अर्थ
কুট	कुट	काटना
কূট	कूट	मिथ्या, कुटनीति अभिज्ञ व्यक्ति
খালি	खालि	खाया (क्रि०)
খালি	खालि	रिक्त

असमीया शब्द	देवनागरीमें	अर्थ
চল	चल	सुयोग
ছল	छल	कपट
চাই	चाइ	देखकर
ছাই	छाइ	राख
ছুৰী	छुरी	चाकु
চুৰি	चुरि	चोरी
পাণ	पाण	पाण
পান	पान	पीना
বাকি	वाकि	ढालकर
বাকী	बाकी	बकाया
শাপ	शाप	अभिशाप
সাপ	साप	सांप
শুচি	शुचि	पवित्र
সূচী	सूची	सूची

अभ्यास १

देवनागरी अक्षरों में लिखिये—

ব্ৰাহ্মণীয়েও বৰ আনন্দ পাই ৰজাক আশীৰ্ব্বাদ জনাই ক'লে—"মহাৰাজ! নিজৰ মনত ধৰ্ম্মৰ ভাব থকা লোকেহে এনেদৰে গোপন পাপকো ধৰা পেলাব পাৰে। আপোনাৰ দৰে এনে ধাৰ্ম্মিক আৰু ন্যায়নিষ্ঠ ৰজাৰ ৰাজ্যৰ প্ৰজাৰ দুখ হব কেনেকৈ? কিন্তু এনে ৰজা কাৰ্ত্তবীৰ্য্যৰ পাচত কেৱল আপুনিহে জন্ম গ্ৰহণ কৰিছে।

(ৰাজতৰঙ্গিনীৰ গল্প)

देवनागरी अक्षरोंमें :—

ब्राह्मणीयेओ बर आनन्द पाइ रजाक आशीर्व्वाद जनाइ क'ले—"महाराज! निजर मनत धर्मर भाव थका लोकेहे एनेदरे गोपन

पापको धरा पेलाब पारे। आपोनार दरे एने धार्म्मिक आरु न्यायनिष्ठ रजार राज्यर प्रजार दुख हब केनेकै? किन्तु एने रजा कार्त्तवीर्य्यर पाचत केवल आपुनिहे जन्म ग्रहण करिछे।

(राजतरंगिणीर गल्प)

अभ्यास २

असमीया लिपिमें लिखिये—

अनुबादर विषये आरु एटा लागतियाल कथा कब पारि। अनेक अनुपयो (जो) गी अंश एकेबारेइ बाद दिब पारि; कारण अनेक समयत किछुमान अंश आमार रुचि आरु अभिज्ञतार उपयोगी नहय। अवश्ये सूक्ष्म समालोचनाशील अनुबादर कथा बेलेग; आमि तार कथा कोवा नाइ।

[श्री कृष्ण कांत सन्दिकै]

অসমীয়া আখৰত :—

অনুবাদৰ বিষয়ে আৰু এটা লাগতিয়াল কথা কব পাৰি। অনেক অনুপযোগী অংশ একেবাৰেই বাদ দিব পাৰি; কাৰণ অনেক সময়ত কিছুমান অংশ আমাৰ ৰুচি আৰু অভিজ্ঞতাৰ উপযোগী নহয়। অবশ্যে সূক্ষ্ম সমালোচনাশীল অনুবাদৰ কথা বেলেগ; আমি তাৰ কথা কোৱা নাই।

[শ্ৰীকৃষ্ণকান্ত সন্দিকৈ]

असमीया शब्दोंकी उच्चारण-पद्धति

(1) मात्रा विहीन एकही व्यंजनके शब्दों के उच्चारणमें 'अ' युक्त रहता है जैसे—ল (लअ—La) तुम लो, থ (Tha) (रखो) দ (द) गभीर इत्यादि।

(2) सामान्यत: असमीया शब्दोंका उच्चारण हिन्दी शब्दोंकी तरह ही है। स्वर मात्रा विहीन अंतिम व्यंजन का उच्चारण स्वर विहीन होता है। जैसे—কলম = कलम्, আপোন = आपोन् (अपना), বহল = बहल् लेकिन अंतिम व्यंजन में हलन्त् चिह्न का प्रयोग नहीं किया जाता है।

(3) अंतिम व्यंजनको छोड़कर बाकी व्यंजन का, मात्रा विहीन होने पर भी स्वर युक्त उच्चारण ही होता है—जैसे—অলপ = अलप् (थोड़ा) কলম = कलम्। लेकिन इसका व्यतिक्रम भी मिलता है। जैसे—ময়লা = मयला (मैला), কয়লা = कयला (कोयला), इत्यादि।

(4) मध्यम पुरुष के वर्तमान कालके क्रिया-पद का अंतिम व्यंजन मात्रा युक्त न होने पर भी "অ" युक्त उच्चारण होता है जैसे— তই দিছ = तइ दिछ्अ (Disa) = तू दे रहा है।

তই যাৱ = तइ या (जा)व = तू जा रहा है।

আপুনি যাব = आपुनि या (जा) ब्अ = आप जायेंगे।

(5) संस्कृतके कुछ तत्सम शब्दोंके अंतिम व्यंजन मात्रा हीन होने पर भी 'অ' के साथ उच्चारण होता है—जैसे—

অথচ = अथच्अ = (चूंकि), তথাচ = तथाच्अ }
তত্ৰাচ = तत्राच्अ } (तथापि)

শুভ = शुभ्अ (शुभ), দ্ৰোণ = द्रोण्अ (द्रोणाचार्य)। इस तरहके शब्दों को सूक्ष्म पर्यवेक्षण से ही जाना जा सकता है।

(6) दूसरा कोई स्वर अंतिम वर्ण नहीं होने पर प्राय: क्रमिक संख्याओं के अंतमें "অ" उच्चारण होता है—जैसे—দ্বিতীয়, द्वितीय्अ তৃতীয় = तृतीयअ।

(7) असमीया कुछ विशेष शब्दों के उच्चारणमें 'অ' स्वर अंतमें रहता है: जैसे—পল = पल्अ (मछली पकड़ने का एक साधन)

পাভ = पाभ्अ (एक प्रकार की मछली)

(8) এঘাৰ (ग्यारह) से ওঠৰ (अठारह) तक संख्याओंके उच्चारण में 'অ' स्वर अंतमें रहता है जैसे—এঘাৰ—एघार्अ (ग्यारह), বাৰ = वार्अ (बारह)

(9) अंतमें स्वर मात्रा नहीं रहने पर भी युक्ताक्षर (व्यंजनवर्णका) का अंतिम वर्णका उच्चारण 'অ' के साथ होता है—जैसे—অঙ্ক = अंक्अ (अंक), শব্দ = शब्द्अ (शब्द) নম্র = नम्र्अ (नम्र), তৰ্ক = तर्क्अ (तर्क), लेकिन কান্দ का उच्चारण इस नियमका अपवाद है।

शब्दावली

व्याकरण की जटिलता तक जानेसे पहले साधारण व्यवहार में आनेवाले असमीया शब्द भंडार से परिचय कर लेना अच्छा होगा। शिक्षार्थियों की सुविधाको दृष्टिमें रखकर उन्हें विषयानुसार विभाजित कर लिया गया है। हिन्दी शब्दोंके असमीया प्रति शब्दोंके (असमीया लिपिमें) साथ नागरी लिप्यंतर भी दिया गया है। उच्चारण के संबंधमें वर्णमालाके उच्चारण अध्यायको ठीक से देख लें।

घरेलू चीज

(ঘৰুৱা বস্তু-বাহানি = घरुवा बस्तु-बाहानि)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
वायु, हवा	বতাহ, বায়ু	बताह, वायु
आराम कुर्सी	আৰামী চকী	आरामी चकी
क्षेत्र	কালি	कालि
पिटारा, टोकरी	খৰাহি	खराहि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
नहाना, स्नान	স্নান, গা ধোৱা	स्नान, गा धोवा
गुसलखाना, स्नानागार	গা ধোৱা ঘৰ	गा धोवा घर
बाँस	বাঁহ	बाँह
बिछौना	বিছনা	बिछना
शयनकक्ष	শোৱা ঘৰ	शोवा घर
घण्टा	ঘণ্টা	घण्टा
किताब	কিতাপ	किताप
शीशी	বটল	बटल
कटोरा	বাটি	बाटि
पेटी	বাকচ	बाकच
झाड़ू	বাঢ়নি, সোতা	बाढ़नि, सोता
सीमा	সীমা	सीमा
बेंत की कुर्सी	বেতৰ চকী	बेतर चकी
मोमबत्ती	মমবাতি	ममबाति
मोंढ़ा	মূঢ়া	मूढ़ा
दरी, गलीचा	দলিছা	दलिछा
गाड़ी	গাড়ী	गाड़ी
भीतरी छत	চিলিঙি	चिलिङि
कुर्सी	চকী	चकी
दराज	দেৰাজ	देराज
घड़ी	ঘড়ী	घड़ी
कोयला	কয়লা	कयला
लकड़ी का कोयला	কাঠ কয়লা	काठ कयला
गो शाला (गौवों को बांधनेका स्थान)	গোহালি	गोहालि
गोबर	গোবৰ	गोबर
हिंदोला, झूलना	ডোলা, দোলনা	डोला, दोलना

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
प्याला	পিয়লা	पियला
पर्दा	পৰ্দ্দা	पर्दा
मसनद, गद्दी	গাদী	गादी
भोजनशाला	খোৱা ঘৰ	खोवा घर
किवाड़	দুৱাৰ	दुवार
थाली	থাল	थाल
बैठकखाना	চ'ৰা ঘৰ	च'रा घर
लिफाफा	খাম, লেফাফা	खाम, लेफाफा
फर्श	মজিয়া	मजिया
पंखा	বিচনি	बिचनि
मेड़, खावाँ	জেওৰা, চকোৱা	जेओरा, चकोवा
कटोरा	বাটি	बाटि
आग	জুই	जुइ
अँगीठी	জুহাল	जुहाल
दो मंजिला	দুইতলা	दुइतला
उपर तल्ला	ওপৰ মহলা	ओपर महला
कड़ाही	কেৰাহি	केराहि
पुष्पकलश	ফুলদানি	फुलदानि
फुलवारी (फुलका बगीचा)	ফুলনি	फुलनि
शाकवाटिका	বাগানবাৰী	बागानबारी
गिलास	গিলাছ	गिलाछ
नीचेकी मंजिल	তলমহলা	तलमहला
फाटक	জপনা, পদুলি	जपना, पदुलि
फाटक (समान्तराल बाँस द्वारा बनाया गया)	নঙ্গলা	नंगला
घर	ঘৰ	घर
स्याही, मसी	চিয়াঁহি	चियाँहि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दावात	দোৱাত	दोवात
केतलि	কেট্‌লি	केट्‌लि
चाभी	চাবি	चाबि
रसोई (घर)	{বান্ধনী ঘৰ পাক ঘৰ	रांधनी घर पाक घर
छुरी, चाकू	চুৰি, কটাৰী	चुरि, कटारी
सीढ़ी	জখলা	जखला
कलछुल, कलछी	হেতা	हेता
लैम्प, लालटेन	লেম, লণ্ঠন,	लेम, लण्ठन
पायखाना, सण्डास	পায়খানা	पायखाना
पत्र, चिट्ठी	চিঠি	चिठि
पुस्तकालय	পুথিভঁৰাল	पुथिभराल
ढक्कन	ঢাকনি	ढाकनि
ताला	তলা	तला
आईना	আৰ্চি, আয়না	आर्चि, आयना
दियासलाई	দিয়াচলাই, জুইশলা	दियाचलाइ, जुइशला
सलाई	জুইশলা কাঠি	जुइशला काठि
मसहरी, मच्छरदानी	আঠুৱা	आठुवा
चुल्हा	চৌকা	चौका
तवा	টাৱা, কেৰাহি	टावा, केराहि
कलम	কলম, কাপ	कलम, काप
पेंसिल	পেঞ্চিল	पेंछिल
छबि, चित्र	ছবি	छवि
फोटो	ফটো	फटो
कागज	কাগজ	कागज
पथ	বাট	बाट
तकिया	গাৰু	गारु

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
तश्तरी	কাঁহি	काँहि
मुँडेरा	ৰেলিং	रेलिं
किराया	ভাড়া	भाड़ा
किराये का घर	ভাড়াঘৰ	भाड़ाघर
छत	ছাল	छाल
कमरा	কোঠা, খোটালী	कोठा, खोटाली
रस्सी	ৰচি, জৰী	रचि, जरी
डेकची	দেকচি	देकचि
पिरच	থাল	थाल
मुहर	মোহৰ	मोहर
मुहर लगानेकी लाख	লা	ला
आसन	আসন	आसन
कुदाल	কোৰ, ফাং	कोर, फां
चम्मच	চামুচ	चामुच
छलनी	চেকনি	चेकनि
मेज	টেবুল, মেজ	टेबुल, मेज
मेजपोश	মেজৰ কাপোৰ	मेजर कापोर
फूस, पुआल	খেৰ	खेर
गमछा, तौलिया	গামোছা	गामोछा
छतरी	ছাতি	छाति
बरामदा	বাৰান্দা	बारान्दा
दीवार, परकोटा	দেৱাল, বেৰ	देवाल, बेर
खिड़की	জানালা, খিড়িকী	जानाला, खिड़की

कपड़ा, प्रसाधन सामग्री और अलंकार आदि

(কাপোৰ, প্ৰসাধন সামগ্ৰী আৰু অলঙ্কাৰ আদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
शय्यापट	বিছনা চাদৰ	बिछना चादर
कम्बल	কম্বল	कम्बल
वलय कंगन	বালা, খাৰু	बाला, खारु
बटन	বুটাম	बुटाम
टोप	টুপী	टुपी
कपड़ा	কাপোৰ	कापोर
पोशाक	পোছাক	पोछाक
टाँगनेका ढाँचा	আলনা, ডাৰ	आलना, डार
कोट	কোট	कोट
कंधा, कंधी	ফণী	फणी
गलाबंद, गुलूबंद, गुलूपोष	গলাব	गलाबंध
रुई, तूल	তুলা	तुला
पायजामा	পায়জামা	पायजामा
कर्णफूल, झुमका	কাণফুল	काणफुल
दस्ताना	হাতমোজা	हातमोजा
क्लिप	কিলিপ	किलिप
जूड़ेका कांटा	কাটা	काटा
जेवर	গহনা	गहना
लैस, फीता	জৰী, ফিটা	जरी, फिटा
कण्ठहार	হাৰ, গলপতা	हार, गलपता
सुई	বেজী	बेजी
तकियेका गिलाफ	গাৰু গিলিপ	गारु गिलिप
जेब	জেপ	जेप

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
बटुआ	গাঁথি	गांथि
उस्तुरा	ক্ষুৰ	क्षुर
अंगुठी, नथ	আঙঠী	आङठी
खराऊँ	খৰম	खरम
कैंची	কেচী	केंची
चादर	চাদৰ	चादर
लहंगा	মেখেলা	मेखेला
कमीज	কামিজ	कामिज
जूता	জোতা	जोता
जुतोंके फीते	জোতাৰ ফিটা,	जोतार फिटा
पाट, रेशम	পাট,	पाट
मुंगा	মুগা	मुगा
एड़ि	এড়ি	एड़ि
साबुन	চাবোন	चाबोन
नील	নীল	नील
मोजा	মোজা	मोजा
छड़ी	লাঠি	लाठि
प्रसाधन	প্ৰসাধন	प्रसाधन
टुथब्रश	দাত ঘহাঁ বুৰুজ	दात घहाँ बुरुज
दातुन	দাতোন	दातोन
पायजा मा	পায়জামা, লংপেন্ট	पायजामा, लंपेण्ट
बनियान	গেঞ্জি, বনিয়ন	गेंजि, बनियन
घुंघट	ওৰণি	ओरणि

खाद्यादि

(খাদ্যাদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
रोटी, पावरोटी	ৰুটী. পাওৰুটী লোফ	रुटी, पाओरुटी, लोफ
कलेवा	পুৱাৰ আহাৰ, জলপান	पुवार आहार, जलपान
मक्खन, माखन	মাখন	माखन
पीठा	পিঠা	पिठा
	(असमीया पीठा विभिन्न तरीके से बनाया जाता है)	
पूरी	লুচি	लुछि
छेना	চানা	चाना
पनीर	পনীৰ	पनीर
चटनी	চাটনি	चाटनि
दही	দৈ	दै
कढ़ी, शोरवा	আঞ্জা	आंजा
सायं भोजन	ৰাতিৰ আহাৰ	रातिर आहार
आटा	আটা	आटा
मैदा	ময়দা	मयदा
सूजी	চুজি	चुजि
ताजा, नूतन	তাজা, নতুন	ताजा, नतुन
खाद्य	আহাৰ, খাদ্য	आहार, खाद्य
मधु, शहद	মৌ	मौ
बर्फ	বৰফ	बरफ
मध्याह्न भोजन	দুপৰীয়াৰ আহাৰ	दुपरीयार आहार
मांस	মাংস, মঙহ	मांस, मङह
पका हुआ	সিদ্ধ, সিজোৱা	सिद्ध, सिजोवा
भुना हुआ	ভজা	भजा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सेंकना	সেকা, পোৰা	सेका, पोरा
दूध	গাখীৰ	गाखीर
पायस	পায়স, পৰমান্ন	पायस, परमान्न
क्षीर	ক্ষীৰ	क्षीर
गुड़	গুৰ	गुर
राई	সৰিয়হ, বেহাৰ	सरियह, बेहार
तेल	তেল	तेल
मिर्च	জলকীয়া	जलकीया
काली मिर्च	জালুক	जालुक
अचार	আচাৰ	आचार
चावल	চাউল	चाउल
भात	ভাত	भात
चुरा	চিৰা	चिरा
नमक	লোণ, নিমখ	लोण, निमख
धुवाँ	ধোঁৱা	धोंवा
धूम्रपान	ধুম পান কৰা	धुमपान करा
तम्बाकु	তামাখু, ধপাত	तामाखु, धपात
सिगारेट	চুৰট, চিগাৰেট	चुरट, चिगारेट
बिड़ी	বিড়ি	बिड़ि
हुक्का, गुड़गुड़ी	হোকা, গুৰগুৰী	होका, गुरगुरी
मसाला	মছলা	मछला
चीनी	চেনি	चेनि
बालू, निशाहार	ৰাতিৰ আহাৰ	रातिर आहार
मिठाई	মিঠাই	मिठाई
चायपत्ती	চাহপাত	चाहपात
चाय	চাহ	चाह
पानी	পানী	पानी

शाक सब्जी, पेड़ पौधा आदि

(শাক-পাছলি গছ-গছনি আদি)

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
सेव	আপেল	आपेल
बेल	বেল	बेल
ताम्बुल	তামোল	तामोल
बांस	বাঁহ	बांह
केला	কল	कल
पान	পান	पान
जामुन	ক'লা জামু	कला जामु
शाखा	ডাল	डाल
बैंगन	বেঙেনা	बेङेना
बन्दगोभी	বন্ধাকবি	बंधाकबि
गाजर	গাজৰ	गाजर
फूलगोभी	ফুলকবি	फुलकबि
दारचीनी	দালচেনি	दालचेनि
लौंग	লং	लं
नारियल	নাৰিকল	नारिकल
कपास	কপাহ	कपाह
रूई	তুলা	तुला
लता	লতা	लता
ककड़ी	তিয়ঁহ	तियँह
खजूर	খেজুৰ	खेजुर
गूलर	ডিমৰু	डिमरु
फूल	ফুল	फुल
फल	ফল	फल
माला	মালা	माला

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
लहसुन	নহৰু	नहरु
अदरख	আদা	आदा
लौकी	লাও	लाओ
अंगूर	আঙুৰ	आङुर
बास	বন, ঘাঁহ	बन, घाँह
चीनावादाम	বাদাম	बादाम
अमरुद	মধুৰিআম	मधुरिआम
सन	সন	सन
कटहल	কঁঠাল	कठाल
वेर	বগৰি	बगरि
पत्ता	পাত	पात
नीम्बु	নেমু, নেমুটেঙা, কাগজি	नेमु, नेमुटेङा, कागजि
पद्म	পদুম	पदुम
गम	গোমধান	गोमधान
आम	আম	आम
पदिना	পদিনা	पदिना
प्याज	পিয়াজ	पियाज
अंडा	কণী	कणी
सन्तरा	কমলা, সুমথিৰা টেঙা	कमला, सुमथिरा टेङा
ताड़	তাল	ताल
नाशपती	নাচপতি	नाचपति
मटर	মটৰ মাহ	मटर माह
अनन्नास	আনাৰস	आनारस
पेड़	গছ	गछ
दाड़िम्ब	ডালিম	डालिम
आलू	আলু	आलु
शकरकन्द	ৰঙা আলু	रङाआलु

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
घीया, कुम्हड़ा	কোমোৰা	कोमोरा
मूली	মূলা	मूला
किशमिश	খিচ্‌মিচ	खिच्‌मिच
चावल	চাউল	चाउल
धान	ধান	धान
गुलाब	গোলাপ	गोलाप
चंदन	চন্দন	चन्दन
बीज	গুটি	गुटि
छिलका	ফলৰ বাকলি	फलर बाकलि
तिल	তিল	तिल
पालक साग	পালেং শাক	पालं शाक
ईख, गन्ना	কুঁহিয়াৰ	कुँहियार
इमली	তেতেলী	तेतेली
टमाटर	বিলাহী বেঙেনা	बिलाही बेङेना
शलजम	চালগোম	चालगोम
साग-सब्जी	শাক-পাছলি	शाक-पाछलि
गेहूँ	গম	गम

विश्व और प्रकृति
(বিশ্ব আৰু প্ৰকৃতি)

वायु	বায়ু	वायु
बतास	বতাহ	बताह
मेघ	মেঘ	मेघ
आबोहवा	জলবায়ু	जलबायु
ठंडक	ঠাণ্ডা	ठाण्डा
अंधकार	অন্ধকাৰ, আন্ধাৰ	अंधकार

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दिन	দিন	दिन
तुहिन	নিয়ৰ	नियर
मिट्टी	মাটি	माटि
पृथ्वी	পৃথিবী	पृथिबी
पूर्व	পূব	पूव
ग्रहण	গ্ৰহণ	ग्रहण
चन्द्रग्रहण	চন্দ্ৰ গ্ৰহণ	चन्द्रग्रहण
सूर्यग्रहण	সূৰ্য্য গ্ৰহণ	सूर्यग्रहण
कुवाँसा	কুঁৱলি	कुवँलि
शिलावृष्टि	শিল বৰষুণ	शिल बरषुण
उत्ताप, गर्मी	তাপ, গৰম	ताप, गरम
रोशनी	পোহৰ	पोहर
बिजली	বিজুলি	बिजुलि
चांद	চন্দ্ৰ, জোন	चन्द्र, जोन
पूर्णमासी	পূৰ্ণিমা	पूर्णिमा
अमावस	অমাবস্যা	अमाबस्या
प्रकृति	প্ৰকৃতি	प्रकृति
चांदनी रात	জোনাক ৰাতি	जोनाक राति
उत्तर	উত্তৰ	उत्तर
रात, निशा	ৰাতি, নিশা	राति, निशा
ग्रह	গ্ৰহ	ग्रह
बरसात	বৰষুণ	बरषुण
इन्द्रधनुष	ৰামধেনু	रामधेनु
छाया	ছাঁ	छाँ
आकाश	আকাশ	आकाश
बवण्डर	ধুমুহা	धुमुहा
दक्षिण	দক্ষিণ	दक्षिण

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
नक्षत्र	তৰা, নক্ষত্ৰ	तरा, नक्षत्र
सूर्य	সূৰ্য্য	सूर्य्य
धूप	ৰ'দ	र'द
वज्रपात्	বজ্ৰপাত	बज्रपात
पानी	পানী	पानी
जलप्रपात	জলপ্ৰপাত	जलप्रपात
मौसम	বতৰ	बतर
पश्चिम	পশ্চিম	पश्चिम
विश्व	বিশ্ব	बिश्व

भूमि और पानी

(মাটি আৰু পানী)

किनारा	পাৰ	पार
समुद्र तीर	সাগৰৰ পাৰ	सागरर पार
स्रोत	সোঁত	सोत
ज्वार	জোৱাৰ	जोवार
भाटा	ভাটা	भाटा
पहाड़	পাহাৰ	पाहार
द्वीप	দ্বীপ	द्वीप
ह्रद	হ্ৰদ	ह्रद
पर्वत	পৰ্বত	पर्ब्बत
महासमुद्र	মহাসাগৰ	महासागर
समुद्र	সাগৰ	सागर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
समतल	সমতল	समतल
पोखरा	পুখুৰী	पुखुरी
गढ़ा, डाबर	ডোবা	डोवा
नदी	নৈ, নদী	नै, नदी
नद	নদ	नद
पत्थर	শিল	शिल
बालू	বালি	बालि
धूल	ধূলি	धूलि
झरना	জান, জুৰি	जान, जुरि
उपत्यका	উপত্যকা	उपत्यका
लहर	ঢৌ	ढौ
कुवाँ	কুঁৱা	कुवाँ

खनिज धातु आदि

(খনিজ ধাতু আদি)

फिटकिरी	ফিটকিৰি	फिटकिरि
काँसा	কাঁহ	काँह
पितल, पीतल	পিতল	पितल
ईंट	ইটা	इटा
सीमेण्ट	চিমেণ্ট, বিলাতি মাটি	चिमेण्ट, बिलाति माटि
कीचर	বোকা	बोका
ताम्र, ताम्बा	তাম	ताम
प्रवाल	প্ৰবাল	प्रबाल
स्फटिक	ফটিক	फटिक
हीरक	হীৰা	हीरा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
काच, शीशा	কাচ, আইনা	काच, आइना
सोना	সোণ	सोण
लोहा	লোহা লো	लोहा, लो
सीस, रांग	সীহ	सीह
चूना	চূণ	चूण
पारद, पारा	পাৰা	पारा
धातु	ধাতু	धातु
खनिज वस्तु	খনিজ বস্তু	खनिज बस्तु
मोती	মুক্তা	मुक्ता
रूप	ৰূপ	रूप
तीखा, इस्पात	তীখ	तीखा
पत्थर	পাথৰ	पाथर
टीन	টিং, টিন	टिं, टिन
लकड़ी	কাঠ	काठ
दस्ता	দস্তা	दस्ता

पशु, पक्षी, मछली, कीट पतंगादि

(পশু, পক্ষী, মাছ পৰুৱা আদি)

पशु,	পশু	पशु
कीट	পৰুৱা	परुवा
गधा	গাধা	गाधा
खटमल	উৰহ	उरह
भालू	ভালুক	भालुक
चिड़िया	চৰাই	चराइ
भैंस	ম'হ (মুইহ)	म'ह (मुइह)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
साँड़	ষাড়	षाड़
तितली	পখিলা	पखिला
बछड़ा	দামুৰী	दामुरी
ऊट	উট	उट
बिल्ली	মেকুৰী	मेकुरी
मुर्गी	মুৰ্গী	मुर्गी
गाय	গাই, গাইগৰু	गाइ, गाइगरु
केंकड़ा	কেকোৰা	केकोरा
कौवा	কাউৰী	काउरी
कोयल	কুলী	कुलि
हिरण	হৰিণা	हरिणा
कुत्ता	কুকুৰ	कुकुर
कपोत	কপৌ	कपौ
हंस, बत्तख	হাঁহ	हाँह
हाथी	হাতী	हाती
पंख	পাখী	पाखी
मछली	মাছ	माछ
मक्खी	মাখি	माखि
शियार	শিয়াল	शियाल
मेढक	বেঙ, ভেকুলী	बेङ, भेकुली
बकड़ी	ছাগলী	छागली
रोम, लोम	নোম	नोम
झुंड	দল, পাল	दल, पाल
टाप	খুৰা	खुरा
सींग	শিং	शिं
घोड़ा	ঘোঁৰা	घोड़ा
पैर, टांग	ঠেং	ठें

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
सिंह	সিংহ	सिंह
छिपकली	জেঠী	जेठी
बंदर	বান্দৰ	बान्दर
मत्सर	মহ	मह
मूषक	নিগনি	निगनि
उल्लू	ফেচা	फेचा
बैल	বলদ	बलद
तोता, शुक	ভাটৌ	भाटौ
मोर	ম'ৰা চৰাই	म'रा चराइ
कबूतर	পাৰ	पार (अ)
चूहा	এন্দুৰ	एन्दुर
गेंडा	গড়	गड़
भेड़	ভেড়া	भेड़ा
साप	সাপ	साप
मकड़ा	মকৰা	मकरा
लांगूल, पूंछ	নেজ	नेज
शेर	বাঘ	बाघ
कच्छप	কাচ	काच
गीध, गृद्ध	শগুণ	शगुण
दीमक	উই পৰুৱা	ऊइ परुवा

अङ्ग प्रत्यंगादि

(অঙ্গ প্ৰত্যঙ্গাদি)

पिंडली	সৰু গাঠি	सरु गाठि
बाहु	বাহু	बाहु

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दो अक्षरों में
बगल	কাষলতি	काषलति
पींठ	পিঠি	पिठि
दाढ़ी	দাড়ি	दाड़ि
पेट	পেট	पेट
खून	তেজ	तेज
शरीर	দেহ, শৰীৰ	देह, शरीर
हड्डी	হাৰ	हाड़
मगज	মগজ	मगज
स्तन	স্তন, পিয়াহ	स्तन, पियाह
छाती	বুকু	बुकु
गाल	গাল	गाल
ठोड़ी	ঠুতৰী	ठुतरी
शरीर का रंग	গাৰ বৰণ	गार बरण
कान	কাণ	काण
कुहनी	কিলাকুটি	किलाकुटि
आँख	চকু	चकु
तारा	চকুৰ মণি	चकुर मणि
भृकुटी	চেলাউৰি	चेलाउरि
पलक	চকুৰ পতা	चकुर पता
मुंह	মুখ	मुख
मोटा	শকত	शकत
चर्बि	চৰ্বি	चर्बि
अंगुली	আঙুলি	आङुलि
पैर, टांग	ভৰি	भरि
कपोल	কপাল	कपाल
लोम	লোম	लोम
बाल, केश	চুলি	चुलि

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
हाथ	হাত	हात
माथा	মূৰ	मूर
हृदय	হৃদয়	हृदय
कलेजा	কলিজা	कलिजा
एड़ी	গোৰোহা	गोरोहा
नितम्ब	নিতম্ব	नितम्ब
घुटना	আঠু	आठु
होंठ	ওঠ	ओठ
मूंछ	গোফ	गोफ
नाखून	নখ	नख
गला	ডিঙি	डिङि
नाक	নাক	नाक
कन्धा	কান্ধ	कांध
कोख	কাষ	काष
खाल	চাল	चाल
पाकस्थली	পাকস্থলী	पाकस्थली
अंगूठा	বুঢ়া আঙুলী	बुढ़ा आङुली
जीभ	জিভা	जिभा
दाँत	দাঁত	दाँत
नाड़ी	শিৰা	शिरा

स्वास्थ्य, रोग (बीमारी) और इलाज संबंधी

(স্বাস্থ্য, বেমাৰ আৰু চিকিৎসা সম্বন্ধীয়)

दुर्घटना	দুৰ্ঘটনা	दुर्घटना
काटना	কামোৰা	कामोरा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दंशन करना	সাপে কামোৰা	सापे कामोरा
अन्धा	কণা	कणा
रौंदना, खरोंचना	থেতেলা খোৱা	थेतेला खोवा
दग्ध, दाह	পোৰা	पोरा
कपूर	কৰ্পূৰ	कर्पूर
यत्न	যত্ন	यत्न
चेचक	বসন্ত, সৰু আই	बसन्त सरुआइ
सर्दी	পানীলগা	पानीलगा
यक्ष्मा	যক্ষ্মা	यक्ष्मा
खाँसी	কাহ	काह
नीरोग करना	ভাল কৰা, আৰোগ্য কৰা	भालकरा आरोग्य करा
पथ्य	পথ্য	पथ्य
बीमार	ৰোগ, অসুখ, বেমাৰ	रोग, असुख, बेमार
डाक्टर	ডাক্তৰ	डाक्तर
कविराज, वैद्य	কবিৰাজ	कविराज
हकीम	হেকিম	हेकिम
औषध, दवा	ঔষধ, দৰব	औषध, दरब
गूंगा	বোবা	बोबा
महामारी, छूतका(रोग)	মহামাৰী, মাৰিমৰক	महामारी,मारिमरक
व्यायाम	ব্যায়াম	व्यायाम
बेहोश	মূৰ্চ্ছা	मूर्च्छा
सिर चकराना	মূৰঘূৰণি	मूर घूरणि
ज्वर, बुखार	জ্বৰ	ज्वर
हड्डी टूटना	হাড়ভঙা	हाड़भङा
सेंक	সেক	सेक
गठिया, वात	বাত	बात
सरदर्द	মূৰ কামোৰণি	मूर कामोरणि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
स्वास्थ्य	স্বাস্থ্য	स्वास्थ्य
हिचकी	হিকতি	हिकति
अस्पताल	আস্পতাল	आस्पताल
दवाखाना	ডাক্তৰখানা	डाक्तरखाना
असुस्थ	অসুস্থ	असुस्थ
स्वास्थ्यवान	স্বাস্থ্যবান	स्वास्थ्यबान
जलन	পোৰণি	पोरणि
उन्माद, मानसरोग	উন্মাদ ৰোগ	उन्माद रोग
पागलपन	পগলা হোৱা	पागल होवा
विक्षिप्तता	বলিয়া হোৱা	बलिया होवा
लंगड़ा	খোৰা	खोरा
धाय, दाई	ধাই	धाइ
परिचारिका	শুশ্ৰূষাকাৰিণী	शुश्रूषाकारिणी
मरहम	মলম	मलम
विष	বিষ	बिष
वटी, गोली, टिकिया	বড়ি	बड़ि
विश्राम	বিশ্ৰাম, জিৰণি	विश्राम, जिरणि
घाव	ঘা	घा
मोचखाना, मरोड़	মোচোকা খোৱা	मोचोका खोवा
चुभोना	বিন্ধা, হুল ফুটা	बिंधा, हुलफुटा
खुदकशी, आत्महत्या	আত্মহত্যা	आत्महत्या
बली	বলী	बलि
सूजन, फुलाव	উখহা	उखहा
उल्टी, कै	বমি, বাঁতি	बमि, बाँति
कृमि	ক্রিমি, পেলু	क्रिमि, पेलु
दुर्ब्बल	দুৰ্ব্বল	दुर्ब्बल
आघात, घाव	আঘাত ঘা	आघात, घा

रं आदि

(ৰং আদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
काला	কলা	कला
नील	নীলা	नीला
आकाशी	আকাশী	आकाशी
बादामी	বাদামী	बादामी
गहरा रंग	গাঢ় ৰং	गाढ़ रं
हरा	সেউজীয়া, কলপটীয়া	सेउजीया, कलपटीया
भूरा रंग	মাটীয়া	माटीया
हलका रंग	পাতল ৰং	पातल रं
बैंगनीया, जामुनी	বেঙুনীয়া	बेङुनीया
लाल	ৰঙা	रङा
गुलाबी	গোলাপী	गोलापी
सेंदुरी, ईंगुरी	সেন্দুৰীয়া	सेन्दुरीया
नील लोहित (रंग)	বেঙুনীয়া নীলা	बेङुनीया नीला
सफेद	বগা	बगा
पीला	হালধীয়া	हालधीया

समय और ऋतु आदि

(সময় আৰু ঋতু আদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
शाम	আবেলি, বিয়লি	आबेलि, बियलि
आरंभ	আৰম্ভ	आरम्भ
जन्मदिन	জন্মদিন	जन्मदिन
बड़ादिन	বৰদিন	बरदिन

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
युग	যুগ	युग
तारीख	তাৰিখ	तारिख
रोज	নিতৌ	नितौ
दैनिक	দৈনিক	दैनिक
सबेरे	প্ৰত্যুষ, ৰাতিপুৱা	प्रत्युष, रातिपुवा
दिन	দিন	दिन
दिन ब दिन	দিনকদিনে	दिनकदिने
परसोंतक	পৰহি, পৰহিলৈ	परहि, परहिलै
दिनका समय	দিনৰ বেলা	दिनर बेला
बार	বাৰ	बार
रविबार	ৰবিবাৰ, দেওবাৰ	रविबार देओबार
सोमबार	সোমবাৰ	सोमबार
मंगलबार	মঙ্গলবাৰ	मंगलबार
बुधवार	বুধ বাৰ	बुधबार
वृहस्पतिवार	বৃহস্পতি বাৰ	वृहस्पतिबार
शुक्रवार	শুকুৰ বাৰ	शुकुरबार
शनिवार	শনিবাৰ	शनिबार
शेष	শেষ	शेष
सांझ, संध्या	সন্ধ্যা, সন্ধিয়া	सन्ध्या, सन्धिया
गोधूलि	গোধূলি	गोधूलि
पक्ष	পক্ষ	पक्ष
शुक्लपक्ष	শুক্ল পক্ষ	शुक्ल पक्ष
कृष्णपक्ष	কৃষ্ণ পক্ষ	कृष्णपक्ष
बंद	বন্ধ	बंध
घण्टा	ঘণ্টা	घण्टा
आधाघण्टा	আধাঘণ্টা	आधा घण्टा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मुहूर्त्त	মুহূৰ্ত্ত	मुहूर्त्त
दोपहर	দুপৰীয়া দুপৰ বেলা	दुपरीया दुपरबेला
मध्यरात्रि	মাজনিশা	माजनिशा
मिनट	মিনিট	मिनिट
महीना	মাহ	माह
मासिक	মাহেকীয়া	माहेकीया

माहका नाम

(মাহৰ নাম)

वैशाख	বহাগ	बहाग
जेष्ठ	জেঠ	जेठ
आषाढ़	আহাৰ	आहार
श्रावण (सावन)	শাওণ	शाओण
भाद्र (भादों)	ভাদ	भाद
आश्विन (कवार)	আহিন	आहिन
कार्तिक	কাতি	काति
अग्रहण (अघैन)	আঘোন	आघोन
पौष (पूस)	পুহ	पुह
माघ	মাঘ	माघ
फाल्गुण (फागुन)	ফাগুণ	फागुण
चैत्र (चैत)	চ'ত	च'त
सुबह	ৰাতিপুৱা, আগবেলা	रातिपुवा, आगबेला
रात	ৰাতি, নিশা	राति, निशा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
अब	এতিয়া	एतिया
आजकल	আজিকালি	आजिकालि
ऋतु	ঋতু	ऋतु

ऋतुका नाम

(ঋতুৰ নাম)

ग्रीष्म	গ্ৰীষ্ম, গৰমদিন	ग्रीष्म, गरमदिन
वर्षा, बरसात	বৰ্ষা, বাৰিষা	वर्षा, बारिषा
शरत्	শৰৎ	शरत्
हेमन्त	হেমন্ত	हेमन्त
शीत	শীত	शीत
जारेका मौसम	জাৰকালি	जारकालि
वसन्त	বসন্ত	बसन्त
सेकेन्द	চেকেণ্ড	चेकेन्द
सूर्य्योदय	সূৰ্য্যোদয়	सूर्य्योदय
सूर्य्यास्त	সূৰ্য্যাস্ত, বেলিমাৰ	सूर्य्यास्त, बेलिमार
काल	কাল, সময়, বেলা	काल, समय, बेला
आज	আজি	आजि
कल	কাইলৈ, অহাকালি	काइलै, अहाकालि
रातको	নিশা, আজিনিশা	निशालै, आजिनिशा
सप्ताह	সপ্তাহ	सप्ताह
प्रति सप्ताह	প্ৰতি সপ্তাহে	प्रतिसप्ताहे
साप्ताहिक	সাপ্তাহিক	साप्ताहिक
वर्ष	বছৰ	बछर
प्रतिवर्ष	প্ৰতি বছৰে	प्रति बछरे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
वार्षिक	বছৰেকীয়া	बछरेकीया
कल (गत)	কালি, যোৱাকালি	कालि, यो(ज)वाकालि

नगर और गांव

(নগৰ আৰু গাওঁ)

पुल	দলং	दलं
घर	ঘৰ	घर
कब्रिस्तान	কবৰস্থান	कबरस्थान
श्मशान	শ্মশান	श्मशान
गीर्जा	গীৰ্জা	गीर्जा
खेतका मैदान	খেতিপথাৰ	खेतिपथार
देश	দেশ	देश
गांव	গাওঁ	गांव
आंगन	চোতাল	चोताल
चौराहा	চাৰিআলি	चारिआलि
फूलवारी	ফুলনি	फुलनि
खेत, मैदान	পথাৰ	पथार
पताका	পতাকা	पताका
वन	বন	वन
अरण्य	অৰণ্য	अरण्य
जंगल	জংগল	जंगल
कारखाना	কাৰখানা	कारखाना
होटल	হোটেল	होटेल
कुटीर	পজা	पजा
अतिथिशाला	আলহীঘৰ	आलहीघर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
घाट	ঘাট	घाट
बाजार	বজাৰ	बजार
मील	মাইল	माइल
मिल, कारखाना	মিল, কল	मिल, कल
मस्जिद	মচজিদ	मचजिद
प्रासाद	প্ৰাসাদ	प्रासाद
राज अट्टालिका	ৰাজকাৰেং	राजकारें
उद्यान	উদ্যান	उद्यान
पुलिस थाना	থানা	थाना
पुलिस	পুলিচ	पुलिच
डाकघर	ডাকঘৰ	डाकघर
जेल	জেল	जेल
चाय दूकान	চাহদোকান	चाह् दोकान
डाक बांला	ডাকবঙলা	डाक बङला
रास्ता	ৰাস্তা, আলি	रास्ता, आलि
स्कूल	স্কুল	स्कूल
पाठशाला	পাঠশালা	पाठशाला
मदरसा	মক্তাব, মাদ্ৰাছা	मक्ताब, माद्राछा
संस्कृत पाठशाला	টোল	टोल
कॉलेज	কলেজ	कलेज
दूकान	দোকান	दोकान।
साइनबोर्ड,नामपटल	চাইনবোৰ্ড	चाइनबोर्ड,
मंदिर	মন্দিৰ	मन्दिर।
रंगशाला	থিয়েটাৰ	थियेटार
नाटघर	নাটঘৰ	नाटघर
भाओना (नौटंकी)	ভাওনা	भाओना
कब्र	কবৰ	कबर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
नगर	নগৰ	नगर
महानगर	মহানগৰ	महानगर
विश्वविद्यालय	বিশ্ববিদ্যালয়	बिश्वबिद्यालय
राह	বাট	बाट
चिड़ियाखाना	চিৰিয়াখানা	चिरियाखाना

परिवार और रिस्तेदार

(পৰিয়াল আৰু ইষ্ট কুটুম্ব আদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
पूर्वज, पुरखा	পূৰ্ব্ব পুৰুষ	पूर्ब्ब पुरुष
बुआ, फूफी	পেহী	पेही
काकी	জেঠাই	जेठाइ
मौसी	মাহী	माही
चाची	খুৰী	खुरी
मामी	মামী	मामी
कुवाँरा	দঙুৰা	दङुवा
लड़का	ল'ৰা	ल'रा
दुलहिन	কইনা	कइना
दुल्हा, वर	বৰ, দৰা	बर, दरा
बड़ा भाई	ককাই [संबोधन करते समय "ककाई-देउ" कहते है]	ककाइ
भाई	ভাই	भाइ
बहनोई	বৈনাই	बैनाइ
जीजा	জেঠেৰী	जेठेरी
साला	খুলশালী	खुलशाली
भासुर	বৰজনা	बरजना

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
देवर	দেওৰ	देओर
साढ़ू	শালপতি	शालपति
शिशु	কেচুৱা	केचुवा
भांजा	ভতিজা	भतिजा
सौत	সতিনী	सतिनी
लड़की	ছোৱালী	छोवाली
बेटी	জী, জীয়েক	जी, जोयेक
बहू	বোৱাৰী	बोवारी
पिताजी	পিতা, দেউতা, বোপাই	पिता, देउता, बोपाइ
शशुर	শহুৰ	शहुर
पोता, पोती	নাতি-পুতি	नाति-पुति
पोती वा नतिनी	নাতিনী নাতিনী, ছোৱালী	नातिनी, नातिनी छोवाली
नाना	ককা, ককাদেউতা	कका, ककादेउता
नानी	আইতা, বুঢ়ী আই	आइता, बुढ़ी आइ
पोता, नाती	নাতি, নাতি লৰা	नाति, ताति लरा
उत्तराधिकार	উত্তৰাধিকাৰ	उत्तराधिकार
स्वामी	স্বামী	स्वामी
कुमारी	কুমাৰী	कुमारी
पुरुष	পুৰুষ	पुरुष
मनुष्य, आदमी	মানুহ	मानुह
नौकरानी	চাকৰনী, বেটী	चाकरनी, बेटी
व्याह, विवाह	বিয়া, বিবাহ	बिया, बिबाह
माँ	আই, মা	आइ, मा
सास	শাহু	शाहु
भागिन	ভাগিন	भागिन

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
भांजी	ভতিজা জী	भतिजा जी
भागिनी	ভাগিনি	भागिनि
संपर्क	সম্পৰ্ক	सम्पर्क
संबंध	সম্বন্ধ	संबंध
संपर्कीय	সম্পৰ্কীয়	सम्पर्कीय
भाभी	নবৌ	नबौ
ननद	নন্দেক	नन्देक
पुत्र	পো, পুতেক	पो, पुतेक
जामाता	জোঁৱাই	जोंवाइ
नौकर	চাকৰ, লগুৱা	चाकर, लगुवा
सौतेली माँ	মাহী আই, মাহী মাক	माही आइ, माही माक
चाचा	খুৰা, দদাই	खुरा, ददाइ
मामा	মোমাই, মামা	मोमाइ, मामा
फूफा	পেহা	पेहा
मौसा	মহা	महा
विधवा	বিধবা	बिधबा
बिधुर	বৰলা	बरला
पत्नी, स्त्री	ঘৈনী, পত্নী, তিৰোতা	घैणी, पत्नी, तिरोता
औरत, स्त्री	মাইকী মানুহ	माइकी मानुह
सधवा	সধবা	सधवा

भाइयों का क्रम

बड़ा	বৰ	बर
मंझेला	মাজু	माजु
छोटा	সৰু	सरु

पानी और आकाश पथ द्वारा भ्रमण

(পানী আৰু আকাশ পথেদি ভ্ৰমণ)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
विमानपोत	বিমান কোঠ	बिमान कोठ
आगमन	আগমণ	आगमण
आ पहुंचना	আহি পোৱা	आहि पोवा
थैला	মোনা	मोना
नाव	নাও	नाओ
केवट, मल्लाह	নাৱৰীয়া	नावरीया
टिकटघर	টিকটঘৰ	टिकटघर
पेटी	বাকচ	बाकच
लगाम	লাকাম	लाकाम
गाड़ी	গাড়ী	गाड़ी
बैलगाड़ी	গৰু গাড়ী	गरु गाड़ी
तांगा, घोड़ागाड़ी	ঘোঁৰা গাড়ী	घोरागाड़ी
गद्दी	গাদী	गादी
कमरा	কোঠা	कोठा
स्रोत	সোঁত	सोंत
यात्रा	যাত্রা	यात्रा
ड्राइभार	ড্ৰাইভাৰ	ड्राइभार
खर्च	খৰচ	खरच
किराया	ভাৰা	भारा
पताका	পতাকা, নিচান	पताका, निचान
गार्ड	গাৰ্ড	गार्ड
निर्देशक	নিৰ্দ্দেশক	निर्देशक
सामान	লাগেজ, মালবস্তু	लागेज, मालवस्तु
पतवार, चप्पु	বঠা	बठा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
कार्यालय, अफिस	অফিচ	अफिच
यात्री	যাত্ৰী	या(जा)त्री
घाट	ঘাট	घाट
चालक	চালক	चालक
बंदरघाट	বন্দৰ	बंदर
रेलपथ	ৰেলপথ	रेलपथ
रेलगाड़ी	ৰেলগাড়ী	रेलगाड़ी
रसीद	ৰচিদ	रचिद
पाल, बादबान	পাল	पाल
स्टेशन	ষ্টেচন	स्टेशन
खानसामा	খানচামা	खानचामा
टिकट	টিকট	टिकट
भ्रमणकारी	ভ্ৰমণকাৰী	भ्रमणकारी
भ्रमण	ভ্ৰমণ	भ्रमण
मालगाड़ी	মালগাড়ী	मालगाड़ी
डाकगाड़ी	ডাকগাড়ী	डाकगाड़ी
नौ यात्रा	নৌ-যাত্ৰা	नौ या(जा)त्रा
विश्राम गृह	জিৰণি ঘৰ	जिरणि घर

कला, साहित्य, विद्या, धर्म, अनुभूति इत्यादि

(কলা, সাহিত্য, বিদ্যা, ধৰ্ম্ম, অনুভূতি ইত্যাদি)

अंक	অঙ্ক (नाटकका)	अंक
शीत-ताप नियंत्रित	শীত-তাপ নিয়ন্ত্ৰিত	शीत-ताप नियंत्रित
भिक्षा	ভিক্ষা	भिक्षा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
देवदूत	দেবদূত	देवदूत
नृतत्व	নৃতত্ত্ব	नृतत्व
कला	{ ললিত কলা সুকুমাৰ কলা	ललित कला सुकुमार कला
नास्तिक	নাস্তিক	नास्तिक
गुस्सा	খঙ্	खङ्
सहायता	সহায়	सहाय
गाथा	গাথা, গীত	गाथा, गीत
सौंदर्य्य	সৌন্দৰ্য্য	सौन्दर्य्य
विश्वास	বিশ্বাস, প্ৰত্যয়	विश्वास प्रत्यय
प्राणीविद्या, जीवविद्या	জীৱবিদ্যা	जीवविद्या
तूलिका	তুলি	तुलि
दया	দয়া	दया
ममता	মমতা	ममता
दान	দান	दान
रसायन	ৰসায়ন	रसायन
शीर्षविन्दु	পৰিণতি	परिणति
मिलनान्तक नाटक	মিলনান্তক নাটক	मिलनान्तक नाटक
यंत्र संगीत	যন্ত্ৰ সংগীত	यंत्र संगीत
विवेक	বিবেক	बिबेक
सौजन्य	সৌজন্য	सौजन्य
हिम्मत	সাহ	साह
समालोचक	সমালোচক	समालोचक
संस्कृति	কৃষ্টি, সংস্কৃতি	कृष्टि, संस्कृति
नृत्य	নাচ, নৃত্য,	नाच, नृत्य
मृत्यु	মৃত্যু	मृत्यु
प्यारे	মৰমৰ	मरमर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
राक्षस	ৰাক্ষস	राक्षस
स्वर्गीय	স্বৰ্গীয়	स्वर्गीय
पूजा	পূজা	पूजा
अविश्वास	অবিশ্বাস	अबिस्वास
सन्देह	সন্দেহ	सन्देह
नाटक	নাটক	नाटक
चित्र	ছবি	छबि
शिक्षा	শিক্ষা	शिक्षा
भाव	ভাব	भाब
अनुभूति	অনুভূতি	अनुभूति
दुस्मनी, शत्रूता	শত্ৰুতা	शत्रूता
महाकाव्य	মহাকাব্য	महाकाव्य
विश्वास	আস্থা, বিশ্বাস	आस्था, बिस्वास
उपवास	উপবাস (धार्मिक)	उवबास
अनशन	অনশন (राजनैतिक)	अनशन
कल्पना	কল্পনা	कल्पना
भय	ভয়	भय
क्षमा	ক্ষমা	क्षमा
चालबाज	ঠগ	थग
बंधुत्व	বন্ধুত্ব	बन्धुत्व
भूगोल	ভূগোল	भूगोल
भूविद्या	ভূবিদ্যা	भूबिद्या
आनन्द	আনন্দ	आनन्द
ईश्वर	ঈশ্বৰ	ईस्वर
भगवान	ভগবান	भगबान
खुदा	খোদা	खोदा
अल्लाह्	আল্লা	आल्ला

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
मंगल	মঙ্গল	मंगल
घृण	ঘিণ, ঘৃণা	घिण, घृणा
आदत	অভ্যাস	अभ्यास
स्वर्ग	স্বৰ্গ	स्वर्ग
नरक	নৰক	नरक
नायक	নায়ক	नायक
वीरत्वपूर्ण	বীৰত্বপূৰ্ণ	वीरत्वपूर्ण
वीरत्व	বীৰত্ব	बीरत्व
इतिहास	বুৰঞ্জী	बुरंजी
पवित्र	পবিত্ৰ	पबित्र
पवित्रता	পবিত্ৰতা	पबित्रता
सन्मान	মান	मान
आशा	আশা	आशा
हास्यरस	হাস্যৰস	हास्यरस
विनोदपूर्ण	খুহুতীয়া	खुहुतीया
मूर्त्ति	মূৰ্ত্তি	मूर्त्ति
प्रतिमा	প্ৰতিমা	प्रतिमा
मनोभाव	মনোভাব	मनाभाव
अवतार	অৱতাৰ	अबतार
बुद्धि	বুদ্ধি	बुद्धि
यीशु	যীশুখৃষ্ট	यी(ज)शुखृष्ट
ईर्ष्या	ঈৰ্ষা	ईर्षा
ज्ञान	জ্ঞান	ज्ञान
दया	দয়া	दया
दयालू	দয়ালু	दयालु
जीवन	জীৱন	जीवन
प्राण	প্ৰাণ	प्राण

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दो अक्षरों में
ज्योति, रोशनी	পোহৰ	पोहर
प्रभु	প্ৰভু	प्रभु
प्रेम करना	ভালপোৱা	भालपोवा
प्रेम	প্ৰেম	प्रेम
प्यार	মৰম	मरम
प्रीति	প্ৰীতি	प्रीति
स्नेह	স্নেহ	स्नेह
गीतिकाव्य	গীতিকাব্য	गीतिकाव्य
इच्छा	ইচ্ছা, হাবিলাস	इच्छा, हाबियास
अंकशास्त्र	গণিত	गणित
करुणा	করুণা	करुणा
सुर, स्वर	সুৰ	सुर
स्मृतिशक्ति	স্মৃতিশক্তি	स्मृतिशक्ति
मन	মন	मन
बुरा लगना	বেয়াপোৱা	बेया पोवा
धर्मयाजक	ধৰ্ম্ম প্ৰচাৰক	धर्म प्रचारक
पादरी	পাদুৰী	पादुरी
संगीत	সংগীত	संगीत
उपन्यास	উপন্যাস	उपन्यास
आशावाद	আশাবাদ	आशाबाद
दुःख	দুঃখ	दुःख
अमन, शान्ति	শান্তি	शान्ति
निराशावाद	নিৰাশাবাদ	निराशाबाद
भाषाविज्ञान	ভাষাতত্ত্ব	भाषातत्व
पदार्थ विज्ञान	পদাৰ্থবিজ্ঞান	पदार्थ विज्ञान
दर्शन	দৰ্শন	दर्शन
कविता	কবিতা	कबिता

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दरिद्र	দৰিদ্ৰ	दरिद्र
दरिद्रता	দৰিদ্ৰতা	दरिद्रता
प्रशंसा	প্ৰশংসা	प्रशंसा
प्रार्थना	প্ৰাৰ্থনা	प्रार्थना
गद्य	গদ্য	गद्य
धर्म	ধৰ্ম্ম	धर्म
छंद	ছন্দ	छन्द
अधिकार	অধিকাৰ	अधिकार
ऋषि	ঋষি	ऋषि
संत	সাধু	साधु
सन्त	সন্ত	सन्त
मुक्ति	মুক্তি	मुक्ति
शैतान	চয়তান	चयतान
त्राणकर्त्ता	ত্ৰাণকৰ্তা	त्राणकर्त्ता
नजारा, दृश्य	দৃশ্য	दृश्य
विज्ञान	বিজ্ঞান	बिज्ञान
शिल्पकला, भास्कर विद्या	ভাস্কৰ্য্য	भाष्कर्य
अनुभूति	অনুভূতি	अनुभूति
भावप्रवण	ভাবপ্ৰবণ	भावप्रवण
सेवा	সেৱা	सेवा
नमस्कार	নমস্কাৰ	नमस्कार
पाप	পাপ	पाप
आत्मा	আত্মা	आत्मा
आध्यात्मिक	আধ্যাত্মিক	आध्यात्मिक
कहानी	গল্প	गल्प
प्रतीक	প্ৰতীক	प्रतीक
चिन्ह	চিন	चिन्द

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
सहानुभूति	সহানুভূতি	सहानुभूति
आख्यायिका	সাধুকথা	साधुकथा
प्रलोभन	প্রলোভন	प्रलोभन
चिन्ता	চিন্তা	चिन्ता
क्षणस्थायी	ক্ষণস্থায়ী	क्षणस्थायी
पुनर्जन्म	পুনর্জন্ম	पुनर्जन्म
विश्वास	বিশ্বাস	विश्वास
	ভৰষা	भरषा
सत्य	সত্য	सत्य
पद्य	পদ্য	पद्य
पुण्य	পুণ্য	पुण्य
ज्ञान	জ্ঞান	ज्ञान
विस्मय	বিস্ময়	विस्मय
आश्चर्य	আচৰিত	आचरित
	আচৰিত হোৱা	आचरित होवा
लेखक	লেখক	लेखक
लेखिका	লেখিকা	लेखिका
कवि	কবি	कबि
कवयित्री	কবয়িত্ৰী	कबयित्री

कानून और राजनीति आदि

(আইন আৰু ৰাজনীতি বিষয়ক)

फरार होना	পলোৱা	पलोवा
फरार	পলৰীয়া	पलरीया
अभियोग लाना	দোষাৰোপ কৰা	दोषारोप करा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मुजरिम	আচামী	आचामी
दोषी	দোষী	दोषी
रिहाई	খালাচ	खालाच
कानून	আইন	आइन
स्थगित	স্থগিত ৰখা	स्थगित रखा
दत्तकपुत्र	তোলনীয়া পো	तोलनीया पो
साबालक, प्राप्तवयस्क	প্রাপ্তবয়স্ক	प्राप्तवयस्क
नसीहत, उपदेश	উপদেশ	उपदेश
वकील	উকিল	उकील
शपथ	শপথ	शपथ
सर्त्त	স্বৰ্ত্ত	स्वर्त्त
तरफसे	ওৰফে	ओरफे
पैतृक	পৈতৃক	पैतृक
सूचना	গোহাৰি	(जनताको) गोहारि
अपील	আপীল	(न्याय लयमें) आपील
दरखास्त	দৰখাস্ত	दरखास्त
मध्यस्थता, पंचनिर्णय	মধ্যস্থতা	मध्यस्थता
तर्क	তৰ্ক	तर्क
बंदी	বন্দী	बन्दी
गिरफ्तार	গ্ৰেপ্তাৰ	ग्रेप्तार
मारपीट	মাৰপিট	मारपिट
सदन	সদন	सदन
जमाबन्दी	জমাবন্দি	जमाबन्दि
कुर्की, जब्ती	ক্ৰোক	क्रोक
अधिकार	অধিকাৰ	अधिकार
जामीन	জামিন	जामिन
पक्ष, ओर	পক্ষে	पक्षे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
उत्कोच, घूस, रिश्वत	ঘোচ	घोच
प्रार्थी	প্ৰাৰ্থী	प्रार्थी
प्रचार	প্ৰচাৰ	प्रचार
मुकद्दमा	মোকৰ্দ্দমা	मोकर्द्दमा
जनगणना, आदमसूमारी	মানুহপিয়ল	मानुहपियल
दायित्व	দায়িত্ব	दायित्व
खर्च	খৰচ	खरच
दावा	দাবী	दाबी
मुआवजा, क्षतिपूरण	ক্ষতিপূৰণ	क्षतिपूरण
आपत्ति	আপত্তি	आपत्ति
सम्मति	সন্মতি	सन्मति
कचहरी	কাছাৰী	कछारी
अदालत	আদালত	आदालत
दीवानी कचहरी	দেৱানী আদালত	देवानी आदालत
फौजदारी कचहरी	ফৌজদাৰী আদালত	फौजदारी आदाल
जिरह, परिपरीक्षण	জেৰা	जेरा
अपराध	অপৰাধ	अपराध
हिसाब	হিচাব	हिचाव
प्राप्ति, स्वीकार	প্ৰাপ্তি স্বীকাৰ	प्राप्ति स्वीकार
पता	ঠিকনা	ठिकना
विज्ञापन	বিজ্ঞাপন	बिज्ञापन
सर्त्त	চুক্তি	चुक्ति
बाकी चकया	বাকী	बाकी
नीलाम	নিলাম	निलाम
हिसाब परीक्षक	হিচাব পৰীক্ষক	हिचाब परीक्षक
औसत	গড়, গড়ে	गड़, गड़े

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दलील	দলীল	दलील
मानहानि	মানহানি	मानहानि
आत्मरक्षा	আত্মৰক্ষা	आत्मरक्षा
प्रजातंत्र, गणतंत्र	প্ৰজাতন্ত্ৰ	प्रजातंत्र
अस्वीकार करना	অস্বীকাৰ কৰা	अस्वीकार करा
दावा	দাবী	दाबी
इजाहार, बयान	এজাহাৰ	एजाहार
बरखास्त	বৰখাস্ত	बरखास्त
तालाक	তালাক	तालाक
निर्वाचन	নিৰ্ব্বাচন	निर्ब्बाचन
संपत्ति	সম্পত্তি	संपत्ति
साक्ष्य	সাক্ষ্য	साक्ष्य
अर्थनीति	অৰ্থনীতি	अर्थनीति
जुरमाना	জৰিমনা	जरिमना
सरकार	চৰকাৰ	चरकार
दोषी	দোষী	दोषी
बंशगत	বংশগত	बंशगत
शिनाख्त करना	চিনাক্ত কৰা	चिनाक्त करा
कारावास	কাৰাদণ্ড	कारादण्ड
अन्याय	অন্যায়	अन्याय
न्याय	ন্যায়	न्याय
इलाका	এলেকা	एलेका
वालिग, सावालक	সাবালক	साबालक
नावालिग	নাবালক	नाबालक
खबर	বাতৰি, খবৰ	बातरि, खबर
अखबार	বাতৰি কাকত, খবৰ কাগজ	बातरिकाकत, खबर कागज

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
दखल	দখল	दखल
मौखिक	মৌখিক	मौखिक
विभाजन	বিভাজন	बिभाजन
पक्ष	পক্ষ	पक्ष
दल	দল	दल
दंड	দণ্ড	दण्ड
व्यक्ति	ব্যক্তি	व्यक्ति
व्यक्तिगत	ব্যক্তিগত	व्यक्तिगत
वादी, दावेदार	ফৰিয়াদী	फरियादी
राजनीति	ৰাজনীতি	राजनीति
जनता	ৰাইজ	राइज
तहरीर, दस्तावेज	নথি	नथि
रिहाई	খালাচ	खालाच
विद्रोह	বিদ্রোহ	बिद्रोह
भेदिया, गुप्तचर	গুপ্তচৰ	गुप्तचर
व्ययानत	জবানবন্দী	जबानबन्दी
चोरी	চুৰি	चुरि
विचार	বিচাৰ	बिचार
वनाम	বনাম	बनाम
साक्षी	সাক্ষী	साक्षी
जय	জয়	जय
पराजय	পৰাজয়	पराजय

व्यवसाय संबंधी

(ব্যৱসায় সম্বন্ধী)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
हिसाब	হিচাব	हिचाब
प्राप्ति, स्वीकार	প্ৰাপ্তি স্বীকাৰ	प्राप्ति स्वीकार
पता	ঠিকনা	ठिकना
विज्ञापन	বিজ্ঞাপন	बिज्ञापन
सर्त्त	চুক্তি	चुक्ति
बाकी बकया	বাকী	बाकी

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
नीलाम	নিলাম	निलाम
हिसाब परीक्षक	হিচাব পৰীক্ষক	हिचाब परीक्षक
औसत	গড়, গড়ে	गड़, गड़े
व्यापार व्यवसाय	বেপাৰ	बेपार
दिवाला निकलना	দেৱলীয়া	देवलीया
चुक्तिनामा, दस्तावेज	চুক্তিপত্ৰ	चुक्तिपत्र
दलाल	দালাল	दालाल
दलाली, दस्तुरी	দালালী	दालाली
व्यवसाय	ব্যৱসায়, কাৰবাৰ	व्यवसाय, कारबार
खरीदार, ग्राहक	কিনোতা, গ্ৰাহক	किनोता, ग्राहक
राजधानी	ৰাজধানী	राजधानी
मूलधन	মূলধন	मूलधन
नकद	নগদ	नगद
दावा	দাবী	दावी
ठेका	ঠিকা	ठिका
वाणिज्य	বাণিজ্য	बाणिज्य
सहयोग	সহযোগ	सहयो (जो) ग
जमा	জমা	जमा
क्षति, नुकसान	ক্ষতি, লোকচান, হানি	क्षति, लोकचान, हानि
उधार	ধাৰ	धार
असाधु	অসাধুতা	असाधुता
दुर्नीति	দুৰ্নীতি	दुर्नीति
नियमानुवर्त्तिता	নিয়মানুবৰ্তিতা	नियमानुबर्त्तिता
कर्जदार	ধৰুৱা	धरुवा
साहिदा	চাহিদা	चाहिदा
निर्य्यात	ৰপ্তানি	रप्तानि
किराया	ভাড়া	भाड़ा
आयात	আমদানি	आमदानि
आय	আয়, উপাৰ্জ্জন	आय, उपार्ज्जन
आयकर	আয়কৰ	आयकर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
बीमा	বীমা	बीमा
जीवन बीमा	জীৱনবীমা	जोबन बीमा
सूद	সূত	सुत
लगाना	খটা	खटा
रुपये लगाना	টকা খটা	टका खटा
दायित्व	দায়িত্ব	दायित्व
बजार	হাট, বজাৰ	हाट, बजार
बजार भाव	বজাৰ দৰ	बजार दर
बजार का दिन	হাটবাৰ	हाटबार
एकाधिकार	একচেতিয়া	एकचेतिया
साझेदार, अंशीदार	অংশীদাৰ	अंशीदार
साझेदारी	অংশীদাৰী	अंशीदारी
औसतन	শতকৰা	शतकरा
मूल्य, दाम, कीमत	দাম, মূল্য, দৰ ভাও	दाम, मूल्य, दर,भाओ,
मूल्यसूची	মূল্য তালিকা	मूल्य तालिका
लाभ	লাভ	लाभ
खरीदना	ক্রয়	क्रय
फुटकर, खुदरा	খুচুৰা	खुचुरा
नमूना	নমুনা	नमूना
विक्री	বিক্রী	विक्री
अंश	অংশ	अंश
जहाज	জাহাজ	जाहाज
संभरण	যোগান	यो(जो)गान
कर	খাজনা, কৰ	खाजना, कर
लेनदेन	লেনদেন	लेनदेन
गोदाम, भण्डार	গুদাম ঘৰ	गुदामघर
थोक	পায়কাৰী	पायकारी
तार	তাৰ	तार

नौकरी और पेशा आदि

(চাকৰি আৰু ব্যৱসায় আদি)

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अभिनेता	অভিনেতা	अभिनेता
अभिनेत्री	অভিনেত্রী	अभिनेत्री
राजदूत	ৰাজদূত	राजदूत
बढ़ई	মিস্ত্রী	मिस्त्री
कारीगर	কাৰিকৰ	कारिकर
शिल्पी	শিল্পী	शिल्पी
ज्योतिषी	জ্যোতিষী	ज्योतिषी
ज्योतिर्विद	জোতির্বিদ	ज्योतिर्विद
लेखक	লেখক	लेखक
रोटीवाला	ৰুটীৱালা	रुटीवाला
पटवारी, महाजन	মহাজন	महाजन
नाई	নাপিত	नापित
लोहार	কমাৰ	कमार
पुस्तक विक्रेता	পুথিবেচোঁতা	पुथि वेचोंता
दलाल	দালাল	दालाल
कसाई	কচাই	कचाइ
प्रार्थी	প্রার্থী	प्रार्थी
परीक्षार्थी	পৰীক্ষার্থী	परीक्षार्थी
लिपिक, आलेखक	কেৰাণী	केराणी
मुची	মুচী	मुची
ठेकेदार	ঠিকাদাৰ	ठिकादार
रसोइया (पुं)	ৰান্ধনি (পুং)	रांधनि
(स्त्री)	ৰান্ধনী (স্ত্রী)	रांध नी

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
चरवाहा	গৰখীয়া	गरखीया
संपादक	সম্পাদক	सम्पादक
किसान	খেতিয়ক, কৃষক	खेतियक, कृषक
धीवर	জালোৱা, নদীয়াল	जालोवा, नदीयाल
अतिथि	আলহী	आलही
सोनार	সোণাৰী	सोणारी
दोकानी	দোকানী	दोकानी
गृहस्थ	গৃহস্থ	गृहस्थ
जादुगर	যাদুকৰ	या (जा)दुकर
	বাজীকৰ	बाजीकर
मजदुर	বনুৱা	बनुवा
महाजन	সাউদ, মহাজন	साउद, महाजन
गुवाल	গুৱাল	गुवाल
संगीतज्ञ	সংগীতজ্ঞ	संगीतज्ञ
धाय	ধাই	धाइ
कवि	কবি	कबि
दारोवान	দাৰোৱান	दारोवान
कुली	মুটিয়া, কুলি	मुटिया, कुलि
पियन	পিয়ন	पियन
रण्डी, वेश्या	বেশ্যা	बेश्या
नटी	নটী	नटी
कुम्हार	কুমাৰ	कुमार
अध्यापक	অধ্যাপক	अध्यापक
नाविक	নাবিক	नाबिक
शिक्षक	শিক্ষক	शिक्षक
शिक्षयत्री	শিক্ষয়িত্ৰী	शिक्षयित्री
नौकर	চাকৰ, লগুৱা	चाकर, लगुवा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
गायक	গায়ক	गायक
सैनिक	সৈনিক	सैनिक
छात्र	ছাত্ৰ	छात्र
छात्री	ছাত্ৰী	छात्री
जमादार	জমাদাৰ	जमादार
दर्जी	দৰ্জী	दर्जी
धोबा	ধোবা	धोवा

खेल कूद

(খেল ধেমালি)

लक्ष्य	লক্ষ্য	लक्ष्य
वंसीसे मछली पकड़ना	বৰশীবোৱা	बरशीबोवा
कांटा, वंसो	বৰশী	बरशी
चेष्टा	চেষ্টা	चेष्टा
बन्दूकका नाल	বন্দুকৰ নলী	बन्दुकर नली
नाव	নাও	नाओ
नाविक	নাৱৰীয়া	नावरीया
गोली	গুলি	गुलि
शिविर	শিবিৰ	शिबिर
टोप, टोपी,	টুপী	टुपी
दलपति	দলপতি	दलपति
आमोद-प्रमोद	আমোদ	आमोद
उपभोग	উপভোগ	उपभोग
खेल	খেল	खेल
शिकार	চিকাৰ	चिकार

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दि अक्षरोंमें
साथ देना	যোগদে	योगदे
चाकू	কটাৰী, চুৰি	कटारी, चुरि
खेलकूद	খেলধেমালি	खेलधेमालि
मैदान	খেলপথাৰ	खेलपथार
खिलाड़ी	খেলুৱৈ	खेलुवै

मूल संख्या और क्रमिक संख्या

(মূল সংখ্যা আৰু ক্ৰমিক সংখ্যা)

आम व्यवहारमें आनेवाली क्रमिक संख्याओंको ही वेष्टनीके अंदर दिया गया है।

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
१	এক (প্ৰথম)	एक (प्रथम)
२	দুই (দ্বিতীয়)	दुइ (द्वितीय)
३	তিনি (তৃতীয়)	तिनि (तृतीय)
४	চাৰি (চতুৰ্থ)	चारि (चतुर्थ)
५	পাচ (পঞ্চম)	पाच (पंचम)
६	ছয় (ষষ্ঠ)	छय (षष्ठ)
७	সাত (সপ্তম)	सात (सप्तम)
८	আঠ (অষ্টম)	आठ (अष्टम)
९	ন (নবম)	न (नवम)
१०	দহ (দশম)	दह (दशम)
११	এঘাৰ (একাদশ)	एघार (एकादश)
१२	বাৰ (দ্বাদশ)	बार (द्वादश)
१३	তেৰ (ত্ৰয়োদশ)	तेर (त्रयोदश)

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
१४	চৈধ্য (চতুৰ্দ্দশ)	चैध्य (चतुर्दश)
१५	পোন্ধৰ (পঞ্চদশ)	पोन्धर (पंचदश)
१६	ষোল্ল (ষষ্ঠদশ)	षोल्ल (षष्ठदश)
१७	সোতৰ (সপ্তদশ)	सोतर (सप्तदश)
१८	ওঠৰ (অষ্টদশ)	ओठर (अष्टदश)
१९	ঊনৈশ (ঊনবিংশ)	उनैश (उनविंश)
२०	বিশ (বিংশ)	बिश (बिंश)
२१	একৈশ (একবিংশ)	एकैश (एकविंश)
२२	বাইশ (দ্বাবিংশ)	बाईश (द्वाविंश)
२३	তেইশ (ত্ৰয়োবিংশ)	तेइश (त्रयोविंश)
२४	চৱিশ (চতুৰ্বিংশ)	चव्विश (चतुर्विंश)
२५	পচিশ (পঞ্চবিংশ)	पचिश (पंचविंश)
२६	চাব্বিশ (ষাড়—)	चाव्विश (षड़—)
२७	সাতাইশ (সপ্ত—)	साताइश (सप्त—)
२८	আঠাইশ (অষ্ট—)	आठाइश (अष्ट—)
२९	উনত্ৰিশ (উনত্ৰিংশ)	उनत्रिश (उनत्रिंश)
३०	ত্ৰিশ (ত্ৰিংশ)	त्रिश (त्रिंश)
३१	একত্ৰিশ (একত্ৰিংশ)	एकत्रिश (एकत्रिंश)
३२	বত্ৰিশ (দ্বা—)	बत्रिश (द्वा—)
३३	তেত্ৰিশ (ত্ৰায়স—)	तेत्रिश (त्रायस—)
३४	চৌত্ৰিশ (চতুস—)	चौत्रिश (चतुस—)
३५	পয়ত্ৰিশ (পঞ্চ—)	पयत्रिश (पंच—)
३६	ছয়ত্ৰিশ (ষট—)	छयत्रिश (षट—)
३७	সাতত্ৰিশ (সাত—)	सातत्रिश (सप्त—)
३८	আঠত্ৰিশ (আট—)	आठत्रिश (अष्ट—)
३९	উনচল্লিশ (উনচত্বাৰিংশ—)	उनचल्लिश (उनचत्वारिंश)
४०	চল্লিশ (চত্বাৰিংশ)	चल्लिश (चत्वारिंश)

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
४१	একচল্লিশ (এক—)	एकचल्लिश (एक -)
४२	বিয়াল্লিশ (দুই—)	बियाल्लिश (दुइ—)
४३	তিয়াল্লিশ (ত্রি—)	तियाल्लिश (त्रि—)
४४	চৌৱাল্লিশ (চতুস্—)	चौवाल्लिश (चतुस—)
४५	পঞ্চাল্লিশ (পঞ্চা—)	पंचल्लिश (पंचा—)
४६	ছয়চল্লিশ (সট—)	छयचल्लिश (षट—)
४७	সাতচল্লিশ (সপ্ত—)	सातचल्लिश (सप्त—)
४८	আঠচল্লিশ (অষ্ট—)	आठचल्लिश (अष्ट—)
४९	উনপঞ্চাশ (উনপঞ্চাশত্তম)	उनपंचाश (उनपंचाशत्तम)
५०	পঞ্চাশ (পঞ্চাশত্তম)	पंचाश (पंचाशत्तम)
५१	একাৱন	एकावन
५२	বাৱন	बावन
५३	ত্রেপন	त्रेप्पन
५४	চৌৱন	चौवन
५५	পচপন	पचपन
५६	ছাপ্পন	छाप्पन
५७	সাতাৱন	सातावन
५८	আঠাৱন	आठावन
५९	উনষাঠি	उनषाठि
६०	যাঠি	षाठि
६१	এষষ্ঠি	एषष्टि
६२	বাষষ্ঠি	बाषष्टि
६३	তেষষ্ঠি	तेषष्टि
६४	চৌষষ্ঠি	चौषष्टि
६५	পয়ষষ্ঠি	पयषष्टि
६६	ছয়ষষ্ঠি	छयषष्टि
६७	সাতষষ্ঠি	सातषष्टि

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
৬৮	আঠষষ্ঠি	आठषष्टि
৬৯	উনসত্তৰ	उनसत्तर
৭০	সত্তৰ	सत्तर
৭১	একসত্তৰ	एकसत्तर
৭২	বাসত্তৰ	बासत्तर
৭৩	তেসত্তৰ	तेसत्तर
৭৪	চৌসত্তৰ	चौसत्तर
৭৫	পয়সত্তৰ	पयसत्तर
৭৬	ছয়সত্তৰ	छयसत्तार
৭৭	সাতসত্তৰ	सातसत्तार
৭৮	আঠসত্তৰ	आठसत्तार
৭৯	উনাশী	उनाशी
৮০	আশী	आशी
৮১	একাশী	एकाशी
৮২	বিৰাশী	बिराशी
৮৩	তিৰাশী	तिराशी
৮৪	চৌৰাশী	चौराशी
৮৫	পচাশী	पचाशी
৮৬	ছয়াশী	छयाशी
৮৭	সাতাশী	साताशी
৮৮	আঠাশী	आठाशी
৮৯	উননবৈব	उननब्बै
৯০	নবৈব	नब्बैं
৯১	একানবৈব	एकानब्बै
৯২	বিৰানবৈব	बिरानब्बै
৯৩	তিৰানবৈব	तिरानब्बै
৯৪	চৌৰানবৈব	चौरानब्बै

हिन्दी संख्या	असमीया अक्षरों में	हिन्दी अक्षरों में
९५	পচানৈব্ব	पचानव्वै
९६	ছয়ানৈব্ব	छयानव्वै
९७	সাতানৈব্ব	सातानव्वै
९८	আঠানৈব্ব	आठानव्वै
९९	নিৰানৈব্ব	निरानव्वै
१००	এশ	एश
१०१	এশ এক	एश एक
१०२	এশ দুই	एश दुइ
२००	দুশ	दुश
३००	তিনিশ	तिनिश
४००	চাৰিশ	चारिश
१०००	এহাজাৰ	एहाजार
१०,०००	এক অযুত, দহহাজাৰ	एक अयु(जु)त, दह हाजार
१००,००००	এক লাখ	एक लाख
१०००,०००	এক নিযুত, দহ লাখ	एक नियु(जु)त दह लाख
१०,०००,०००	এক কোটি	एक कोटि
१९६२	ঊনৈশশ তেৰষষ্ঠি	उनैशश तेषष्टि

समूह वाचक और खण्डात्मक संख्या आदि

(দলবাচক আৰু ভগ্নাংশ বাচক সংখ্যা আদি)

[दलबाचक आरु भग्नांशबाचक संख्या आदि]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
जोड़ा, जोड़ी	জোৰ, হাল	जोर, हाल
युगल	যুগল	यु(जु)गल
एक जोड़ा	এজোৰ, এহাল	एजोर, एहाल

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
दजन	দজন	दजन
चार एक साथ	অঁৰা	अँरा
एक चार का समूह	এঅঁৰা	एअँरा
अस्सी का समूह	পোণ	पोण
बीसी (बिसका समूह)	কুৰি	कुरि
दोनों	দুয়ো	दुयो
तीन (सभी)	তিনিও	तिनिओ
चार (सभी)	চাৰিও	चारिओ
हर एक	গাইপতি	गाइपति
फीसदी	শতকৰা	शतकरा
शतक	শতক	शतक
पहली सदी	প্ৰথম শতিকা	प्रथम शतिका
पहली शताब्दी	প্ৰথম শতাব্দী	प्रथम शताब्दी
आधा	আধা	आधा
डेड़	ডেড়	डेड़
पाव	পোৱা	पोवा
ढाई	আঢ়ৈ	आढ़ै
साढ़े तीन	চাৰে তিনি	चारे तिनि
साढ़े चार	চাৰে চাৰি	चारे चारि
तीन बटे एक	তিনি ভাগৰ এভাগ	तिनि भागर ए भाग
एक बार	বাৰ	ए बार
दो बार	দুবাৰ	दुबार
तीन बार	তিনিবাৰ	तिनि बार
चार बार	বিবাৰ	चारि बार

सर्वनाम
(সৰ্বনাম)

[विभक्ति रहित सर्वनामोंको यहां दिया जा रहा है]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
कुछ	কেইটামান	केइटामान
दो चार	দুটামান	दुटामान
थोड़ा सा	অলপমান	अलपमान
दुसरा एक	আন এজন আন এটা	आन एजन आन एटा
जो कोई	যি কোনো যেই সেই	यि [जि] कोनो ये (ज) इ सई
प्रत्येक लोग	প্ৰত্যেক জন	प्रत्येकजन
हर एक	প্ৰত্যেক টো	प्रत्येक टो
परस्पर	পৰস্পৰে	परस्परे
सभी	সকলোবিলাক	सकलो बिलाक
कितना	কিমান কেইটা	किमान केइटा
स्वकीय	নিজ	निज
कोई	কোনো, কোনো কোনো	कोनो, कोनोकोनो
कुछ	কিবা	किबा
इतना	ইমান বিলাক ইমান খিনি	इमान बिलाक इमान खिनि
वह	সেই জন সেই ডাল	सेइ जन सेइ डाल
कि	যে	ये [जे]
ये	এই সকল এই বিলাক	एइ सकल एक बिलाक

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
यह	এই জন এই টো	एइ जन एइ टो
वे	সেই সকল সেই বিলাক	सेइ सकल सेइ बिलाक
क्या	কি	कि
जो	যি	यि (जि)
कौन	কোন	कोन
सक्षम	সক্ষম	सक्षम
सुयोग्य	সুযোগ্য	सुयो (जो) ग्य
ताकि	যেন	ये (जे) न
बुरा	বেয়া	बेया
सुन्दर	সুন্দৰ ধুনীয়া	सुन्दर धुनीया
सुन्दरी	সুন্দৰী	सुन्दरी
बड़ा	ডাঙৰ	डाङर
कड़वा	তিতা	तिता
अंया	কণা	कणा
चौड़ा	বহল	बहल
साहसी, हिम्मतदार	সাহসী	साहसी
व्यस्त	ব্যস্ত	व्यस्त
सावधान	সাৱধান	सावधान
सस्ता	সস্তা	सस्ता
सफाई	চাফা	चाफा
परिस्कार	পৰিস্কাৰ	परिस्कार
चालाक	চতুৰ	चतुर
सुविधानक	সুবিধাজনক	सुविधाजनक
ठण्डा	চেঁচা, থাণ্ডা	चेंचा, थाण्डा
नमी	সেমেকা	सेमेका

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
भयंकर	ভয়ঙ্কৰ	भयंकर
अंधेरा	আন্ধাৰ	आंधार
काला	ক'লা	क'ला
बहरा	কলা	कला
प्रिय	প্ৰিয়	प्रिय
प्यारा	মৰমৰ	मरमर
प्रिया	প্ৰিয়া	प्रिया
कीमती	মহঙা	महङा
गभीर	গভীৰ, দ	गभीर, द
दूसरा, अन्य	আন, অন্য	आन, अन्य
अलग	বেলেগ	बेलेग
कठिन,	কঠিন, টান	कठिन, टान
गंदा	লেতেৰা	लेतेरा
दूर	দূৰ, আঁতৰ	दूर, आँतर
दूर	নিলগ	निलग
सूखा	শুকান	शुकान
मूर्ख	মূৰ্খ, ভোদা	मूर्ख, भोदा
गूंगा	বোবা	बोबा
जल्दी	সোনকাল	सोनकाल
आसान	সহজ	सहज
खाली	খালি	खालि
समान	সমান	समान
चिकना	মিহি	मिहि
झूठ, मिथ्या	মিছা	मिछा
तेज	খৰ	खर
मोटा	শকত	शकत
पतला	পাতল	पातल

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
विदेशी	বিদেশী	बिदेशी
स्वाधीन	স্বাধীন	स्वाधीन
ताजा	তাৎকা	ताल्का
पूरा	পূৰা	पूरा
संपूर्ण	সম্পূৰ্ণ	संपूर्ण
विनोदशील,	খুহুতীয়া	खुहुतीया
विनोदी, प्रमुदित	ৰঙীয়াল	रङीयाल
शांत	শান্ত	शान्त
भद्र	ভদ্ৰ	भद्र
आनन्दित	আনন্দিত	आनन्दित
सुखी	সুখী	सुखी
अच्छा	ভাল	भाल
विरात्	বিৰাট	बिरात्
महत्	মহৎ	महत्
कच्चा	কেচা	केचा
निष्ठुर	নিষ্ঠুৰ	निष्ठुर
वजनदार, भारी	গধূৰ	गधूर
ऊंचा	ওখ	ओख
गर्म	গৰম	गरम
तप्त	তপত	तपत
तीता	জলা	जला
सत्	সৎ	सत्
निकम्मा	এলেহুৱা	एलेहुवा
असुस्थ	অসুস্থ	असुस्थ
आवश्यकीय	আৱশ্যকীয়	आवश्यकीय
दर्कारी	দৰকাৰী	दरकारी
असंभव	অসম্ভৱ	असंभव

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
असुविधाजनक	অসুবিধাজনক	असुविधाजनक
निर्दोष	নির্দোষ	निर्दोष
बुद्धिमान	বুদ্ধিমান	बुद्धिमान
बुद्धिमती	বুদ্ধিমতী	बुद्धिमती
न्याय्य	ন্যায্য	न्याय्य (ज्य)
लंगरा	খোৰা	खोरा
स्वर्गीय	স্বৰ্গীয়	स्वर्गीय
बांई	বাওঁ	बाआँ
छोटा	সৰু	सरु
थोड़ा	অলপ	अलप
अकेला	অকলশৰীয়া	अकलशरीया
निर्जन	নিৰ্জন	निर्जन
लंबा	দীঘল	दीघल
ढीला	ঢিলা	ढिला
कुनकुना, कवोष्ण	কুহুমীয়া	कुहुमीया
पागल	পাগল	पागल
	বলিয়া	बलिया
बहुत	বহুত	बहुत
अधिक	অধিক	अधिक
ज्यादा	বেছি	बेछि
उकता देनेवाला, एकरस	আমনিলগা	आमनिलगा
सकरा, तंग	ঠেক	ठेक
दुष्ट	দুষ্ট	दुष्ट
नया, नूतन	নতুন	नतून
नजदीक, पास	ওচৰ	ओचर
बुढ़ा	বুঢ়া	बुढ़ा
पुराना	পুৰণি	पुरणि

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
विपरीत	বিপৰীত	बिपरीत
दुःखजनक	দুঃখজনক	दुःखजनक
आदर	আদৰ	आदर
नम्र	নম্র	नम्र
गरीब, दुखीया	দুখীয়া	दुखीया
दरिद्र	দৰিদ্র	दरिद्र
अंदरुनी	ভিতৰুৱা	भितरुवा
गोपनीय	গোপনীয়	गोपनीय
अहंकारी	অহংকাৰী	अहंकारी
पवित्र	পবিত্র	पबित्र
चरपटा	কেহা	केहा
विरल	বিৰল	बिरल
नियमित	নিয়মীয়া	नियमीया
अमीर, रईस	ধনী, চহকী	धनी, चहकी
दाहिना	সোঁ	सों
ठीक	ঠিক	ठिक
शुद्ध	শুদ্ধ	शुद्ध
धार्मिक	ধাৰ্মিক	धार्मिक
पका हुआ	পকা	पका
खुरदरा, खरखरा	খহতা	खहता
गोल	ঘূৰণীয়া	घूरणीया
निरापद	নিৰাপদ	निरापद
एकही	একে	एके
कम गहरा, ओछा	বাম	बाम
तीव्र	চোকা	चोका
नीचा	চাপৰ	चाप
ह्रस्व, छोटा	চুটি	चुटी

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
धीर	ধীৰ	धीर
इकहरा, हल्का	লাহী	लाही
छोटा	সৰু	सरु
मसृन, मुलायम	কোমল	कोमल
खट्टा	টেঙা	टेङा
विशेष	বিশেষ	विशेष
सीधा	পোণ	पोण
सरल	সৰল	सरल
अचरज	আচৰিত	आचरित
अद्भुत	অদ্ভুত	अद्भुत
अजनबी	আচহুৱা	आचहुवा
बली	বলী	बली
मिठा	মিঠা	मिठा
घन	ডাঠ	डाठ
सत्य, सच	সত্য, সঁচা	सत्य, सँचा
कुरूप	কুৰূপ	कुरूप
जरूरी	জৰুৰী	जरुरी
बिभिन्न	বিভিন্ন	विभिन्न
दुर्ब्बल	দুৰ্ব্বল	दुब्बल
सुस्थ	সুস্থ	सुस्थ
भूल	ভুল	भुल
अशुद्ध	অশুদ্ধ	अशुद्ध
ज्ञानी	জ্ঞানী	ज्ञानी
जवान, युवक	ডেকা	डेका
युवती	গাভৰু	गाभरु
बछरा	পোৱালী	पोवाली
उत्साही	উৎসাহী	उत्साही

क्रिया

(ক্ৰিয়া পদ)

मूल धातुरूप ही यहां दिया जा रहा है। हिन्दी की तरह असमीयामें भी यह रूप ही अनुज्ञा (भविष्यत अनुज्ञा) अर्थमें प्रयोग होता है। [तुच्छार्थ मध्यम पुरुष दोनों वचनों में]

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दीअक्षरोंमें
हो	হ	ह
बो	সি চ	सिँच
जा	যা	या (जा)
आ	আহ	आह
ला	আন	आन्
गा	গা	गा
रो	কান্দ	कान्द
खो	হেৰুৱা	हेरुवा
सो	শো	शो
सी	সি, সী	सि, सी
पी	পি	पि
खा	খা	खा
पा	পা	पा
दे	দে	दे
ले	ল	ल
ढा	ভাঙ	भाङ
भेज	পঠা	पठा
भिज	ভিজা	भिजा
सोच	ভাব	भाव
फैल	বিয়পা	बियपा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
खींच	টান	टान
सिखा	শিক	शिक
बह	বৈ যা	बै या (जा)
झुक	আঠু কাঢ়	आठु काढ़
फेंक	দলিয়া	दलिया
बढ़	আগ বাঢ়	आग बाढ़
फाड़	ফাল	फाल
खोद	খান্দ	खान्द
भोग	ভোগ কৰ	भोगकर
चरा	চৰ	चार
गला	গলা	गला
लेट	বাগৰ দে	बागर दे
उड़	উৰ	उर
जमा	জমা কৰ	जमा कर
सह	সহ, সহ্যকৰ	सह, सह्यकर
डरा	ভয় কৰ	भय कर
लूट	লুট্ চুৰিকৰ	लुट, चुरिकर
छाप	ছপাকৰ	छपा कर
जोड़	যোগ দে	यो(ज)ग दे
घटा	কম কৰ	कम कर
दबा	হেচা দে	हेचा दे
नाप	জোখ কৰ	जोख कर
रोक	বন্ধ কৰ	बंध कर
मिटा	দূৰ কৰ	दूर कर
पोंछ	ঘঁহি পেল	घँहि पेल
पूछ	সোধ	सोध
धो	ধো	धो

हिन्दी शब्द	असमोया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सोख	শুকুৱা	शुकुवा
नाच	নাচ	नाच
लाद	বোজা দে	बोजा दे
पीस	পিহ	पिह
लगा	লগা	लगा
थाम	ৰাখ	राख
शोध	শোধন কৰ	शोधन कर
सक	পাৰ (অ)	पार (अ)
मिल	লগ হ	लग ह
खेल	খেল	खेल
कर	কৰ	कर
मर	মৰ	मर
मार	মাৰ	मार
गिर	পৰ	पर
चल	খোজ কাঢ়	खोज काढ़
बोल	ক	क
बैठ	বহ	बह
उठ	উঠ	उठ
जगा	জগা	जगा
जाग	জাগ, সাৰ পা	जाग, सार पा
रह	থাক	थाक
पढ़	পঢ়	पढ़
सीख	শিক	शिक
पढ़ा	পঢ়া	पढ़ा
खोल	খোল	खोल
सुन	শুন	शुन
चुन	বিচাৰি ল, নিৰ্ব্বাচন কৰ	बिचारि ल, निर्ब्बाचन कर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
खिला	খুউৱা	खुउवा
सजा	সজা	सजा
देख	দেখা	देखा
दिखा	দেখুৱা	देखुवा
हँस	হাঁহ	हाँह
भाग	পলা	पला
दौड़	দৌৰ	दौर
बजा	বজা	बजा
काट	কাট	काट
फूंक	ফুক	फुक
गिन	গণ, লেখ	गण, लेख
रख	ৰাখ	राख
घेर	ঘেৰ, মেৰাই ধৰ	घेर, मेराइ धर
हटा	গুচা	गुचा
हिल	ডোল	डोल
तैर	সাতোৰ	सातोर
कह	ক	क
ताक	ভুমুক মাৰ, ভুমুকি মাৰ	भूमूक मार, भूमुकि मार
पीट	মাৰ	मार
बांध	বান্ধ	बांध
रांध	ৰান্ধ	रांध
पका	সিজা	सिजा
कमा	উপাৰ্জ্জন কৰ	उपार्ज्जन कर
तोड़	ভাঙ	भाङ
बुन	বো	वो
जीत	জয় কৰ	जय कर
हरा	ঘটা, ঘটুৱা	घटा, घटुवा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
हार	পৰাজয় হ	पराजय ह
लिख	লিখ	लिख
जला	জলা	जला
बना	সজা	सजा
बेच	বেচ, বিক্ৰী কৰ	बेच, बिक्री कर
छोड़	এৰি দে	एरि दे
ढूढ़	বিচাৰ	बिचार
भेज	পঠা, পঠিৱা	पठा, पठिवा
सूंघ	সুঙ	सुङ
खींच	টান	टान
हाँक	চলা	चला
लड़	যুজকৰ	यु (ज) ज कर
आरंभ कर	আৰম্ভ কৰ	आरंभ कर
उधार ले	ধাৰে ল	धारे ल
अनुमान कर	অনুমান কৰ	अनुमान कर
हानि कर	ক্ষতিকৰ, লোকচান কৰ	क्षतिकर, लोकचान कर
घृणा कर	ঘৃণা কৰ	घृणा कर, घिणा
सहायता कर	সহায় কৰ	सहाय कर
आग लग	জুইলগা,	जुइ लगा
कल्पना कर	কল্পনা কৰ	कल्पना कर
कैद कर	বন্দীকৰ	बन्दी कर
अपमान कर	অপমান কৰ	अपमान कर
निमंत्रण दे	মাত, নিমন্ত্ৰণ কৰ	मात, निमंत्रण कर
समर्थन कर	সমৰ্থন দে	समर्थन दे
रक्षा कर	ৰক্ষা কৰ	रक्षा कर
लात कर	লাঠি মাৰ লঠিৱা	लाठि मार, लठिवा
कोड़े मार	চাবুক মাৰ	चबुक मारा

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
मार डाल	মাৰি পেলা	मारि पेला
उधार दे	ধাৰে দে	धारे दे
रास्ता दिखा	বাট দেখুৱা	बाट देखुवा
पसन्द कर	পছন্দ কৰ	पछंद कर
तलाश कर	বিচাৰ কৰ, অনুসন্ধান কৰ	बिचार कर, अनुसंधान कर
ठीक कर	ঠিককৰ	ठिक कर
मेहरबान हो	দয়াবান হ	दयाबान ह
भुगतान कर	পৰিশোধ কৰ	परिशोध कर
मुलाकात कर	সাক্ষাৎ কৰ	साक्षात कर
रोशन कर	উজ্জলকৰ, উজলা	उज्वल कर, उजला
स्थापन कर	স্থাপন কৰ, প্ৰতিষ্ঠা কৰ	स्थापनकर, प्रतिस्थाकर
सुनहरा कर	সোনালী কৰ	सोणाली कर
मालूम हो	বুজি পা	बुजि पा
बंचित कर	বঞ্চিত কৰ	बंचित कर
चिपका रह	লাগি ধৰ	लागि धर
छलाँग मार	জাপ দে, জপিৱা	जाप दे, जपिवा
गोली मार	গুলী মাৰ	गुली मार
हजामत कर	দাড়ি খুৱা	दाढ़ी खुरा
सवार हो	ঘোড়াত উঠ	घोरात उठ
वकालत कर	ওকালতি কৰ	ओकालति कर
भूल जा	পাহৰ, পাহৰি যা	पाहर, पाहरि या(जा)
बाट देख	বাট চা	बाट चा
गायब हो	লুপ্ত হ, নাইকিয়া হ	लुप्तह, नाइकिया ह
बातचीत कर	কথাবতৰা হ বা কৰ	कथा बतरा ह,बा कर
शपथ खा	শপত খা	शपत खा
सफल हो	সফল হ	सफल ह

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
रवाना हो	যাত্ৰা কৰ	या (जा) त्रा कर
प्रार्थना कर	প্ৰাৰ্থনা কৰ	प्रार्थना कर
झगड़ा कर	কাজিয়া কৰ	काजिया कर
झूठ बोल	মিছা ক	मिछा क
हंसी कर	ঠাট্টা কৰ	ठाट्टा कर
आशा कर	আশা কৰ	आशा कर
मर जा	মৰি যা	मरि या (जा)
उपवास कर	লঘোনে থাক, উপবাসে থাক	लघोणे थाक, उपवासे थाक
विफल हो	বিফল হ	विफल ह
स्वप्न देख	সপোন দেখ	सपोन देख
राजी हो	সন্মত হ	सन्मत ह
व्यवहार कर	ব্যৱহাৰ কৰ	व्यवहार कर
धन्यवाद दे	ধন্যবাদ দে	धन्यबाद दे
परीक्षा ले	পৰীক্ষা ল	परीक्षा ल
गला घोट	গলত টিপি মাৰ	गलत टिपि मार
उत्तेजित कर	উত্তেজিত কৰ	उत्तेजित कर
चोरी कर	চোৰ কৰ	चोर कर
छुरी मार	ছুৰী মাৰ	छुरी मार
हिज्जे कर	বানান কৰ	बानन कर
दस्तखत कर	চহী কৰ	चही कर
चुप रह	মনে মনে থাক	मने मने थाक
बंद कर	বন্ধ কৰ	बंध कर
प्रेम कर	প্ৰেম কৰ, ভাল পা	प्रेम कर, भाल पा
प्रबंध कर	ব্যৱস্থা কৰ	व्यवस्था कर
विवाह कर	বিয়া কৰ	बिया कर
विश्वास कर	বিশ্বাস কৰ	बिश्वास कर

हिन्दी शब्द	असयीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अविश्वास कर	অবিশ্বাস কৰ	अविश्वास कर
हस्तान्तर कर	হস্তান্তৰ কৰ	हस्तान्तर कर
आज्ञा पाल	আদেশ পালন কৰ	आदेश पालन कर
एवजी कर	প্ৰতিনিধিত্ব কৰ	प्रतिनिधित्व कर
ज्यादती कर	বলাৎকাৰ কৰ	बलात्कार कर
देख भाल कर	দেখা শুনা কৰ, চোৱা চিন্তা কৰ	देखा शुना कर चोवा चिन्ता कर
काम कर	কাম কৰ	काम कर
बँटवारा कर	ভগাই ল, ভাগ কৰি ল	भगाइ ल, भाग करि ल
क्षमा कर	ক্ষমা কৰ	क्षमा कर
निकाल दे	উলিয়াই দে	उलियाइ दे
अनुभव कर	অনুভৱ কৰ	अनुभव कर
पूर्ति कर	পূৰণ কৰ	पूरण कर
अनुसरण कर	পিছ ল, অনুসৰণ কৰ	पिछ ल, अनुसरण कर
दया कर	দয়া কৰ	दया कर
देर कर	পলম কৰ	पलम कर
प्रशंसा कर	প্ৰশংসা কৰ	प्रशंसा कर
अर्ज कर	অনুৰোধ কৰ, খোজ	अनुरोध कर, खोज
पवित्र कर	পবিত্ৰ কৰ	पवित्र कर
उद्धृत कर	উদ্ধৃতি দে	उद्धृति दे
मंजूर कर	মঞ্জুৰ কৰ	मंजुर कर
समझौता कर	মিট্‌মাট কৰ	मिट्माट कर
संशोधन कर	সংশোধন কৰ	संशोधन कर
संक्षेप कर	চমু কৰ, সংক্ষেপকৰ	चमुकर, संक्षेप कर
आश्रय दे	আশ্ৰয় দে	आश्रय दे
तेज कर	চোকা কৰ	चोका कर
दण्डाज्ञा दे	দণ্ড দে	दण्ड दे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हन्दी अक्षरों में
चाकरी कर नौकरी कर	চাকৰি কৰ	चाकरि कर
आक्रमण कर	আক্ৰমণ কৰ	आक्रमण कर
नाम ले	নাম ল	नाम ल (अ)
संतुष्ट कर	সন্তুষ্ট কৰ	संतुष्ट कर
अर्पण कर	অৰ্পণ কৰ	अर्पण कर
शासन कर	শাসন কৰ	शासन कर
पुनरुद्धार कर	পুনৰুদ্ধাৰ কৰ	पुनरुद्धार कर
नया कर	ন কৰ, নতুন কৰ	न कर, नतुन कर
अस्वीकार करना	অস্বীকাৰ,কৰ আসৈমাত	अस्वीकार कर, आसैमात
अनुताप कर	অনুতাপ কৰ	अनुताप कर
बयान कर	বৰ্ণনা দে	वर्णना दे
त्याग दे	ত্যাগ কৰ	त्याग कर
यकीन दिला	বিশ্বাস দে, কথা দে	विश्वास दे, कथा दे
बदला ले	প্ৰতিশোধ ল	प्रतिशोध ल
सीमित कर	সীমাবদ্ধ কৰ	सीमावद्ध कर
उत्तर दे	উত্তৰ দে	उत्तर दे
सम्मान कर	সন্মান দেখুৱা	सन्मान देखुवा
प्रतिज्ञा कर	প্ৰতিজ্ঞা কৰ	प्रतिज्ञा कर
दमन कर	দমন কৰ	दमन कर
मरम्मत कर	মেৰামতি কৰ	मेरामति कर
उत्पन्न कर	উৎপন্ন কৰ	उत्पन्न कर
खून बह	তেজ বো	तेज बो
आज्ञा दे	আজ্ঞা দে, আদেশ দে	आज्ञा दे, आदेश दे
अर्थ कर	অৰ্থ কৰ,	अर्थ कर
प्रमाण दे	প্ৰমাণ দে	प्रमाण दे
प्रमाणित कर	প্ৰমাণিত কৰ,	प्रमाणित कर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
मना कर	বাধা দে,	बाधा दे
खड़ा हो	ঠিয় হ	ठिय ह
भूखा मार	ভোকত মাৰ, শুকাই মাৰ	भोकत मार, शुकाई मार
खर्च कर	খৰছ কৰ	खरछ कर
कोशिश कर / चेष्टा कर	চেষ্টা কৰ, যত্ন কৰ	चेष्टा कर, य(ज)त्न कर
अपराध कर	অপৰাধ কৰ	अपराध कर
चोट कर	আঘাত কৰ	आघात कर
गाली दे	গালী দে, গালী পাৰ	गाली दे, गाली पार
वापस कर	ঘূৰাই দে	घूराइ दे
जमा कर	জমা কৰ	जमा कर
मुअत्तल कर	বৰখাস্ত কৰ (সাময়িক ভাবে)	बरखास्त कर (सामयिक भावे)
उन्नति कर	উন্নতি কৰ	उन्नति कर
वायदा कर	কথা দে, প্ৰতিজ্ঞা কৰ	कथादे, प्रतिज्ञाकर

क्रिया विशेषण, अव्यय और कारक बोधक शब्द

(ক্ৰিয়া বিশেষণ অব্যয় আৰু কাৰক দ্যোতক শব্দ)

प्रायः, करीब	প্ৰায়	प्राय
ऊपर	ওপৰত	ओपरत
अधिक, ज्यादा	অধিক, বেছি	अधिक, बेछि
अनुसार, तरह	মতে, অনুসাৰে	मते, अनुसारे
पीछे, पश्चात्	পাছত	पाछत
फिर	আকৌ	आकौ
पुनः	পুনৰ	पुनर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरोंमें
बार बार	বাৰে বাৰে	बारे बारे
विपक्ष, प्रतिपक्ष, विरुद्ध	বিপক্ষে	विपक्षे
अकेला	অকলে	अकले
यद्यपि,	যদিও	यदिओ
इत्यवसरे, इस बीचमें	ইতিমধ্যে	इतिमध्ये
सदा, रोज	সদায়	सदाय
अंदर	ভিতৰত	भितरत
और	আৰু	आरु
जैसे तैसे	যেনে তেনে	ये(जे)ने तेने
जहाँ तहाँ	য'তে ত'তে	य'(ज')ते त'ते
चारों तरफ	চাৰিওফালে	चारिओफाले
अभी	এতিয়াও	एतियाओ
पहले	প্ৰথমে / প্ৰথমতে	प्रथमे / प्रथमते
अंतमें	অৱশেষত	अवशेषत
तुरंत	তৎক্ষণাৎ	तत्क्षणात्
उसी जगह	থিতাতে	थिताते
वर्तमान	বৰ্ত্তমান	बर्तमान
कारण	কাৰণ	कारण
लिये	কাৰণে	कारण
पहले, आगे (समय)	আগেয়ে	आगेये
पहले	আগত	आगत
पीछे	পাচত	पाचत
नीचे	তলত	तलत
बगलमें	কাষত	काषत
अलावा, अतिरिक्त	উপৰিও	उपरिओ
बीचमें	মাজত	माजत

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
लेकिन, किन्तु	কিন্তু	किन्तु
द्वारा	দ্বাৰা	द्वारा
सावधानीसे	সাৱধানে	सावधाने
बीच बीचमें	মাজে মাজে	माजे माजे
	মাজে সময়ে	माजे समये
एकदम	একেবাৰে	एकेबारे
रोज, सदा	নিতৌ	नितौ
दिन ब दिन	দিনক দিনে	दिनक दिने
नीचे	তললৈ	तललै
ठीक तरह	ঠিকমতে	ठिकमते
समयानुसार	সময়মতে	समयमते
जल्दी	সোনকালে	सोनकाले
या, अथवा	বা, অথবা	वा, अथबा
आसानीसे,, अनायास	সহজে, অনায়াসে	सहजे, अनायासे
विशेषकर, खासकर	বিশেষকৈ	बिशेषकै
इत्यादि	ইত্যাদি	इत्यादि
यहांतक कि	আনকি	आनकि
अलावा, अतिरिक्त, सिवाय	বাহিৰে	बाहिरे
दूरतक	দূৰলৈ, আঁতৰলৈ	दूरलै, आँतरलै
लिये	বাবে	बाबे
कारण	কিয়নো	कियनो
से	পৰা	परा
यहाँ	ইয়াত	इयात
किस तरह, कैसे	কেনেকৈ	केनेकै
जो भी हो	যি কি নহওক	यि कि नहओक
यदि	যদি	य (ज) दि
जल्दी, शीघ्र	শীঘ্ৰে	शीघ्रे

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
अवश्य	অৱশ্যে	अवश्ये
बदले	সলনি	सलनि
ठीक	ঠিক	ठिक
अभी	এতিয়াই	एतियाइ
गत	যোৱা	यो(ज)वा
शेष	শেষ	शेष
देरसे	পলমকৈ	पलमकै
	দেৰীকৈ	देरीकै
तरह	নিচিনা	निचिना
	দৰে	दरे
बहुत	বহুত	बहुत
नजदीक, समीप	ওচৰত	ओचरत
कभी	কেতিয়াও	केतियाओ
नहीं	নহয়	नहय
(होने) पर भी	সত্ত্বেও	सत्त्वेओ
अब	এতিয়া	एतिया
आजकल	আজিকালি	आजिकालि
प्राय	প্ৰায়ে	प्राये
केवल, मात्र, सिर्फ	কেৱল	केवल
	মাত্ৰ	मात्र
नहीं तो	নহলে	नहले
बाहर	বাহিৰত	बाहिरत
संभवतः, शायद	বোধহয়	बोधहय
	সম্ভৱতঃ	सम्भवतः
तेज, जल्दी	খৰকৈ	खरकै
	বেগাই	बेगाइ

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षरों में
सच	সচাকৈ	सचाकै
हालहीमें	অলপতে	अलपते
नियमानुसार	নিয়মমতে নিয়মীয়াকৈ	नियममते नियमीयाकै
चूंकि	যেহেতু	ये(जे)हेतु
धीरे धीरे	লাহে লাহে	लाहे लाहे
उसीतरह, वैसे	সেইদৰে	सेइदरे
इस तरह, ऐसे	এনেদৰে	एनेदरे
कभी	কেতিয়াবা	केतियाबा
कहीं	ক'ৰবাত	क'रबात
हठात्	হঠাৎ	हठात्
तथापि	তথাপি তত্ৰাচ	तथापि तत्राच
कि	যে	ये (जे)
तब, इसीलिए	তেনেহলে	तेनेहले
वहां	তাত	तात
इसीलिए	সেই কাৰণে সেই বাবে	सेइ कारणे सेइ बाबे
बीच	মাজেদি	माजेदि
तक, पर्यन्त	পর্য্যন্ত	पर्य्य(र्ज्य)न्त
तक	লৈ	लै
तरफ	ফালে	फाले
एकसाथ	একেলগে	एकेलगे
साधारणतः	সাধাৰণতঃ সাধাৰণতে	साधारणतः साधारणते
बड़ा	বৰ	बर

हिन्दी शब्द	असमीया शब्द	हिन्दी अक्षर में
कब	কেতিয়া	केतिया
जब	যেতিয়া	ये(जे)तिया
कहाँ	ক'ত	क'त
जहाँ	য'ত	य'(ज')त
क्यों	কিয় কেলেই	किय केलेइ
साथ	সৈতে লগত	सैते, लगत
हाँ	হয়	हय
हालांकि	অথচ	अथच
अदंर	ভিতৰত	भितरत

व्याकरण संबंधी सामान्य बातें

वचन

1. हिन्दी भाषाकी तरह असमीयामें भी वचन दो प्रकारके हैं एक वचन संज्ञा शब्द ही उस जाति अथवा उस वर्गके अर्थमें होता है।

গৰুৰ গাখীৰ = गाय का दूध [গৰু (एक वचन) + ৰ (संबंध कारक का चिह्न - षष्ठी विभक्ति] ফুলনি খন ল'ৰাৰ কাৰণে यह बगीचा बच्चों के लिये है [ল'ৰা (एक वचन) + ৰ (संबंध कारक]

2. असमीया संज्ञा शब्दों का बहुवचनांत रूप नहीं होता। कुछ प्रत्यय जोड़कर ही बहुवचन बनाया जाता है।

एक वचन— মানুহটো = आदमी

बहुवचन — মানুহবিলাক = आदमी (बहु वचन) টো एक वचन निर्देशक प्रत्यय है। টো जैसे एक वचन निर्देशक प्रत्यय अनेक हैं।

एक वचन निर्देशक प्रत्यय के पर्यायवाची बहु वचन निर्देशक प्रत्यय भी हमें मिलते हैं।

3. **"क" स्तरके** मध्यम पुरुषके बहु वचन में और अन्य पुरुष शब्दों के साथ "और दूसरे लोग" के अर्थमें হঁত (हँत) प्रत्यय जोड़ा जाता है। ৰামহঁত [रामहँत] = राम और दूसरे लोग। সিহঁত (सिहँत) = वह और दूसरे लोग = वे।

4. सिर्फ कुछ व्यक्तिवाचक सर्वनामों का नियमित (Regular) बहुवचन रूप मिलता है।

5. हिन्दी "दोनों" की तरह "দুয়ো" का प्रयोग होता है। राम और यदु दोनों आये थे = ৰাম আৰু যদু দুয়ো আহিছিল।

एकवचन निर्देशक प्रत्यय

1. असमीया भाषाके संज्ञा शब्दों के साथ एकवचन निर्देश करने के लिये कुछ प्रत्यय जोड़े जाते हैं जिन्हें एकवचन निर्देशक प्रत्यय कहा जा सकता है। लिंगानुसार इन प्रत्ययों का परिवर्तन होता है।

2. उदाहरण :—

एक वचन	बहु वचन
सम्मान्य व्यक्ति के (पुं) साथ	কিজন या কেইজন
জন प्रत्यय :— মানুহ জন (आदमी)	মানুহ কিজন (आदमी-बहु वचन)
গৰাকী अधिकतर सम्मानीय व्यक्ति के साथ (पुं तथा स्त्री)	কিগৰাকী या কেইগৰাকী या সকল
মহিলাগৰাকী—भद्रमहिला	
জনী स्त्रीलिंग या पशुओं के साथ	কিজনী या কেইজনী
ছোৱালীজনী = लड़की	
দাল लम्बी चीजों के साथ	কিদাল, কেইদাল, বিলাক, বোৰ।
ৰছীদাল—रस्सी	

सपाट चीजों के साथ "খন"	কিখন, কেইখন, বিলাক
কাপোৰখন = कपड़ा	
साधारण आदमी, पशु अथवा वस्तुके साथ টো	কিটা, কেইটা, বিলাক বোৰ और पशुओं के साथ জাক।
চাকৰটো = नौकर	

3. विभक्ति निर्देशक प्रत्यय के बाद जोड़ी जाती है। মানুহৰ (आदमीका) মানুহটোৰ (आदमीका), 'ৰ' संबंध कारक का चिह्न है।

4. कुछ प्रत्यय ऐसे हैं जो सिर्फ किसी एक विशेष वस्तु के साथ ही प्रयोग होते हैं जैसे - ফুল পাহ (फुलपाह) फूल (निर्दिष्ट)। টো के बदले টি का प्रयोग 'बहुत प्यारा' अर्थमें होता है।

5. एक आदि अर्थ निर्दिष्ट करने के लिये वस्तुके स्वभाव और प्रकृतिके अनुसार कुछ प्रत्ययों का प्रयोग किया जाता है। ऊपरोल्लिखित प्रत्ययों के (খন, জন) आगे এ (ए) संयुक्त कर ये प्रत्यय बनते है। सपाट चीजो के साथ व्यवहार में—এ + খন = এখন = (एखन) = एक। साधारणतः निर्देशक वस्तुके पहले ये प्रत्यय जोड़े जाते है।

6. उदाहरण :—এখন কাপোৰ = एक कपड़ा, এজনী মানুহ = एक औरत, এপাহ ফুল = एक फूल।

7. এটা [एक] (सामान्य मनुष्य अथवा वस्तुके अर्थ में) টো से अनियमित रूपसे निकला है। 'प्यारा' अर्थमें 'এটি' का प्रयोग होता है।

ठीक उसी तरह দুজন, দুটা, দুখন, দুপাহ आदि दो एकक के अर्थ में व्यवहार होते हैं। दो দুই। हम दो आदमी के लिये कह सकते है— দুইজন মানুহ या দুজন মানুহ लेकिन দুই মানুহ नहीं कह सकते। इस तरह के अर्थों में आवश्यकतानुसार उपयुक्त

निर्देशक प्रत्यय जोड़े जाते है। जैसे :– तीन आदमी – তিনিজন মানুহ। चार लड़के = চাৰিটি ল'ৰা।

9. एक निर्देशक प्रत्यय निर्देशक शब्द के बाद भी प्रयुक्त हो सकता है। এজন মানুহ = মানুহ এজন (एक आदमी)। कारक चिह्न द्वितीय शब्दों (Latter member) के बाद जोड़ा जाता है। एक आदमी की दो किताबें = এজন মানুহৰ দুখন কিতাপ या মানুহ এজনৰ দুখন কিতাপ।

लिंग

1. व्याकरण की उपयोगिता की दृष्टि से असमीया भाषा में दो लिंग माने जाते हैं—पुंलिंग और स्त्रीलिंग। कुछ संज्ञा और सर्वनामों के विशेषण शब्द का रूप स्त्रीलिंगमें बदल जाता है।

2. स्त्रीलिंग अथवा नपुंसक लिंग के शब्दों के धातु रूप या शब्द रूप बनाने का कोई विशेष नियम नहीं है।

3. अन्य पुरुषके সি (वह) और ই शब्द का ही स्त्रीलिंगमें पर्य्यायवाची अलग शब्द है। সি = वह (पुं)—তাই (वह—स्त्री) ই (वह) = এই (वह—स्त्री)

4. पुंलिगके संज्ञा और विशेषण शब्दोंके साथ कुछ प्रत्यय जोड़ कर स्त्रीलिंग रूप बनाया जाता है।

प्रत्यय = আ (आ) = প্ৰিয়তম + আ = প্ৰিয়তমা (प्रियतमा)
ই পাগল + ই = পাগলী (पगली)
সুন্দৰ + ই = সুন্দৰী (सुंदरी)
ঞনী या নী = চাকৰ + অনী = চকৰনী (नौकरानी)

पुंलिंग शब्दों के अंतिम অক के बदले ইকা =
নায়ক + নায় + ইকা = নায়িকা (नायिका)

इसी तरह पাঠক = পাঠিকা (पाठिका)
গায়ক = গায়িকা (गायिका)
লেখক = লেখিকা (लेखिका)

5. মতা (पुंलिंगमें) और মাইকী (स्त्रीलिंगमें) जोड़ कर भी लिंग निर्देश किया जाता है :— মতা মানুহ (पुं) = आदमी, মাইকী মানুহ = (स्त्री) औरत। केवल মানুহ शब्द के स्त्रीलिंगमें তিৰোতা शब्द काफी प्रयोग होता है। তিৰোতা का अर्थ पत्नी या एक स्त्री होता है। মতা কুকুৰা = मुर्गा, মাইকী কুকুৰা = मुर्गी।

6. एक वचन निर्देशक प्रत्यय के स्त्रीलिंग वाचक रूप से लिंग निर्देश होता है जैसे :— ছাগলীটো = बकरा, ছাগলীজনী = बकड़ी, এজন ছাত্ৰ = एक छात्र, এজনী ছাত্ৰী = एक छात्रा।

7. ই कारांत पुंलिंग शब्दमें ঈ प्रत्यय जोड़ कर स्त्रोलिंग बनाया जाता है :— সখি = बंधु (पुं), সখী + बांधवी (स्त्री) ৰান্ধনি = रसोइया (पुं), ৰান্ধনী = रसोइया (स्त्री)।

8. आत्मीय संबंध वाचक और दूसरे कुछ स्त्रीलिंग शब्द उपरोक्त प्रत्यय जोड़ने के नियम के अधीन नहीं है :—
[शब्दावली देखें]

पुं	स्त्री
ল'ৰা = लड़का	ছোৱালী = लड़की
ভাই = भाई	ভনী = बहन
ৰজা = राजा	ৰাণী = रानी

विशेषण

1. संज्ञा शब्द के कारक अथवा वचनोंके अनुसार उसके विशेषण शब्द का रूप बनता है।

2. साहित्यिक व्यवहार में स्त्रींसंज्ञा के कुछ विशेषण पद का स्त्रीलिंग रूप बनता है।

3. कुछ विशेषणों का केवल संज्ञा के साथ ही प्रयोग होता है।

4. विशेषण का विशेषण :—বৰ, অতি, খুব, অত্যন্ত, ভীষণ, आदिका बड़ा और बहुत अर्थ में विशेषण के पहले प्रयोग होता है। নিচেই, একেবাৰে, তেনেই इत्यादि 'नितान्त' अर्थमें विशेषण पदके पूर्व जोड़े जाते हैं। অলপ थोड़ासा अर्थ में, বেছি—'ज्यादा' अर्थमें বহুত—'बहुत' अर्थमें, আটাইতকৈ 'सबसे' या 'सबमें' अर्थमें विशेषण पद के पहले व्यवहृत होते हैं।

বৰ বহল—बड़ा चौड़ा, খুব দীঘল—बहुत लंबा, নিচেই সৰু—नितांत छोटा, অলপ ওখ—थोड़ा ऊंचा, বেছি বুদ্ধিমতী—ज्यादा होशियार (स्त्री), ঘৰটো বৰ ডাঙৰ—घर (वह) बहुत बड़ा है। লতা আটাইতকৈ ধুনীয়া ছোৱালী—लता सबसे सुन्दरी लड़की है।

कारक

1. हिन्दी की तरह असमीयामें भी आठ कारक माने जाते है—कर्त्ता, कर्म, करण, संप्रदान, अपादान, संबंध, अधिकरण और संबोधन। विभक्ति जोड़कर (शब्दरूप) कारक बनाया जाता है जिन्हें प्रथमा विभक्ति, द्वितीया विभक्ति आदि कहते हैं।

2. कर्मवाच्यके कर्ममें किसी विभक्तिका योग नहीं होता। कर्त्तामें ही तृतीया विभक्ति का चिह्न जोड़ा जाता है। यहाँ सिर्फ कर्तृवाच्यकी चर्चा ही की जायगी।

3. कर्त्तृवाच्यमें अकर्मक क्रिया के कर्त्ता में (संज्ञा या सर्वनाम) विभक्ति जोड़ी नहीं जाती।

यहाँ एक दूकान है—ইয়াত এখন দোকান আছে।
मां गयी—আই গ'ল।

कर्त्ता कारक : प्रथमा विभक्ति

1. सकर्मक क्रिया के कर्त्तामें नीचे लिखे अनुसार विभक्ति जोड़ी जाती है—

संज्ञा अथवा सर्वनाम शब्द (कर्त्ताके) अंत्याक्षर	विभक्ति होती है	जैसे
व्यंजन वर्ण-होने पर	এ	শিক্ষক + এ = শিক্ষকে (शिक्षकने)
		সিহঁত+এ=সিহঁতে (वे)
অ ,,	ই	শিৱ(অ) + ই = শিৱই (शिवजीने)
আ, এ ,,	ই	মা + ই = মাই (माँ)
ই, ঈ, ঋ ,,	য়ে	নদী + য়ে = নদীয়ে (नदीने)
উ, ঊ, ও, ঔ ,,	ৰে	যীচু + ৰে = যীচুৰে (यीशुने)

कर्मकारक : द्वितीया विभक्ति

1. सभी व्यक्तिवाचक सर्वनाम और दूसरे कुछ शब्दों के अंत में मूल रूप का सामान्य परिवर्तन के बाद क [स्वरके बाद] और অক, [व्यंजनके बाद] विभक्ति जोड़ी जाती है। प्रथमा विभक्ति को छोड़ कर अन्य विभक्तियाँ सर्वनामों के विकृत रूपों के साथ ही जोड़ी जाती है। [सर्वनाम देखें]

2. कर्मकारक के दूसरे सर्वनाम और संज्ञा शब्दों के साथ क, —অক— का व्यवहार अनियमित है। চাকৰক মাত=नौकर को बुलाओ ; लेकिन সি কাম কৰিছে=वह काम करता है। यहां काম के साथ विभक्ति नहीं लगी है। व्यक्ति, जन्तु और व्यक्तिबोधक सर्वनाम के साथ प्राय: यह विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. नमस्कार और धन्यवाद देनेमें जिसे दिया जाता है उस शब्द के अंतमें द्वितीया विभक्ति जोड़ी जाती है :—

ঈশ্বৰক নমস্কাৰ— ईश्वरको प्रणाम,

অথবা ধন্যবাদ— या धन्यवाद।

संबध कारक : षष्ठी विभक्ति

1. सभी संज्ञा और सर्वनामों (विकृत रूप) के साथ संबंध कारकमें —ৰ (स्वरांत होने पर) और – অৰ (व्यंजनांत शब्दों में) का प्रयोग होता है। অসম + অৰ অসমৰ জলবায়ু = असमकी आबोहवा, এপ্ৰিল + অৰ = এপ্ৰিলৰ প্ৰথম দিন = अप्रैलका पहला दिन। কনী + ৰ = কনীৰ আঞ্জা = अंडेका सूप। [यहां यह उल्लेख कर देना आवश्यक है कि हिन्दी की 'का, के, की' तरह लिंगानुसार असमीया विभक्ति का रूप नहीं बनता। सभी लिंगोंमें विभक्ति चिह्न एकसे ही रहते हैं]

2. विशेषण शब्दों के साथ भी षष्ठि विभक्ति का चिह्न जोड़ा जाता है :— মৰম (प्यार), মৰমৰ (प्यारा), দুখ (दुःख) দুখ + ৰ দিন (दुखका दिन), সুখ (सुख) সুখ + ৰ দিন (सुखका दिन। পঢ়া (पढ़ना) পঢ়া + ৰ সময় (पढ़नेका समय)।

3. दिक् वाचक कुछ अव्यय और दूसरे शब्दों (शब्दावली देखे) के व्यवहारमें भी षष्ठी विभक्ति-ৰ का (इसके पूर्ववर्ती शब्दमें) प्रयोग होता है।

तेजपुर ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तरफ है—তেজপুৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰ + ৰ উত্তৰে

फर्शपर, आंगन पर— চোতাল + ৰ ওপৰত

घरके पास—ঘৰ + ৰ ওচৰত

अधिकरणकारक : सप्तमी विभक्ति

1. अधिकरण कारकमें संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपों में – ত (स्वरांत शब्दोंमें)—অ'ত (व्यजनान्त शब्दोंमें) विभक्ति जोड़ी जाती है।

2. कालवाचक संज्ञा अथवा सर्वनामके साथ विभक्ति जोड़ी नहीं जाती।

মই পুৱা আহিম = मैं सवेरे आऊंगा। তুমি কেতিয়া আহিবা = तुम कब आओगे? তুমি আজি আহিবা = तुम आज आओगे।

3. कुछ शब्दोंके साथ—ত और—অত के बदले—এ प्रयुक्त होता है—बारों के नाममें – দেওবাৰে (দেওবাৰ + এ) रविबार को বুধবাৰে (बुधबारमें—को), दिशाबोधक—উত্তৰে—(उत्तरमें) পূবে = पूर्वमें, मुहावरों और वाक्यांशमें—ঘৰে ঘৰে = (घर घरमें) দেশে বিদেশে—(देश विदेश में)।

4 दिन शब्दके साथ অত या আ युक्त होता है। दूसरे दिन—দ্বিতীয় দিনত, দ্বিতীয় দিনা। किस दिन—কোন দিনা?

करण कारक : तृतीया विभक्ति

1. तृतीया विभक्ति = षष्ठी विभक्ति + দ্বাৰা।

2, कर्मवाच्य के कर्त्तामें तृतीया विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. काम करने के लिये जिस चीजका व्यवहार किया जाता है उस शब्दमें—ৰে (स्वरांत शब्दोंमें) और এৰে—(व्यंजनांत शब्दों में) योग होता है—মুখ + এৰে = মুখেৰে কৈছে – मुँहसे बोला। কটাৰী + ৰে = কটাৰীৰে কাটিছে = चाकूसे काटा।

संप्रदान कारक : चतुर्थी विभक्ति

1. असमीया में को, लिये, के अर्थ में चतुर्थी विभक्ति का प्रयोग होता है।

2. संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपोंमें संप्रदान कारकमें —लै (स्वरांत शब्दोंमें) और—अलै (व्यंजनांत शब्दोंमें) विभक्ति जोड़ी जाती है।

अतिथियों के लिये चाय बनाओ —আলহীলৈ চাহ কৰা।

पिताजो बाजार (को) गये —দেউতা বজাৰলৈ গল।

अपादान कारक —पंचमी विभक्ति

1. हिन्दीके "से" "मेंसे" आदि अर्थोंमें पंचमी विभक्ति जोड़ी जाती है।

2. पंचमी विभक्ति = षष्ठी विभक्ति + পৰা। अतः संज्ञा और सर्वनाम के विकृत रूपोंके साथ ৰ পৰা (स्वरांत शब्दोंमें) और অৰ পৰা (व्यंजनांत शब्दोंमें) विभक्ति जोड़ी जाती है।

3. घरसे = ঘৰৰ পৰা, पृथ्वीसे—পৃথিবীৰ পৰা। दूध (में) से मक्खन निकाला जाता है = গাখীৰৰ পৰা মাখন কৰা হয়।

संबोधन कारक— अष्टमी विभक्ति

1. संबोधन कारक में कर्त्ता का अविकृत रूप ही व्यवहार होता है। उसके पूर्व निम्नलिखित विस्मयादि बोधक अव्यय जोड़कर संबोधन कारक बनाया जाता है।

হে (देवता ईश्वर आदि के लिये) হেৰি (सम्मान्य व्यक्ति के लिए) হেৰা (समवयस्क और दोस्तों के लिए), হেৰ (छोटों के लिए) এ, এই (अनादर —उपेक्षणीय व्यक्ति के लिये)

सर्वनाम

उत्तम पुरुष

1. पुरुष वाचक सर्वनाम :—

कारक	एकवचन	विकृतरूप	बहुवचन	विकृतरूप
कर्त्ता (विभक्ति रहित)	মই— मैं	মো—	আমি=हम	আমা—
कर्म	মো-ক		আমা-ক	
करण	মো-ৰে মোৰ দ্বাৰা		আমা-ৰে আমা-ৰ দ্বাৰা	
संप्रदान	মো-লৈ		আমা লৈ	
अपादान	মো-ৰ পৰা		আমা-ৰ পৰা	
सम्बन्ध	মো-ৰ		আমা-ৰ	
अधिकरण	মো-ত		আমা-ত	

मध्यम पुरुष

2. (क) তই (तू) हिन्दी की तरह कम उम्रवाले अथवा निम्नतर श्रेणी के लिये प्रयोग किया जाता है। यहां इसे मध्यम पुरुष के "क स्तर" का सर्वनाम कहा जायगा।

(ख) তুমি (तुम) हिन्दी तुम की तरह ही असमीया में इसका प्रयोग होता है। यहां इसे मध्यम पुरुष के "ख स्तर" का सर्वनाम कहा जायगा।

(ग) আপুনি (आप)। हिन्दी "आप" की तरह असमीया আপুনি भी (1) अपने से बड़े दरजेवाले मनुष्य के लिये (2) बराबरवाले और अपने से कुछ छोटे दरजे के मनुष्य के लिये (3) आदर सूचक आदि अर्थ में प्रयोग होता है। हम यहां उसे मध्यम पुरुषके "ग स्तर" का सर्वनाम कहेंगे। अब निम्नलिखित शब्द रूपों को देखें।

स्तर	वचन	अविकृत रूप कर्ता कारक	विकृत रूप	अन्य कारकों में (क्रमशः २,३,४,५ ६ ७ वीं
क	एक वचन	তই	তো	তোক, তোৰদ্বাৰা, তোলৈ, তোৰপৰা, তোৰ, তোত
क	बहु वचन	তহঁত	×	তহঁতক, তহঁতৰ দ্বাৰা, তহঁতলৈ इत्यादि
ख	एक वचन	তুমি	তোমা	তোমাক, তোমাৰ দ্বাৰা, তোমালৈ इत्यादि
ख	बहु वचन	তোমালোক	×	তোমালোকক, তোমা-লোকৰ দ্বাৰা, তোমালোকলৈ इत्यादि
ग	एक वचन	আপুনি	আপোনা	আপোনাক, আপোনাৰ দ্বাৰা, আপোনালৈ इत्यादि
ग	बहु वचन	আপোনা-লোক	×	আপোনালোকক इत्यादि

अन्य पुरुष

3. (अ) अन्य पुरुष "क स्तर" সি (তই के अनुरूप)
(आ) अन्य पुरुष "ख स्तर" তেওঁ (তুমি के अनुरूप)
(इ) अन्य पुरुप "ग स्तर" তেখেত (আপুনি के अनुरूप)

स्तर	वचन	अविकृत रूप	विकृत रूप।	कारक २, ३, ४, ५, ६, ७, विभक्ति रूप
क	एक वचन	সি	তা	তাক, তাৰ দ্বাৰা, তালৈ इत्यादि
क	बहु वचन	তহঁত	×	তহঁতক इत्यादि
ख	एक वचन	তেওঁ	×	তেওঁক, তেওঁৰ দ্বাৰা इत्यादि
ख	बहु वचन	তেওঁলোকে	×	তেওঁলোকক इत्यादि
ग	एक वचन	তেখেত	×	তেখেতক इत्यादि
ग	बहु वचन	তেখেতসকল	×	তেখেত সকলক इत्यादि

'সি' के अनुरूप स्त्रीलिंग "তাই" है।

4. पुरुष वाचक अन्य पुरुष व्यक्ति के अलावा अन्य वस्तुओं के लिये व्यवहृत—

व्यक्ति के अलावा दूसरे वस्तुबोधक अन्य पुरुष :—
সেই (सेइ) उस—সেইদিনা মই আহিছিলো—उसदिन मैं आया था। সেই में ही आवश्यकतानुसार वचन निर्देशक प्रत्यय लगाकर সেই জন, সেই খন, সেই বিলাক आदि बनते हैं।

5. **निश्चयवाचक सर्वनाम** :— निकट बोधक निश्चय वाचक **"क स्तर"**—एक वचन ই (पुलिंग) এই स्त्रीं (यह)। ই का विकृत रूप "ইয়া" होता है। अतः इसके एकवचनमें ইয়াক, ইয়াৰ आदि रूप होते हैं। ই और এই का बहु वचन = ইহঁত।
"ख स्तर"—এওঁ (एक वचन) এওঁলোক (बहु वचन)

"ग स्तर"—এখেত (एक वचन) এখেত সকল (वहु वचन) निकट बोधक सर्वनामोंके साथ उपयुक्त वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़कर এইখন, এইজন, এইজনী, এইবিলাক, এই সকল এইবোৰ (यें) आदि बनते हैं।

6. दूरत्व बोधक निश्चयवाचक! वह 'वह' के साथ उपयुक्त एकवचन निर्देशक प्रत्यय जोड़कर সেই शब्द का प्रयोग किया जाता है। সেই या সেইটো का अर्थ साधारणतः 'वह' ही है। সেই চোৱা, বঙা বেলি—वह देखो रक्तिम सूर्य সেইখন, সেইটো (एक वचन) সেইকিখন, সেইকটা, সেই বিলাক वे।

7. संबंध वाचक सर्वनाम :— যি=जो

যি (जि)=जो एकवचन, যি সকল, যিবিলাক=वहुवचन। इसका विकृत रुप="या" (जा) है। अतः যাক যাৰ इत्यादि रूप होते है। যি के साथ भी वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ा जाता है। যি का दूसरा एक विकृत रुप যি अतः যিহক, যিহৰ इत्यादि যি का रूपांतरित कर्त्ता कारक का रूप যেয়ে=(ये (जे)ये है।

8 प्रश्नवाचक सर्वनाम :—

কোন—कौन—रूपान्तरित कर्ताकारक का रूप—কোনে—विकृत रूप—কা। उपयुक्त वचन निर्देशक प्रत्यय इस के साथ भी जोड़ा जा सकता है।

কি—क्या—रूपांतरित कर्त्ताकारक का रूप—কিহে, विकृत रूप—কিহ? उपयुक्त एक वचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ा जा सकता है। स्थान के अर्थमें কি का विकृत रूप ক होता है। इसी तरह কলৈ (कहां) কৰপৰা (कहांसे) ক'ত (कहां)

কেনেকুৱা (किस तरह) কেলেই (क्यों) কাহানি (कब) आदि का भी प्रश्नवाचक अर्थ में बहुतायतसे प्रयोग होता है।

9. अनिश्चयवाचक सर्वनाम :—

কোনো, কোনোবা—कोई; विकृत रूप কাৰ होता है। কোনোবা से भी रूप बनता है। रूपांतरित कर्त्ताकारक का रूप—কোনোৱে কোনোবাই।

কিবা—कुछ, रूपांतरित कर्त्ताकारक—কিবাই, কিহবাই। शब्द रूप बनाने का मूल रूप—কিবা, কিহবা। अतः কিবাৰ, কিবাৰ পৰা, কিহবাৰ পৰা।

কৰবাত—(कहीं) কৰবাৰ, কেতিয়াবা—कभी।

একো—कुछ भी—(नकारात्मक अर्थ में प्रयोग होता है।)

10. निजवाचक सर्वनाम :—

নিজ—(अपना) एक विशेषण पद है। उपयुक्त विभक्ति जोड़ कर इसे ही निजवाचक सर्वनाम के रूपमें व्यवहार किया जाता है।

कर्ता—নিজ—ए(खुद) মই নিজে—मैं खुद, আমি নিজে—हम खुद। নিজক, নিজৰ इत्यादि।

कभी कभी कर्त्ता कारकमें निज शब्द को द्वित्व करके प्रयोग किया जाता है।

11. संयुक्त सर्वनाम :—

আন কোনোবা—दूसरा कोई কিবা নহয় কিবা—कुछ न कुछ যি কোনো—जो कुछ।

12. सर्वनामीय विशेषण और क्रिया विशेषण

এই=यह, এয়া—यह, ইমান—इतना, এনে, এনেকুৱা—इस तरह, সেয়া—वह, সিমান—उतना, তেনেকুৱা—उस तरह, যিমান—जितना যেনে, যেনেকুৱা—जिस तरह, जैसा, কেইটা, কেইজন (एकवचन निर्देशक प्रत्यय जोड़ कर—টো के अलावा)—कितना, কিছু, কিছুমান—कुछ, তেতিয়া—तब, এতিয়া—अब, তেতিয়া—तब, যেতিয়া—जब, কেনেকৈ—कैसे, যেনেতেনে—जैसे तैसे, কেনেবাকৈ—किसी तरह, এইদৰে—इस तरह, সেইদৰে—उसी तरह।

क्रिया प्रकरण

1. कर्त्ता के पुरुष रूपों के अनुसार ही क्रियाएं बनती हैं।

2. विभिन्न कालोंके अलग अलग विधाओंमें क्रियाके अलग अलग रूप बनते हैं।

3. कर्मवाच्यमें क्रिया का एक अलग रूप बनता है—और यह रूप ही सभी कालों और पुरुषोंमें प्रयोग होता है। यहां केवल कर्तृवाच्य का ही धातु रूप दिखाया जायगा।

4. क्रियाके वचनमें कोई अंतर नहीं होता— एक ही रूप का एकवचन और बहुवचन दोनोंमें प्रयोग होता है। लेकिन उत्तम पुरुष की क्रियामें (बहुवचनमें) कभी कभी कमी ইঁক प्रत्यय का योग होता है :—

মই কৰো— मैं करता हूं, আমি কৰোঁ—हम करते हैं, আমি কৰোঁ. ইঁক—हम करते हैं।

5. क्रिया के मूल रूपको धातु कहते हैं। शब्दावलीमें इसकी एक सूची दी गयी है। धातुके साथ कालानुसार हम प्रत्यय जोड़ते हैं और तब पुरुषवाचक प्रत्यय (Personal terminations) जोड़ कर क्रिया का पूर्ण रूप बनता है। उदाहरण— धातु-কৰ+ই (भविष्यत् कालका प्रत्यय) + ম (उत्तम पुरुष का प्रत्यय)—কৰিম (करूँगा)। मध्यम पुरुष 'क स्तर' की अनुज्ञा क्रिया का रूपांतर नहीं होता। अतः इस तरह अनुज्ञा सूचक कथन से भी मूल धातु का पता लगाया जा सकता है।

1. पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के हैं :—1. उत्तम पुरुष, 2(क) मध्यम पुरुष अवज्ञा सूचक, 2(ख) मध्यम पुरुष सम्मानार्थ 2(ग) मध्यम पुरुष आदर सूचक और 3. अन्य पुरुष क, ख, ग स्तर के।

7. कुछ धातु स्वरांत होते हैं और कुछ व्यंजनान्त। এ कारांत धातु के "এ" को "ই"में परिवर्तित कर क्रिया के रूप बनाये जाते है।

धातु रूप

सामान्य वर्तमान काल

"मैं हूँ"-वर्गके यहाँ और प्रत्यय जोड़ा नहीं जाता। पुरुषवाचक प्रत्यय नीचे दिये जा रहे हैं।

1. उत्तम पुरुष, धातु + ওঁ—मैं हूँ—মই হওঁ, हम हैं—আমি হওঁ मैं देता हूँ—মই দিওঁ (দে धातु দি में परिवर्तित होता है)

2. 2क स्तर—प्रत्यय (i) व्यंजनांत धातु के बाद—আ (ii) অ, আ, ও के बाद—ৱ (iii) এ के बाद য় (ই में परिवर्तित होता है) তই হ+ৱ—তই হৱ—तू है।

3. 2ख स्तर प्रत्यय (i) व्यंजन के बाद—আ (ii) অ और আ के बाद—ওৱা (मूल धातु के अन्य स्वरों का लोप कर) (iii) এ के बाद য়া (ই में परिवर्तित होता है) (iv) ও के बाद—ৱা।

4. 2ग स्तर—(i) व्यंजन के बाद—এ (ii) অ और আ के बाद—য় (iii) ও के बाद -ৱে (iv) এ के बाद—য়ে (ই में परिवर्तित होता है) धातु "হ"—होना মই হওঁ,—मैं हूँ, আমি হওঁ—हम हैं, তই হয়—तू है, তুমি হোৱা—तुम हो, আপুনি হয়—आप हैं, সি (তেওঁ, তেখেত) হয়—वह है, সিহঁত (তেওঁলোক তেখেত সকল) হয়—वे हैं।

तात्कालिक वर्तमान

प्रत्यय—ইছ (आकारांत होनेपर ঐছ)

पुरुष वाचक प्रत्यय निम्न प्रकार हैं—

1, उत्तम पुरुष—धातु + ইছ + ওঁ, কৰ (करना) + ইছ + ওঁ= কৰিছোঁ—करता हूं। ল + ইছ + ওঁ = লৈছোঁ (लेता हूं)

नोट :— इस कालमें धातु के (i) अंतिम এ का लोप होता है (ii) धातुका अंतिम ও, উ होता है—धातु শো (सोना) + ইছ + ওঁ = শু + ইছ + শুইছোঁ—सोता हूं। (iii) धातुका सर्वप्रथम स्वर ও और अत्यक्षर व्यंजन होनेपर प्रथम ও উ में परिवर्तित होता है—धातु বোটল (उठा लेना)—बुटल + ইছ + ও = बुटलिছো—मैं उठा लेता हूं (बटोरता हूं)।

2. **क स्तर** धातु + ইছ + অ—उत्तम पुरुष का पूर्व उल्लिखित नोट यहां भी प्रयोज्य है। अतः তই কৈছ—तू कहता है, তই কৰিছ—तू करता है, তই শুইছ—तू सोता है, তহঁতে খুজিছ—तुमलोग मांगते हो [धातु খোজ]।

3. **ख स्तर**—धातु + ইছ + আ पहलेवाला नोट यहाँ भीप्रयोज्य है। তুমি দিছা—तुम देतेहो। তুমি লৈছা—तुम लेते हो।

4. **गस्तर**—धातु + ইছ + এ। **नोट**— यहां भी प्रयोज्य है। আপুনি লৈছে—आप लेते हैं। সিহঁতে (या সি) লৈছে—वे लेते हैं।

पूर्ण भूतकाल

तात्कालिक वर्तमान कालका नोट यहां भी प्रयोज्य है।

प्रत्यय :— ই ছিল—इसके बाद पुरुषवाचक प्रत्यय जोड़े जाते हैं।

1. उत्तमपुरुष—ও—মই কৰিছিলোঁ मैंने किया था
   থৈছিলোঁ मैंने रखा था।
2. 2क— ই— তই কৰিছিল तूने किया था
   তই পাইছিলি तूने पाया था।
3. 2ख— আ— তুমি দিছিলা तुमने दिया था।
   তুমি শুইছিলা तुम सोये थे।
4. 2ग—এ पुरुषवाचक (या प्रत्यय विहीन)—
   আপুনি আহিছিলে या আহিছিল आप आये थे।
   সি আহিছিল वह आया था।

सामान्य भविष्यत काल

पूर्वोक्त नोट यहाँ भी प्रयोज्य है।

प्रत्यय—ই-व्यजनांत धातुमें ही व्यवहृत होता है। पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के हैं।

1. उत्तम पुरुष—ম(অ)—মই কৰিম—मैं करूंगा।
   মই যাম—मैं जाऊँगा আমি দিম—हम देंगे
   (দে धातु দি होता है)
   মই ক'ম—मैं कहूँगा।
2. 2क स्तर = বি-তই কৰিবি—तू करेगा, তই পাবি—तू पायेगा
3. 2ख स्तर = বা-তুমি কৰিবা-तुम करोगे, তুমি যাবা-तुम जाओगे।
4. 2ग स्तर = ব—আপুনি কৰিব—आप करेंगे।
   আপুনি যাব—आप जायेंगे।

सामान्य भूत, आसन्न भूत

असमीया में इन्हें পুৰা ঘটিত বৰ্ত্তমান काल कहते हैं। पूर्वोक्त नोट यहां भो प्रयोज्य है। प्रत्यय—ই व्यंजनांत धातु में जोड़ा जाता है। पुरुषवाचक प्रत्यय निम्न प्रकार के है।

1. उत्तम पुरुष—লো—মই কৰিলো—मैंने किया (है)।
   মই পালো—मैंने पाया (है)।
   আমি ধুলো—हमने धोया (है)।
2. 2क स्तर—লি— তই কৰিলি—तूने किया (है)।
   তই পালি—तूने पाया (है)।
3. 2ख स्तर—লা—তুমি কৰিলা—तुमने किया (है)
   তুমি পালা—तुमने पाया (है)।
4. 2ग स्तर— লে—আপুনি কৰিলে—आपने पाया (है)।
   সি পালে—उसने किया (है)।
   তেওঁলোকে ললে—उन्होंने लिया (है)।

2य स्तर के संबंधमें नीचे की बातों को ध्यान से देखें :—

(i) धातु का अंतिम অ हमेशा অ' होता है।

(ii) अ कारांत अकर्मक धातु में सिर्फ-ল ही जोड़ा जाता है (पुरुष वाचक प्रत्यय के रूपमें)- धातु—হ (होना) আপুনি শকত হল। आप मोटे हुए।

(iii) अकर्मक মৰ धातु (व्यंजनांत) में भी सिर्फ काल योग होता है—সি মৰিল—वह मरा ।

प्रश्नबोधक वाक्य

1. निश्चयात्मक क्रिया (Assertive Verb) के बाद নে, জানো, নেকি इत्यादि शब्दांश जोड़ कर प्रश्नबोधक वाक्य बनाया जाता है।

निश्चयात्मक	प्रश्नबोधक
তেওঁ আহিব - वह आयेगा	তেওঁ আহিবনে ?- वह आयेगा क्या ?
তুমি তেওক দেখিছিলা—तुमने उसे देखा था।	তুমি তেওঁক দেখিছিলা জানো ?- क्या तुमने उसे देखा था ?
তেখেত আজি যাব-वे आज जायेंगे।	তেখেত আজি যাব নেকি ?— क्या वे आज जायेंगे ?

2. प्रश्नबोधक सर्वनाम शब्द जोड़कर भी प्रश्नबोधक वाक्य बनाये जाते हैं।

आप कहाँ जायेंगे ?	আপুনি ক'লৈ যাব ?
आपका नाम क्या है ?	আপোনাৰ নাম কি ?
उनका घर कहा है ?	তেওঁৰ ঘৰ ক'ত ?
लड़का क्यों हँसता हैं ?	লৰাটোৱে কিয় হাঁহিছে।

3. कथोपकथन करते समय ध्वनि (Voice) का परिवर्तन कर ही प्रश्नवोधक वाक्य बनाये जाते है। परिवर्तन के लिये

शब्दका अंतिम स्वर (Vowel) (जो प्रश्न का विषय है) का उच्चारण कुछ दीर्घ होता है—তুমি চাহ খাবা- तुम चाय पीओगे ? তুমি চাহ খাবা—আ (খাবা का আ का उच्चारण दीर्घ होगा) क्या आप चाय पीयेंगे ?

निषेधात्मक कथन

1. हाँ—হয়, नहीं—নহয় [धातु— হ हो] यह मेरा घर है—এইটো মোৰ ঘৰ (হয়)। यह मेरा घर नहीं हैं—এইটো মোৰ ঘৰ নহয়। निषेधात्मक कथन बनाने स्वीकारात्मक क्रियाके पूर्व 'न' का योग किया जाता है।

2. निश्चयात्मक क्रियामें पूर्व प्रत्यय योग करते समय—न के साथ निश्चयात्मक क्रिया के प्रथम स्वर का अनुरूप स्वर युक्त होता है।

তুমি হবা=तुम होओगे, তুমি নহবা=तुम नहीं होगे।
মই জানো=मैं जानता हूं, মই নাজানো=मैं नहीं जानता हूं।

नोट :— निश्चयात्मक क्रिया के प्रथम स्वर आ होने पर बैकल्पिक रूपसे न के साथ এ युक्त होता है।
মই নেজানো—मैं नहीं जानता।
তুমি ধুবা—तुम धोओगे, তুমি নুধুবা—तुम नहीं धोओगे।
আমি শোঁ—हम सोते है, আমি নোশোঁ—हम नहीं सोते है।
সি দেখিলে—उसने देखा, সি নেদেখিলে—उसने नहीं देखा।
মই কিয় দিম—मैं क्यों दूंगा ? মই কিয় নিদিম—मैं क्यों नहीं दूंगा ?

3. निश्चयात्मक क्रिया का प्रथम स्वर ঐ होने पर 'न' का অ स्वर लोप नहीं होता है।

তেওঁ গৈছিল—वह गया था ; তেওঁ নগৈছিল—वह नहीं गया था।

4. निश्चयात्मक क्रियाका पहला अक्षर स्वरवर्ण होने पर निषेधात्मक ন का অ लोप होता है।

আছিল—था, নাছিল—नहीं था।
তুমি আনিবা-तुम लाओगे ; তুমি নানিবা—तुम नहीं लाओगे।
তই উঠিবি—तू उठेगा, তই নুঠিবি—तू नहीं उठेगा।
তই ওলাবি—तू निकलेगा; তই নোলাবি—तू नहीं निकलेगा।

5. निम्नलिखित अनियमित निषेधात्मक क्रियाएँ हैं :—নাই—नहीं हैं। क्रिया का इस रूप तात्कालिक वर्तमान काल के सभी पुरुषों में व्यवहार होता है।

নোৱাৰ धातु (नहीं सकते हो) পাৰ (सकते हो) का प्रति रूप (counterpart) अनयमित निषेधात्मक शब्द है। পাৰ और নোৱাৰ प्राय: (असमापिका) क्रिया के धातु के साथ योग होता हैं।

তুমি যাব পাৰা—तुम जा सकते हो।
তুমি যাব নোৱাৰা—तुम जा नहीं सकते हो।

कर्मवाच्य में अन्य धातु के साथ निषेधात्मक अर्थ में নাই क्रिया का प्राय: योग होता है। মই পোৱা নাই—मुझे नहीं मिला (পোৱা धातु পা से बना है) আজি খবৰ কাগজ দিয়া নাই—आज समाचार पत्र नहीं दिया (খবৰ—समाचार ; কাগজ—पत्र) (দিয়া क्रिया দে धातु से बनी है।)

क्रिया विशेषण

1. साधारणत :-विशेषण के साथ কৈ योग दे कर क्रिया विशेषण बनते हैं—খৰ-तेज, খৰকৈ—तेजी से, বৰ—अति, बहुत, বৰকৈ—खूब मिহি—मुलायम : মিহিকৈ मुलायम से।

2. कुछ संज्ञा के साथ এৰে योग कर—

জোৰ—बल, जोर : জোৰেৰে—जोरसे
বেগ— वेग, चाल : বেগেৰে— चालसे
সুখ— सुख : সুখেৰে— सुखसे

3. 'এতে' और 'আই' योग कर—

বেগ—বেগতে, বেগাই—जोरसे, त्वरा

4. संज्ञा और विशेषण शब्दको এ के साथ दुहरा कर—

লাহ—विलास : লাহে লাহে—धीरे धीरे।
ধীৰে—धीमा : ধীৰে ধীৰে—धीरे धीरे।

5. संज्ञाके साथ এ योग कर। পলম—विलंब, गाड़ी देरसे आयेगी—গাড়ী পলমে আহিব। ক্রম—क्रम তুমি ক্রমে ওখ হবা—तुम क्रमशः ऊंचे होओगे।

6 क्रिया विशेषण हमेशा क्रिया के पूर्व लिखा जाता है।

अनुज्ञा वाक्य

1. 2 क स्तर प्रत्यय को छोड़कर सिर्फ मूलधातु को ही व्यवहार कीजिये।

2 2 ख स्तर—(i) व्यंजनान्त धातुके साथ-আ प्रत्यय योग कर। (ii) एकारान्त धातुके साथ য় (এ ই में परिवर्त्तित होकर) योगकर দিয়া—देना। (iii) स्वरांत अन्य धातु के साथ ওৱা योग कर-(मूल धातु का अंतिम स्तर लुप्त कर) লোৱা धातु ল (लेना)।

3. 2 ग स्तर-प्रत्यय-(1) আ कारान्त धातुके साथ ওক योगकर। धातु চা (देश) চাওক—((देखिये)। (ii) मूल धातु का अंतिम स्वर लुप्त कर धातुके साथ वैकल्पिक तौरपर—অক योगकर। আপুনি চাক—(आप देखिये) (iii) व्यंजनान्त धातुके साथ -অক योगकर আহক कृपया आइये (iv) অ के बाद ক या ওক योगकर—লক या লওক (लीजिये) (v) এ कारान्त धातुके बाद—য়ক (এ-ই में परिवर्तित हो जाता हैं) योग देकर (v) ও कारांत धातुके बाद-ৱক योग देकर—সি ধোৱক—उन्हें धोने दीजिये। শোৱক-उन्हें सोने दीजिये।

नोट :– अनुज्ञा रूपमें मूल धातु का अंतिम ও स्वर উ नहीं होता है। आदेश, सम्मति या अनुमति अर्थमें ही अनुज्ञा रूप व्यवहार होता है।

"चाहिये" और "नहीं चाहिये" के समानार्थी शब्द

'चाहिये' मूल क्रिया के साथ व्यवहृत एक सहायक क्रिया है।

1. असमीया में मूल क्रिया 2 ग स्तर के अनुज्ञा रूप में (अनुनासिक स्वरों को छोड़ कर) रखी जाती है, उसके बाद উচিত शब्द का योगकर औचित्यार्थ क्रिया बनायी जाती है। (উচিত एक विशेषण पद है—अर्थ ठीक)

तुम्हें कहना चाहिये—তুমি কোৱা উচিত।

2. 'नहीं चाहिये' इस शब्द को असमीयामें रूपांतरित करने के लिये নহয় शब्द উচিত के बाद जोड़ना पड़ता है या উচিত के बदले অনুচিত प्रयोग किया जाता है।

मुझे नहीं जाना चाहिये—মোৰ যোৱা উচিত নহয়
या মই যোৱা অনুচিত।

3. अथवा क्रिया 2 ग स्तर भविष्यत् काल के रूप के साथ "चाहिये" लिये পায় और "नहीं चाहिये" के लिये 'নাপায়' प्रयोग किया जाता है।

तुम्हें कहना चाहिये—তুমি কব পায়
तुम्हें कहना नहीं चाहिये—তুমি কব নাপায়।

'सकना' की समानार्थी क्रिया

1. सकना—পাৰ धातु
2. नहीं सकना—নোৱাৰ।

असमीया में मूल क्रियाको 2 ग स्तर भविष्यत् काल के रूप के अनुसार लेकर उसके साथ साधारण नियमानुसार পাৰ और নোৱাৰ सहायक क्रिया का रूप (पुरुषानुसार) मूल क्रिया के साथ योग दिया जाता है।

मैं कर सकता हूँ—মই কৰিব পাৰো।
वे कर सकते थे - তেওঁলোকে কৰিব পাৰিছিল।
क्या मैं इस किताबको ले सकता हूँ— মই কিতাপখন লব পাৰোনে ?

असमापिका क्रिया

1. 2ख स्तर की क्रियाके अनुज्ञा रूपसे अनुनासिक अंश बाद देने से ही क्रिया का असमापिका रूप मिल जाता है।

बजारमें मछली मिलना मुश्किल है—বজাৰত মাছ পোৱা টান।
(টান—मुश्किल, कठिन)
असमीया भाषा सीखना आसान है—অসমীয়া ভাষা শিকা সহজ।

2. 2ग स्तरके भविष्यत रूपमें লৈ प्रत्यय जोड़कर भी असमापिका क्रिया बनायी जाती हैं।

मैं उन्हें यह काम करने को कहा था—মই তেওঁক কামটো কৰিবলৈ কৈছোঁ।

होना क्रिया का समानार्थी क्रिया (होना – to have)

1. कर्त्ता को संबंध कारकमें (ষষ্ঠী विभक्ति) रखें। अतीत कालमें আছিল, वर्तमान कालमें আছে और भविष्यत् कालमें হব क्रियाका व्यवहार करना चाहिये। इच्छा और सम्मति के अर्थमें হওক और संभाव्य भूतमें থকা হলে प्रयोग किया जाता है। पुरुष के अनुसार इन क्रियाओंका रूप नहीं बदलता है।

मेरी एक कलम है—মোৰ এটা কলম আছে।
उसकी एक नौकरी थी—তাৰ এটা চাকৰি আছিল।

2. इसी तरह 'नहीं होना'के समानार्थी क्रियाएँ हैं—নাছিল, নাই, নাইবা নহওক और নথকা হলে (संभाव्य भूतमें)।

उनके पास हथियार नहीं था—তেওঁলোকৰ হাথীয়াৰ (বা সজুলি) নাছিল

अनियमित क्रियाएँ

1. भूतकाल और तात्कालिक वर्तमान कालके रूपांतर करने में या धातु (जा) का रूप 'গ' होता है और 'গ' के बाद ही प्रत्यय योग किये जाते हैं।

সি গল वह गया, মই গৈছোঁ—मैं गया।

আপুনি গৈছিল—आप गये थे।

2. ব'ল (चल्—मेरे साथ चल) धातु मध्यम पुरुष के अनुज्ञा अर्थमें ही व्यवहार होता हैं :—

আপুনি বলক (आप चलिये), তুমি ব'লা (तुम चलो), তই ব'ল (तू चल)।

3. নাই (नहीं) धातुका केवल वर्तमान कालमें ही प्रयोग होता है। और कभी कभी इसका रुपांतर नहीं होता!

মই ইয়াত নাই—मैं यहां नहीं हूं, সি ইয়াত নাই—वह यहां नहीं है।

4. আছ (हो) केवल वर्तमान और पूर्ण भूतकाल में प्रयोग होता है।

মই ইয়াত আছোঁ—मैं यहाँ हूं, তুমি তাত আছিলা—तुम यहां थे। असलमें আছ धातु থাক্ धातुका ही एक विकृत रूप है। और इसीलिए আছ धातुको 2 क अनुज्ञा क्रियाके रूपमें व्यवहार नहीं किया जा सकता।

अनियमित পায় (उचित) क्रिया के संबंधमें पहले ही बताया गया।

कर्मवाच्य

1. कर्मवाच्यमें मूल क्रिया को 2 ख स्तर के अनुज्ञा रूपमें रखा जाता है (अनुनासीकरण को छोड़ कर) और उसके साथ হ औ যা धातुके कालानुसार 2 ग स्तर का प्रत्यय जोड़ा जाता है। अच्छी चाय यहां मिला करती हैं—ভাল চাহ ইয়াত পোৱা হয় (যায়)

वहां किसी भी आदमीको देखा नहीं गया था—তাত কোনো মানুহ দেখা নগৈছিল [যা धातुसे নগৈছিল रूप]

2. 'कर्त्ता और कृत के संबंधवाचक व्याक्यांशमें साधारणतः হ और যা धातु योग किये बिना ही क्रियाका कर्मवाच्य रूप (मूल क्रिया का) व्यवहार होता हैं।

ৰামে কৰা কাম—रामसे किया गया काम [यहां হ या যা धातु की क्रिया व्यवहृत नहीं हुई।] इस तरह के व्याक्यांश का व्यवहार विशेषण की तरह (adjectival value) होता है।

आधी पढ़ी गयो किताब—আধা পঢ়া কিতাপ

नहीं गाया हुआ गीत—নোগোৱা গীত

आधी कही हुई कहानी—আধা কোৱা সাধু

3. कर्मवाच्य की व्यंजनांत धातु (मूलक्रिया) में ই प्रत्यय जोड़कर (হ और যা धातुका प्रयोग न कर भी परू बनाया जाता है :—यहीं से घर देखा जाता है। ইয়াৰ পৰা ঘৰটো দেখা যায়।

ইয়াৰ পৰা ঘৰটো দেখি।

4. আ कारान्त कुछ धातुओंके कर्मवाच्यमें ই के बदले विकृत रूप য় योग होता है।

यहां किराये पर घर मिलता है क्या?

ইয়াত ভাড়া ঘৰ পোৱা যায় নেকি?

ইয়াত ভাড় ঘৰ পায় নেকি॥

क्रियावाचक संज्ञा (और क्रियार्थक संज्ञा

1. 2 ख स्तर अनुज्ञा रूप को (अनुनासिक अंशको छोड़कर) प्रत्यय को धातुके साथ जोड़कर क्रियावाचक संज्ञा (क्रियार्थक संज्ञा) बनायी जाती है।

कामरूप जिले में शराब पीना मना है—

কামৰূপ জিলাত মদ খোৱাটো নিষিদ্ধ।

विदेशी भाषा सीखना (एक) अच्छी आदत है—
বিদেশী ভাষা শিকাটো ভাল অভ্যাস।

2. नीचे के व्यवहार भी देखे :—
তুমি অহাত মই বৰ ভাল পাইছো—
आपके आने पर मुझे बड़ी खुशी हुई।
('অহাত' আহ (आना) धातु का अनियमित क्रियार्थक संज्ञा-रूप)
তুমি ইয়াত থকাত মই ভাল পাইছো—
यहां तुम्हारे रहने के कारण मुझे खुशी हुई।

संभाव्य भूतकाल

1. इस कालमें दो क्रियाएँ होती है—एक मूलक्रिया (स्वतंत्र क्रिया) और दूसरी मूल क्रियाकी सहायक क्रिया। साधारणतः मूल वाक्यांश सहायक क्रियावाले वाक्यांशसे पहले आता है।

मूल वाक्यांश যদি से (यदि) आरंभ होता है। दोनों क्रियाओंको सामान्य भूत या आसन्न भूत कालके रूपमें रखकर दोनोमें হেতেন शब्द जोड़ देना होता है।

यदि मैं कहता—	तुम आते—
যদি মই কলোহেতেন	তুমি আহিলাহেতেন।
यदि तुम (मुझे) देते—	मुझे मिल जाता।
যদি তুমি মোক দিলাহেতেন	মই পালোহেতেন

2. अथवा मूल वाक्यांश की क्रिया को सामान्य भूत या आसन्न भूत के 2ग पुरुष स्तर में और बाकी अंश ऊपर के जैसा रखकर भी संभाव्य भूत काल का रूप प्रचलित है।

वे अगर मुझे कहते—	मैं आता
তেওঁ মোক কোৱা হলে	মই আহিলোহেতেন।

3. अथवा, मूल वाक्यांश की क्रियाको 2ख अनुज्ञा रूपमें (अनुनासिक अंश छोड़कर) रखकर হলে योग देकर भी यहरूप बनाया जाता है। द्वितीय वाक्यांश पूर्ववत् रहता है।

अगर वे मुझे सूचित करते—	मैं आ सकता—
তেওঁ মোক জনোৱা হলে	মই আহিব পাৰিলোহেতেন

[यहां द्वितीय वाक्यांश की सहायक পাৰ (सकना) क्रिया का ही आसन्न भूत रूप लिया गया है। इस तरह के वाक्यों में सहायक क्रियाका ही रूप बदलता है।]

संभाव्य क्रियार्थ भेदक (Conditional Conjunctive)

संभाव्य भूतके 2 नं नियम में उल्लिखित प्रथम वाक्यांशका क्रिया रूप ही संभाव्य क्रियार्थ भेदक कालमें भी प्रयोग होता है।
তেওঁ মোক কলে মই আহিম उनके कहने से मैं आऊंगा।
মই গাড়ীখন নিলে বেয়া নেপাবা—मेरे यह गाड़ी लेनेसे बुरा मत मानना।

अविभक्तिक सभाव्य क्रिया

1. धातु + ই (अकारांत धातु के এ)
মই আহি কামটো কৰিম=मैं आकर यह काम करूंगा।
তেওঁক কিতাপখন দি তই আকৌ আহিবি=उनको किताब देकर तू फिरसे आना। অলপ পৰ [समय] শুই মই ফুৰিবলৈ যাম=थोड़ी देर सोकर मैं घूमने [ফুৰিবলৈ -ফুৰ [घूम] धातु का असमापिका रूप] जाऊंगा।

2. लेकिन क्रियार्थक संज्ञा [संबंध कारक] के साथ পাছত शब्द योग कर भी अनुरूप भाव प्रकट किया जा सकता है —অলপ পৰ শোৱাৰ পাছত ফুৰিবলৈ যাম—थोड़ो देर सोकर घूमने जाऊंगा।

क्रियावाचक विशेषण

धातु + ওঁতে [कभी कभी ওতে] আহোঁতে [आते समय—] গাওঁতে [गाते समय] লওঁতে [लेते समय]-
"তোমালৈ চাওঁতে জপনা দেওঁতে বিন্ধিলে অধৈয়া হুলে"—
तुम्हें देखते हुए—दीवार पार होते समय मेरे पैर में एक मोटा काँटा चुभ गया [অধৈয়া=मोटा, হুল काँटा]

भावबोधक वाक्यांश

(The absolute Phrase)

[i] धातु [व्यंजनांत] + ইলত

[ii] धातु [स्वरांत] + লত

[iii] क्रियार्थक संज्ञा रूप + ত [क्रियाबाचक संज्ञा के 2नं नियम के अनुसार]

उनके देने पर मैंने लिया	তেওঁ দিলত মই লৈছোঁ
मेरे कहने से वह बैठ गयी	মই ক'লত তাই বহিল
	या মই কোৱাত তাই বহিল

संयुक्त क्रियाएँ

1. **क्रिया के साथ क्रिया**— मुख्य भाव प्रकट करनेवाली क्रियाके साथ सहायक क्रिया जोड़ी जाती है जो अपना अर्थ प्रायः खो देती है और मूल क्रियाके अर्थ को महत्व देती है। सहायक क्रिया में ही प्रत्यय का योग होता है।

কৈ চা—कहकर देख, খাই চা—खाकर देख, গুচি আহ—चल आ, শুই উঠ—सोकर उठ, কান্দি উঠ—रो उठ। থ, দে, পেলা आदि सहायक क्रियाएँ मूल क्रियाको पूर्ण क्रियाका रूप देनेके लिये प्रयुक्त होती हैं :— খাই পেলা—खा ले। मूल क्रियाको जारी रखने के अर्थमें मूल क्रियाके साथ सहायक क्रिया জা और থাক योग दिया जाता है।

तुम कहते रहो—তুমি কৈ থকা।

हम सुन रहे हैं—আমি শুনি আছোঁ।

2. अनुमति अथवा मूल किया के कार्य की व्यवस्था आदि करने के अर्थ में सहायक क्रिया 'দে' का प्रयोग होता है। মোক যাবলৈ দিয়ক—मुझे जाने दीजिये। ध्यान देनेकी बात है कि यहां मूल क्रियाका असमापिका रूप ही व्यवहार किया गया है।

3. मूल क्रियाके असमापिका रूपके साथ ওলা, मूल क्रियाके 2 ग भविष्यत कालके रूपके साथ খোজ और मूल क्रियाके 2 ग भविष्यत कालके रूपके साथ ধৰ का प्रयोग इच्छा, आरंभ करना आदि अर्थमें होता है।

মই বিদেশলৈ যাব খুজিছোঁ—मैं विदेश जाना चाहता हूं।

তেখেত যাবলৈ ওলাইছে—वे जाने (के लिये) निकले हैं।

4. संज्ञाके साथ क्रिया— क्रियाके साथ संपूरक अर्थ रखनेवाला संज्ञा शब्द संयुक्त होता है—दोनों मिलकर एक ही अर्थ प्रकट करते हैं। इसकी एक संक्षिप्त सूची नीचे दी जा रही है—

लाज पा	লাজ পা
डर कर	ভয় কৰ
मार खा	মাৰ খা
आरंभ हो	আৰম্ভ হ
आरंभ कर	আৰম্ভ কৰ
सावधान हो	সাৱধান হ
अच्छा हो	ভাল হ
दुख पा	দুঃখ পা
बुरा लग	বেজাৰ পা
शोक पा	শোক পা
उधार ले	ধাৰ কৰ
बन्द कर	বন্ধ কৰ
इच्छा कर	ইচ্ছা কৰ
देर कर, विलंब कर	দেৰী কৰ, পলম কৰ
बुरा पा	বেয়া পা
विफल हो	বিফল হ
अनुभव कर	অনুভৱ কৰ
लज्जा कर	লাজ কৰ

सुख पा	সুখ পা, ৰং পা।
मुहब्बत कर	ভাল পা
युद्ध कर	যুদ্ধ কৰ
डरा	ভয় খুৱা
लाभकर, मुनाफा कर	লাভ কৰ
जल्दी कर	খৰ কৰ
सहायता कर	সহায় কৰ
सम्मान कर	মান কৰ
आशा कर	আশা কৰ
जोड़ देना	লগ লগা
पीछे हो जा	পাচ পৰ
उधार दे	ধাৰ দে
निवास कर	বাস কৰ
लंबा कर	দীঘল কৰ
मिल ले	লগ পা
शादी कर	বিয়া কৰ
प्यार कर	মৰম কৰ
शास्ति दे	শাস্তি দে
द्वन्द्वकर, झगड़ा कर	দনকৰ, কাজিয়া কৰ
वर्षा हो	বৰষুণ দে
दौड़	লৰমাৰ, দৌৰ দে
गुस्सा कर	খং কৰ
स्मरण कर	মনত পেলা
खड़ा हो	ঠিয় হ
बातें कर	কথা পাত
कोशिश कर, चेष्टा कर	চেষ্টা কৰ
सौंगद खा	শপত খা
झूठ बोल	ফাকি দে

पैदल चल	খোজ কাঢ়
चकित हो, विस्मित हो	আচৰিত হ

5. दूसरे पदों से युक्त नीचे की क्रियाओं को ध्यान से देखें। उनके कर्त्ता हमेशा संबंध कारकमें [षष्ठी विभक्तिमें] होते है। [यहाँ धातु रूप ही दिया गया है]

ऊब जा	আমনি লাগ
ठंडा लग	ঠাণ্ডা লাগ
बुरा लग	বেয়া লাগ
अच्छा लग	ভাল লাগ
गरम लग	গৰম লাগ
भूख लग	ভোক লাগ
आनन्द लग	ৰং লাগ
प्यारा लग	মৰম লাগ
तरस खा	পুতৌ লাগ
दुख लग	দুখ লাগ, বেজাৰ লাগ
सर्दी लग	চৰ্দ্দী লাগ
नींद आ	টোপনি ধৰ
प्यास लग	পিয়াহ লাগ
थक जा	ভাগৰ লাগ
गुस्सा उठ	খং উঠ

লাগ धातु

1 লাগ धातुके अनेक अर्थ हैं :—जोड़ा देना, पेड़ पर लटकना, चोट करना इत्यादि

2. कर्मकारक (द्वितीया विभक्ति) के साथ प्रयुक्त লাগ धातु का अर्थ "चाहिये" (to want) होता है।

तुम्हें क्या चाहिये—তোমাক কি লাগে ?

मुझे एक किताब चाहिये—মোক এখন কিতাপ লাগিব।

इस अर्थमें धातुके साथ 2ग स्तर के प्रत्यय ही युक्त होते हैं।

3. मूल क्रियाके 2ग स्तर भविष्यत कालके रूपके साथ युक्त होने पर লাগ धातुका अर्थ, अनिवार्य, आभार आदि होगा। इस स्थितिमें भी 2ग स्तर के प्रत्यय (লাগ धातुके साथ) ही योग होते हैं।

মই কি কব লাগিব—मुझे क्या कहना पड़ेगा।

তুমি কালি আহিব লাগিছিল—तुम्हें कल आना चाहिये था।

লগাত পৰ के साथ और एक संयुक्त क्रिया का प्रयोग देखें—

मुझे वहां जाना पड़ता था—মই তালৈ যাব লগাত পৰিছিল।

निश्चयात्मक, अंतर्भुक्तकारी, अतिरिक्त और अन्य प्रत्यय

(The emphatic, inclusive, exclusive and other such particles.)

1. निश्चयात्मक-ই— সি আহিবই— वह आयेगा ही (वह जरूर आयेगा)। यह ই कभी कभी विकृत होकर—এই,-ৱেই आदि रूप लेता है। সিয়েই কব পাৰিব— वह खुद कह सकेगा। এইটোৱেই আমাৰ ঘৰ—यही हमारा घर है। এইটো আমাৰেই ঘৰ—यह हमारा ही घर है।

2. ও प्रत्ययका "भी" के अर्थमें क्रिया, संज्ञापद और सर्वनामके साथ प्रयोग होता है—

তুমিও যাবা—तुम भी जाओगे, মই আহিম আৰু ইয়াত থাকিমো—मैं आऊंगा और यहाँ रहूंगा भी।

3. চোন या দেখোন जोर, प्रत्यय, आश्चर्य्य इत्यादि अर्थमें प्रयोग होता है— মইচোন তোমাক কলোৱেই—मैंनेतो आपको कह ही दिया है।

4. शायद या संभावना अर्थमें 'হবলা' प्रयोग होता है— তুমি হবলা আজি যাবা ?— आज शायद (क्या) तुम जाओगे ?

5. 'जोर' देना सूचित करने के लिये संज्ञा ओर सर्वनाम शब्दोंके साथ টো योग किया जाता है।

মইটো কোৱা নাছিল—मैं ने (निश्चय) कहा नहीं था

6. গৈ (যা धातुका अविभक्तिक रूप) और হি (আহি का संक्षिप्त रूप) प्रत्यय क्रिया के साथ जोर सूचित करनेके अर्थमें प्रयोग होता है।

कुछ अव्ययों के व्यवहार

1. ऊपर— संबंध कारक के बाद ওপৰত प्रयोग होता है— मेजके ऊपर - মেজৰ ওপৰত।

2. बिना—असमीया क्रियार्थक संज्ञा के साथ पूर्व प्रत्यय নো और प्रत्यय কৈ योग कर—दिये बिना = নিদিয়াকৈ, खाये बिना = নোখোৱাকৈ, जाने बिना - নজনাকৈ।

अकर्मक, सकर्मक और प्रेरणार्थक क्रिया

सकर्मक क्रिया बनानेके लिये अकर्मक क्रियाके साथ আ और प्रेरणार्थक किया बनाने के लिये—ওৱা प्रत्यय योग किया जाता है। निम्न लिखित उदाहरणों से यह स्पष्ट हो जायगा—

अकर्मक	सकर्मक	प्रेरणार्थक
ঘূৰ (घूमा)	ঘূৰা	ঘূৰোৱা
উৰ (उड़)	উৰা	উৰোৱা
পৰ (गिर)	পেলা	পেলোৱা
জ্বল (जल)	জ্বলা	জ্বলোৱা
লাগ (जोड़ा)	লগা	লগোৱা
ভাঙ্গ (तोड़)	ভাঙ	ভঙোৱা

अकर्मक	सकर्मक	प्रेरणार्थक
ফাল (फाड़)	ফাল	ফালা
কান্দ (रो)	—	কন্দুৱা
হাহঁ (हंस)	—	হঁহুৱা
মৰ (मर)	মাৰ	মাৰা
ওলা (निकला)	উলিয়	—
শো (सो)	শুৱা	
কৰ (कर)	—	কৰা
পঢ় (पढ़)	—	পঢ়া
লিখ (लिख)	—	লিখা
বুজ (समझ)	বুজ	—
শুন (सुना)	শুনা	—
দেখ (देख)	দেখুৱা	—

शब्दावली और प्रत्यय संबंधी नोट

1. असमीया भाषामें आज बहुत से विदेशी शब्द भी हैं—खास कर वैज्ञानिक पारिभाषिक शब्द और रेडिओ, क्रिकेट आदि आधुनिक चीज संबंधी।

2 शब्दोंके साथ पूर्व प्रत्यय उपसर्ग और प्रत्यय योग कर नया शब्द बनाया जाता है। कुछ उदाहरण नीचे दिये जा रहे हैं।

দুৰ্বল	दुर्बल	দুৰ্বলতা	दुर्बलता
মিত্ৰ	मित्र	মিত্ৰতা	मित्रता
মন	मन	মানসিক	मानसिक
শৰীৰ	शरीर	শাৰীৰিক	शारीरिक, शरीर संबंधी
অৰ্থ	अर्थ	আৰ্থিক	आर्थिक
এদিন	एकदिन	এদিনীয়া	एकदिन का

আগ	पहले	আগতীয়া	पहले, आगे, आग(धन)
গৌৰৱ	गौरव	গৌৰৱময়	गौरवपूर्ण
দুষ্ট	दुष्ट	দুষ্টালী	दुष्टता
মৰম	प्यार	মৰমিয়াল	स्नेही
অসম	असम	অসমীয়া	असमकी भाषा, असम के लोग } असमीया
সুখ	सुख	সুখী	सुखी
কপাহ	कपास	কপাহী	कपासका बना हुआ

3 पूर्व प्रत्यय (उपसर्ग) युक्त :—

লাগতিয়াল	जरूरी	অনাগতিয়াল	अनावश्यक
সুবিধা	सुविधा	অসুবিধা	असुविधा
আদৰ	यत्न	অনাদৰ	अनादर
পৈণত	प्रौढ़	অপৈণত	अप्रौढ़

वाक्य रचना

1. हिन्दी की तरह असमीयामें वाक्य रचना प्रणाली निम्न प्रकार की है—

कर्त्ता + कर्म अप्रधान + कर्म प्रधान + क्रिया

उसने मुझे एक नयी किताब दी थी—তেওঁ মোক এখন নতুন কিতাপ দিছিল।

कर्त्ता, कर्म अथवा क्रिया पद की वृद्धि होने [बढ़ जाने] पर पहले के शब्द के पूर्व जोड़े जाते हैं।

रामके भाई यदुने मुझे एक लाल कलम चुपचाप दी थी—
ৰামৰ ভায়েক যদুৱে মোক এটা ৰঙা কলম মনে মনে দিছিল।

2. निषेधात्मक शब्दों का वाक्य के अंतमें प्रयोग होता है—
তেওঁ মোক একো কোৱা নাই—उन्होंने मुझे कुछ भी कहा नहीं।

3. विधेयक शब्दका वाक्य में प्रयोग नहीं होता
आपका नाम क्या है—আপোনাৰ নাম কি [হয়]
वह कौन है—তেওঁ কোন [হয়]

4. संभाव्य भूत कालमें संयुक्त वाक्यों के उदाहरण दिये गये है

प्रत्यक्ष और परोक्ष कथन

प्रत्यक्ष कथनमें वक्ताके शब्दों को ही उद्धृत किया जाता है [ऊर्द्ध कमा के अंदर रखकर]। परोक्ष कथन 'যে' 'বোলে' 'বুলি' 'হেনো' [কি] आदि शब्दों द्वारा सूचित होता है।

प्रत्यक्ष	परोक्ष
তেওঁ কৈছিল 'মই যাম"	তেওঁ কৈছিল বোলে তেওঁ
उसने कहा था—"मैं जाऊँगा"	उसने कहा था कि वह
মই কৈছিলোঁ—"মই যাম"	মই কৈছিলোঁ। যে মই
मैंन कहा था—"मैं जाऊंगा	मैंने कहा था कि मैं जाऊंगा

আপুনি কৈছিল-"মোৰ অসুখ" আপুনি কৈছিল বোলে আপোনাৰ অসু
आपने कहा था—"मैं अस्वस्थ हूँ।" आपने कहा था कि आप अस्वस्थ
ৰামে কৈছিল-"মই দেখা না ছলো" ৰামে দেখা নাছিল বুলি কৈছিল;
रामने कहाथा-"मैंने नहीं देखा था।" ৰামে দেখা নাছিল বুলি কৈছিল,
ৰামে কৈছিল বোলে তেওঁ দেখা নাছিল,
ৰামে কৈছিল তেওঁ হেনো দেখা নাছিল

विशेषणों की तुलना

1. अच्छा—ভাল, बहुत अच्छा—বেছি ভাল, सबसे अच्छा—আটাইতকৈ ভাল। सुन्दर—ধুনীয়া, सुन्दरतर—বেছি ধুনীয়া, सुंदरतम—আটাইতকৈ ধুনীয়া। मूल विशेषण पदका रूपांतर नहीं होता 'বেছি' और 'আটাইতকৈ' शब्द उल्लिखित उदाहरणों की तरह प्रयोग होते हैं।

2. माला रूमी की अपेक्षा ऊंची है—মালা ৰুমীতকৈ বেছি ওখ। न्यूनता वाचक विशेषण जिसके लिये व्यवहृत होता है उसके साथ —তকৈ (—অতকৈ—स्वरांत शब्दोंके साथ) योग होता है।

3. रूमी वर्ग में सबसे अच्छी लड़की है—ৰুমী শ্ৰেণীত আটাইতকৈ ভাল ছোৱালী। ध्यान देने के लायक बात यह है कि सर्वोत्तमता सभी के (আটাই) साथ तुलना करने से आती है। अतः আটাই के साथ तुलनाके समय—তকৈ प्रत्यय योग होता है। एक ही भाव ভিতৰত, মাজত प्रयोग करके भी प्रकट किया जाता है। वह वर्ग में सबसे अच्छा लड़का है— তেওঁ সকলো ল'ৰাতকৈ ভাল। তেওঁ সকলো ল'ৰাৰ ভিতৰত ভাল।

4. —তকৈ शब्द का प्रयोग होने पर বেছি शब्द अनावश्यक हो जाता है। मेरे देश से मामाजी बढ़कर नहीं—মোৰ দেশতকৈ মোমাই ডাঙৰ নহয়।

5. सर्वोत्तमता सूचित करने के लिये খুব, একেবাৰে, অত্যন্ত आदि शब्दोंका भी व्यवहार होता है। तुलना करने वाले वस्तु-बोधक शब्द लुप्त रहने पर ही इन शब्दोंका प्रयोग होता है—
यह कपड़ा बहुत सस्ता है— এই কাপোৰখন বেছি সস্তা।
आज वह) बीमार आदमी अत्यन्त दुर्बल हो पड़ा है— আজি ৰোগীজন অত্যন্ত (একেবাৰে, সমুলি, তেনেই) দুৰ্বল হৈ পৰিছে।

6. আৰু, একেবাৰে इत्यादि शब्द क्रिया विशेषणोंके पूर्व भी प्रयोग होते हैं। वह और धीरे धीरे जायेगा— তেওঁ আৰু লাহে লাহে যাব। गाड़ीको बिलकुल धीरे चलाओ— গাড়ীখন একেবাৰে লাহে লাহে চলোৱা।

7. कुछ विशेषण पदों के साथ তৰ (दोमें तुलना के लिये) और তম (सर्वोत्तमता के लिये) का प्रयोग होता है। গুৰু—वजनदार, গুৰুতৰ—गुरुतर (कुछ ज्यादा वजनदार), গুৰুতম—गुरुतम (सबसे ज्यादा वजनदार)

(8) কুছ विशेषणोंका तुलनात्मक और सर्वोत्तमता सूचक संपर्ण अलग अलग रूप मिलते हैं :—

শ্ৰেয়-श्रेय (better) শ্ৰেষ্ঠ--उत्तम (best)

कुछ वाक्यांश

বিদায় দিছে	विदा की
বৰশী বাইছে	बंसी लगायी है।
বজাৰ কৰিছে	बाजार किया है।
বতাহ বলিছে	हवा चल रही है
ভোক গুচিছে	भूख मिटी।
বৰষুণ আহিছে	वर्षा आयी है।
চকুত লগা	सुन्दर
দুপৰ হৈছে	दोपहर हुआ है
দোকান দিছে	दूकान खोली है।
একেবাৰে, সাইলাখ	एकदम, अविकल
একেবাৰে এক	बिलकुल एक
গধূলি হৈছে	शाम हुई
গাত ল	दायित्व ले
ছমুনিয়া পেলাইছে	आहे भरी
জুই পুৱাইছে—	आगमें तापता हैं
জুই ধৰিছে—	आग सुलगी है
কাপোৰ বাচিছে	कपड़े चुन रहा है
কথমপি	किसी तरह
মনে মনে	चुपचाप
মূৰ আঁচুৰিছে	कंधी है
পেটে পেটে	अंदर ही अंदर
ৰ'দ লৈছে	धूप ले रहे है

ৰ'দ দিছে ৰ'দ ওলাইছে	धूप निकली है
ৰাতি পুৱাইছে	सुबह हुई, भोर हुआ
সাজ লাগিছে	सांझ हुई।
সেৱা কৰিছে-	प्रणाम किया

बातचीत और कुछ उपयोगी कथन

समाजमें

हिन्दी	असमीयामें
नमस्कार—	নমস্কাৰ।
अच्छा, अब चलो—	ভাল, আহো এতিয়া।
अच्छा, चलिये—	ভাল, যাওক এতিয়া।
कैसे हैं—तबीयत ठीक है ?—	কেনে ভালনে ?
घरमें सब अच्छे हैं ?—	ঘৰত ভালনে ?
जी, किसी तरह हूँ।—	হয়, এক প্ৰকাৰ ভাল।
धन्यवाद—	ধন্যবাদ।
बहुत धन्यवाद—	অশেষ ধন্যবাদ।
कृपया आपकी कलम देंगे क्या ?—	অনুগ্ৰহ কৰি আপোনাৰ কলমটো দিবনে ?
मुझे जरा मदद करेंगे क्या ?—	মোক এটা সহায় কৰিবনে ?
जी हाँ, जरूर।—	হয়, নিশ্চয়।
तुम कौन हो ?—	তুমি কোন ?
तुम कहाँ से आये हो ?—	তুমি ক'ৰ পৰা আহিছা ?
तुम्हारा नाम क्या है ?—	তোমাৰ নাম কি ?
क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ?—	মই ভিতৰলৈ আহিব পাৰোনে
मुझे क्षमा कर दीजिये।—	মোক মাফ (ক্ষমা) কৰিব।

हिन्दी	असमीया
क्या मैं आपका नाम जान सकता हूं ?—	मइ আপোনাৰ নামটো জানিব পাৰোনে !
आइये, आइये ।—	আহক, আহক।
क्या आप असमीया बोल सकते हैं !—	আপুনি অসমীয়া কব পাৰেনে ?
जी हां, मैं समझ सकता हूँ ।—	হয় মই বুজিব পাৰোঁ ।
लेकिन मैं अच्छी तरह बोल नहीं पाता ।—	কিন্তু, মই ভালদৰে কব নোৱাৰোঁ।
मैंने सुना नहीं, (कृपया) फिर से कहिये—	মই শুনিলো, আকৌ কওকছোন।
बुरा मत मानियेगा—	বেয়া নেপাব দেই।
मेरा नाम ....है—	মোৰ নাম........
आप क्या करते हैं ? (आपका धंधा क्या है)-	আপোনাৰ ব্যৱসায় কি ?
मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूँ—	মই আপোনাৰ কাৰণে কি কৰিব পাৰো ?
डॉ बरुवाजी का घर कौन सा है क्या आप मुझे बता सकते हैं ?—	ডাক্তৰ বৰুৱাৰ ঘৰ কোনটো মোক কব পাৰেনে ?
मेरे साथ आइये मैं दिखा दूंगा—	মোৰ লগত আহক, মই দেখুৱাই দিম।
बैठिये—	বহক ।
क्या मुझे जानेकी अनुमति देंगे—या क्या मैं अब जा सकता हूं—	মই এতিয়া যাব পাৰোনে ?
मुझे बहुत अफसोस है—	মই বৰ দুঃখিত।
बात क्या है—	কথাটো কি ?
नहीं, कुछ नहीं—	নাই, একো নহয়।
आपने ठीक ही कहा है—	আপুনি ঠিকেই কৈছে।
आपको यहाँ कुछ तकलीफ है क्या—	আপুনি ইয়াত কিবা অসুবিধা পাইছেনেকি ।

हिन्दी	असमीया
नहीं, नहीं मैं आराम से (मजेमें) हूँ—	নাই, নাই, খুব আৰামতে আছো।
बहुत दिनों के बाद मैंने आपको देखा—	মই আপোনাক বহুত দিনৰ মূৰত দেখা পালো।
मैं बरपेटा गया था—	মই বৰপেটালৈ গৈছিলো।
आपलोग इसे असमीयामें क्या कहते हैं—	আপোনালোকে ইয়াক অসমীয়াত কি বোলে।
वह हो ही नहीं सकता—	সেইটো হবই নোৱাৰে।
छिः छिः बड़ी लज्जाकी बात है—	ছি ছি লাজ লগা কথা।
आहः बिचारी—	এহ, বেচাৰী।
अच्छा ठीक है—	বাৰু, ঠিক আছে।
चुप रहो—	চুপ, মনে মনে থাক,
निकल जाओ—	বাহিৰ হ।
मुझे तंग मत करो—	মোক আমনি নকৰিবা।
मैं आशा करता हूँ कि—	মই আশা কৰো যে—
मैंने सोचा नहीं था कि-	মই ভবা নাছিলো যে—
दूसरी तरफ—	আন হাতে।
उसदिन-	সিদিনা।
गतवर्ष-	যোৱা বছৰ।
आगामी वर्ष—	অহা বছৰ।
यह तो सभी जानते हैं—	এইটো সকলোৱে জানে।
होगा, उतने से होगा—	হব, সিমানেই হব।
मुझे किसने बुलाया—	মোক কোনে মাতিছে ?
उन्हें दोष मत देना—	তেওঁক দোষ নিদিবা।
मैं इसे बिना किये रह नहीं सका—	মই এইটো নকৰি নোৱাৰিলো।
आजका समाचार पत्र देखा है क्या—	আজি খবৰ কাগজখন দেখিছানে ?

हिन्दी	असमीया
वह खबर सुनकर मुझे बड़ी खुशी हुई—	मई खबৰটো শুনি বৰ ৰং পাইছো।
वे आपसे मिलना चाहते थे—	তেখেতে আপোনাক লগ পাব খুজিছিল।
आपकी क्या राय है—	আপোনাৰ মতামত কি ?
आपके लड़के-लड़कियाँ कितने हैं ?—	আপোনাৰ ল'ৰা-ছোৱালী কেইটি ?
मेरी दो लड़कियाँ हैं और एक लड़का-	মোৰ ছোৱালী দুজনী আৰু ল'ৰা এটা।
मैंने अभी तक शादी नहीं की—	মই এতিয়াও বিয়া কৰোৱা নাই
कृपया आज शामको आइयेगा—	অনুগ্ৰহ কৰি আজি আবেলি আহিব।

समय, आबोहावा स्वास्थ्य सम्बन्धी

अब कितना बजा है ? अब समय क्या हुआ—	এতিয়া কিমান বাজিছে। এতিয়াসময় কিমান হৈছে।
अभी पांच (साढ़े चार, डेढ़, ढाई) बजता है—	এতিয়া পাচ (চাৰেচাৰি, ডেড়, আঢ়ৈ) বাজিছে।
छः बजनेकी बीस मिनट बाकी है—	ছয় বাজিবলৈ কুৰি মিনিট বাকী আছে।
सात बजकर दस मिनट हुआ है—	সাত বাজি দহ মিনিট গৈছে।
सबेरे नौ बजे—	পুৱা ন বজাত
शामको तीन बजे—	আবেলি তিনি বজাত।
आज रात को वर्षा हो सकती है—	আজি ৰাতি বৰষুণ দিব পাৰে।
असममें बहुत वर्षा होती है—	অসমত বৰ বৰষুণ দিয়ে।
आसमान में बादल नहीं है—	আকাশত মেঘ নাই।

हिन्दी	असमीया
आज बहुत गरम है (ठंण्ड है) —	আজি বৰ গৰম পৰিছে (ঠাণ্ডা পৰিছে)
वर्षा हो रही है, छतरी को साथ ले जाना अच्छा है—	বৰষুণ দিছে, চাটিটো লোৱাই ভাল হব।
इस जगह की आबोहवा आपकी उपयोगी रही—	এই ঠাইৰ জলবায়ুৱে আপোনাক সুজিছে।
मैं अब बहुत ठीक हूँ—	মোৰ এতিয়া বহুত ভাল হৈছে।
गत शुक्रवार से मेरी तबीयत खराब थी—	যোৱা শুকুৰবাৰৰ পৰা মোৰ অসুখ হৈছিল।
चिंता मत कीजिये, दो एक दिन में ही ठीक हो जायेंगे।	চিন্তা নকৰিব, দুই এদিনতে আপুনি ভাল হব।

भ्रमणकारी और अनजान आदमी

यहां आप कब पहुँचे—	আপুনি কেতিয়া এইখিনি পালেহি ?
मैं परसों ही यहाँ आया—	মই ইয়ালৈ পৰহিয়ে আহিলোঁ।
मैं दो-चार दिन योरहाट में रहूँगा—	মই দুদিন মানৰ (अनिश्चयता) কাৰণে যোৰহাটত থাকিম।
मुझे एक अच्छी होटलमें ले चलो—	মোক এটা ভাল হোটেললৈ লৈ ব'লা।
मुझे एक विश्वस्त नौकर चाहिये—	মোক এটা বিশ্বাসী চাকৰ লাগে।
डाकघर के लिये मैं किस तरफसे जाऊँगा—	ডাকঘৰলৈ কোন ফালে যাম।
आप सीधे जाइये, इसके बाद बायें घूमियेगा (मोड़ लीजियेगा)—	আপুনি পোনে পোনে যাব তাৰ পাচত বাওঁফালে ঘূৰিব।
यह ... ... का घर है क्या—	এইটো ... ... ৰ ঘৰ হয় নে ?

हिन्दी	असमीया
वे घरमें है क्या—	তেখেত ঘৰত আছেনে ?
नहीं, वे अभी अभी निकल पड़े—	নাই, তেখেত ওলাই গ'ল।
मैं बससे मराण जाना चाहता हूँ—	মই মৰাণ (जगह का नाम) লৈ বাচেৰে যাব খুজিছো।
यहाँ से मराण कितनी दूर है—	ইয়াৰ পৰা মৰাণলৈ কিমান দূৰ ?
मराण के लिये बस कितने बजे जायेगी—	মৰাণলৈ বাচ কেই বজাত যাব ?
तुम किराया कितना लोगे—	তুমি কিমান ভাড়া লবা।
यहाँ कोई बैठा है क्या—	এই ঠাইত কোনোবা বহিছে নেকি ?
हम सुबह ही निकले थे—	আমি পুৱাই ওলাইছিলো।
मौसम ठीक न होने की वजह से देर हो गयी—	বতৰ বেয়া কাৰণে আমাৰ পলম হল।
गाड़ी तेजीसे चलाइये, मुझे समयानुसार पहुँचना है—	গাড়ীখন বেগাই চলোৱা, মই সময়মতে পাব লাগে।

नौकर से

जल्दी जा, देर मत करना—	সোনকালে যা, পলম নকৰিবি।
यह चिट्ठी डाकघर में डालना—	চিঠিখন ডাকঘৰত দিবি।
जल्दी कर, मुझे देर हो रही है—	খৰ কৰ, মোৰ দেৰী হৈছে।
दो कप (प्याली) चाय बना—	দুকাপ চাহ কৰ।
चीनी जरा ज्यादा डालना—	অলপ বেচিকৈ চেনি দিবি।
दरवाजा खोल दे—	দুৱাৰখন খুলি দে।
खिड़की बंद कर—	খিৰিকিখন জপাই (মাৰি, বন্ধ কৰি) দে।
आज सुबह कौन आया था—	আজি পুৱা কোন আহিছিল।
उन्होंने क्या कहा था—	তেওঁ কি কৈছিল।
उन्हें रुकने को कह—	তেওঁক ৰবলৈ ক।

हिन्दी	असमीया
मेरी ऐनक को कहां रखा	মোৰ চচমাজোৰ ক'ত থলি ?
तुझे कितना तनख्वाह चाहिये	তোক কিমান দৰমহা লাগিব ?

शहर और गांवमें

गजका भाव क्या है	গজে কিমান দাম।
आपको और कुछ नहीं चाहिये ?	আপোনাক আৰু কিবা লাগিবনে
नहीं, मुझे और कुछ नहीं चाहिये	নাই, আৰু একো নালাগে।
बहुत ज्यादा बताया है, कुछ कम करके दीजिये	বৰ দাম কৰিছে, অলপ কম দা দিয়ব
हमने ठीक दाम ही कहा है	আমি ঠিক দাম কৈছো।
माफ कीजियेगा, और कम भाव में दे नहीं सकेंगे	মাফ কৰিব, আৰু কম দামত দি নোৱাৰি
मुझे थोड़ासा मूंगा कपड़ा दीजिये	মোক অলপ মুগা কাপোৰ দিয়ক
बुरा मत मानियेगा, मुझे पसन्द नहीं	বেয়া নেপাব, মোৰ পচন্দ হোৱা না
इस गांवका नाम क्या है	এই গাওঁখনৰ নাম কি ?
यह पहाड़ बहुत सुंदर है	এই পাহাৰটো বৰ ধুনীয়া।
पैदल चलकर मैं थक गया हूँ	খোজ কাঢ়ি মোৰ ভাগৰ লাগি
मुझे भूख (प्यास) लगी है	মোৰ ভোক (পিয়াহ) লাগিছে।
आइये, हम यहां थोड़ा विश्राम कर लें	আহক, আমি ইয়াতে অলপ জিৰণি লওঁ

———